हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

रांची, औरंगाबाद एवं आरा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.sonvarshavani.com

रांची • वर्ष -04 • अंक - 162 • गुरुवार 25 जुलाई 2024 • रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 • पृष्ठ -12 • मूल्य : 2 रुपये

दिल्ली मार्च जारी रखेंगे, किसानों का बड़ा ऐलान

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद लिया निर्णय, संसद में भी उठेगी आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के लिए सरकार पर दबाव बना रहे किसानों ने बुधवार सुबह संसद परिसर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। उन्होंने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक के 12 किसान नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। राहुल गांधी के मुलाकात के बाद एक किसान नेता ने कहा कि सरकार उनकी मांगे मानने में विफल रही है और वे दिल्ली मार्च जारी रखेंगे। किसानों में से एक जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कहा कि सरकार अब तक आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही है। स्वामीनाथन रिपोर्ट का क्रियान्वयन जरूरी है। हम दिल्ली की ओर मार्च जारी रखेंगे। इससे पहले किसानों की मुलाकात राहुल गांधी के संसद भवन स्थित कार्यालय में हुई। इसमें कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला, धर्मवीर गांधी, अमर सिंह, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और जय प्रकाश भी मौजूद थे। बैठक के बाद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा, राहुल गांधी संसद के अंदर किसानों की आवाज उठाएंगे.. किसानों द्वारा दिल्ली में फिर से मार्च निकालने की योजना बनाने की खबरों पर उन्होंने कहा, उन्हें दिल्ली आकर विरोध करने का पूरा अधिकार है (और) अगर कोई निजी विधेयक लाने की जरूरत पड़ी तो हम उसे भी लाएंगे। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा,किसान नेताओं को मैंने संसद भवन में मिलने के लिए बुलाया था लेकिन उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया तो मैं मिलने गया।

ममता बनर्जी के शरणार्थी वाले बयान पर भड़का बांग्लादेश

- जारी की तीखी प्रतिक्रिया,शेख हसीना सरकार ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अपना विरोध जताया है। ममता ने कहा था कि वह हिंसाग्रस्त बांग्लादेश से आने वाले असहाय लोगों को पश्चिम बंगाल में आश्रय देंगी। पड़ोसी देश ने इस मामले में भारत सरकार को एक आधिकारिक नोट भेजा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति सम्मान के साथ हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम की बहुत गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक नोट दिया है।

चुपचाप सुनो, महिला हो तुम कुछ जानती नहीं हो

- नीतिश कुमार ने फिर से बिहार विधानसभा में खोया आपा, आरजेडी की रेखा देवी पर भड़के

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार बुधवार को एक बार फिर विधानसभा में आपा खो बैठे। उन्होंने आरजेडी की विधायक रेखा देवी के भाषण पर ऐतराज जताते हुए कहा कि आप क्या बोल रही है। उन्होंने कहा कि महिला हो, कुछ जानती नहीं हो। पता नहीं क्या-क्या बोल रही है। आपको पता है कि महिलाओं की क्या स्थिति थी। 2005 के बाद ही महिलाओं की स्थिति ऐसी हुई। रेखा देवी के आरोपों पर नीतिश कुमार हत्थे से उखड़ गए और फिर जमकर बोले। उनके बयान को आरजेडी समेत विपक्षी दलों ने महिलाओं का अपमान करार दिया है। नीतिश कुमार ने कहा,अरे, महिला हो। कुछ जानती नहीं हो।

मुस्लिमों के बिना संभव नहीं है अमरनाथ यात्रा

- कांवड़ यात्रा से जुड़े आदेश पर उमर अब्दुल्ला ने कह दी बड़ी बात

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा के दौरान भोजनालयों पर उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से अंतरिम रोक लगाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के सहयोग के बिना अमरनाथ यात्रा तक संभव नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर यह (कांवड़ यात्रा संबंधित) आदेश मुसलमानों को उस यात्रा से दूर रखने के लिए जारी किया गया था, तो अल्लाह के लिए मुझे बताएं कि जब यहां (अमरनाथ) यात्रा होती है, तो वह मुसलमानों के बिना मुमकिन नहीं है।

पेपर लीक पर 10 साल की सजा, एक करोड़ का जुर्माना

बिहार विधानसभा से पास हो गया बिहार लोक परीक्षा बिल

पटना (एजेंसी)। परीक्षा में धांधली और पेपर लीक रोकने के लिए बुधवार को विधानसभा से बिहार लोक परीक्षा विधेयक 2024 पास हो गया है। इस कानून के तहत पेपर लीक करने वालों को 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विधानसभा के बाद अब विधान परिषद में पास होना बाकी है। जिसके बाद इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। विधेयक पेश करते हुए संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ऐसे महत्वपूर्ण कानून का हिस्सा नहीं बनना चाहता, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए एक स्वच्छ परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करना है। विजय चौधरी ने कहा कि यह विधेयक किसी भी तरह से परीक्षाओं को प्रभावित करने वाले पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों और असामाजिक लोगों को रोकने के लिए कठोर दंड देता है।

घाटी की सुरक्षा के लिए खतरा बने 4 सरकारी कर्मचारी

- सभी को बिना जांच के नौकरी से कर दिया गया बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने चार सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। वजह बताई है कि यह लोग राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा थे। इन सरकारी कर्मचारियों को संविधान के आर्टिकल 311 (2) (सी) के तहत तुरंत प्रभाव से हटा दिया गया है। संविधान का यह आर्टिकल किसी सरकारी कर्मचारी को बिना जांच के बर्खास्त करने की इजाजत देता है। इससे पहले भी कुछ सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। एक ताजा आदेश में प्रशासन ने हंदवाड़ा के सीनियर ग्रेड कांस्टेबल मुश्ताक अहमद पीर, दक्षिण कश्मीर के त्राल के गमराज गांव के पुलिस कांस्टेबल इम्तियाज अहमद लोन, उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा के लालपोरा के खुरहामा गांव के शिक्षा विभाग के जूनियर सहायक बाजिल अहमद मीर और उत्तर कश्मीर के ग्रामीण विकास विभाग के ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता मोहम्मद जैद शाह को बर्खास्त कर दिया है।

शंभू बार्डर खोलने के आदेश पर लग गई 'सुप्रीम' रोक

किसानों की मांगों के लिए समिति गठित करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा शंभू बार्डर खोलने के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। साथ ही शीर्ष अदालत ने इस मसले पर निर्णय लेने के लिए एक समिति गठित करने का आदेश दिया है। समिति में अधिकारियों, किसानों और सामाजिक कार्यकर्ता को शामिल करने का निर्देश दिया गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की विभिन्न मांगों पर विचार करने के लिए समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने सहित अन्य मांगों पर विचार करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उस समय उठाया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। किसानों की प्रमुख मांगों में से एक यह है कि उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए, ताकि उन्हें अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्वतंत्र व्यक्तियों की एक समिति बनाने की मंशा व्यक्त ताकि पंजाब-हरियाणा सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों और सरकारों के साथ बातचीत कर मुद्दों का समाधान ढूंढ़ सके। कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा राज्यों से उपयुक्त व्यक्तियों के नाम सुझाने को कहा।

नेपाल के काठमांडू में प्लेन क्रैश, 18 की मौत

त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ बड़ा हादसा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक विमान क्रैश हो गया है। प्लेन में सवार 19 लोगों में से 18 की मौत हो गई है। वहीं घायल पायलट कैप्टन एम. शाक्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है।

प्लेन काठमांडू से पोखरा जा रहा था। प्लेन ने सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ान भरी। इसके कुछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया। यह प्लेन सौर्य एयरलाइन्स का था। हादसे में मारे गए लोगों में से 17 सौर्य एयरलाइंस के ही स्टाफ थे, जबकि बाकी 2 क्रू मेंबर्स थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि क्रैश के बाद विमान में आग लग गई थी। इसे तुरंत बुझा दिया गया। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में धुएं का गुबार उठता दिख रहा है। हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना को बड़ी सफलता

- एक आतंकी को कर दिया ढेर, सेना का जवान भी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रातभर एनकाउंटर हुआ जिसमें एक आतंकवादी मारा गया और एक जवान घायल हो गया।
सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी।
श्रीनगर की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, कुपवाड़ा के कोवुत इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23-24 जुलाई को संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया।
सेना ने कहा कि मंगलवार को संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर सैनिकों ने संदिग्धों को चुनौती दी। इस पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और दोनों ओर से मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना ने कहा कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और एक सैनिक घायल हो गया। अभियान जारी है।

बजट से बिफरा विपक्ष, सरकार के खिलाफ बोला बड़ा हमला

नीति आयोग की बैठक का भी 4 सीएम करेंगे बहिष्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम बजट में गैर भाजपा शासित राज्यों को नजरअंदाज किए जाने से नाराज 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इस बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री सदस्य होते हैं। नीति आयोग की बैठक 27 जुलाई को है। इन घटकों ने बुधवार को संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन भी किया है। बहिष्कार करने वालों में कम से कम चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हैं।

इनमें कांग्रेस शासित राज्यों के तीन मुख्यमंत्री हैं। ज्ञात हो कि इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) के एक प्रमुख घटक-द्रमुक के प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन राज्य के साथ अन्याय के खिलाफ पहले ही बहिष्कार का ऐलान कर चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई 'इंडिया' के घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं की बैठक में आम बजट पर विस्तार से चर्चा हुई। खरगे के सरकारी आवास पर हुई इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई दलों के नेता मौजूद थे। बैठक में मौजूद एक नेता ने कहा कि बैठक में गैर भाजपा शासित राज्यों को नजरअंदाज करने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना को बड़ी सफलता

- एक आतंकी को कर दिया ढेर, सेना का जवान भी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रातभर एनकाउंटर हुआ जिसमें एक आतंकवादी मारा गया और एक जवान घायल हो गया। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, कुपवाड़ा के कोवुत इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23-24 जुलाई को संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया। सेना ने कहा कि मंगलवार को संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर सैनिकों ने संदिग्धों को चुनौती दी। इस पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और दोनों ओर से मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना ने कहा कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और एक सैनिक घायल हो गया। अभियान जारी है। इसके पहले, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया, जिस दौरान एक जवान शहीद हो गया था।

आतंकवादी या तो जेल में रहेंगे या जहन्नुम में जाएंगे

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की राज्यसभा में दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर सहित देश की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए सरकार ने बुधवार को कहा कि उसकी नीति आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और आतंकवादी या तो जेल में रहेंगे या जहन्नुम में जाएंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह भी बताया कि विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को अगस्त 2019 में हटाए जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना ने 900 से अधिक आतंकियों को मार गिराया है। आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प जताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कश्मीर में 28 आतंकियों को मार गिराया गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि आतंकी हमलों में हमारे कुछ जवानों की भी जान गई है। उन्होंने पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि 2004 से 2014 के बीच आतंकी घटनाओं की संख्या 7217 थी जबकि 2014 से 21 जुलाई 2024 तक ऐसी 2259 घटनाएं हुई हैं जो नहीं होना चाहिए थीं। इस पर राजनीतिक नहीं करनी चाहिए। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की है तथा आतंकवादी या तो जेल में रहेंगे या जहन्नुम में जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव 27 और 28 को

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में आइक्यूएसी और हेरिटेज सोसाइटी के तत्वावधान में दो दिवसीय ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन 27 और 28 जुलाई को किया जायेगा। इसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों और विवि के लोग जनजातीय संस्कृति और विरासत पर प्रकाश डालेंगे। इस संबंध में विवि के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी जनजातीय संस्कृति और उसकी विरासत को सहेजें, संरक्षित करें और नयी पीढ़ी को उससे अवगत करायें। यह दो दिवसीय ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव उसी दिशा में एक प्रयास है, जहां देश के विषय विशेषज्ञ इतिहास, दर्शनशास्त्र, साहित्य, कला, पर्यटन और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आपसी विमर्श और संवाद स्थापित करेंगे, जिससे इस कॉन्क्लेव की समाप्ति के बाद कई सार्थक निष्कर्षों पर पहुंचा जा सके। कार्यक्रम में शामिल होने वालों में डॉ धम्मरत्न, नव नालंदा महाविहार, डीम्ड विश्वविद्यालय, डॉ अनंत आशुतोष, अध्यक्ष, हेरिटेज इंडिया, प्रो संजय पासवान, पूर्व कैबिनेट मंत्री, प्रो दीनबंधु पांडेय, सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज, डॉ आनंद वर्धन, बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली और प्रो विजय शंकर शुक्ल, बीएचयू शामिल हैं।

नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के समर्थकों के ठिकानों पर एनआईए का छापा

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 15 लाख के ईनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। रविंद्र गंझू को समर्थन देने वाले और उसकी काली कमाई का निवेश करने वाले लोगों के ठिकानों पर एनआईए बुधवार की सुबह से छापेमारी शुरू की है। एनआईए सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रांची के मैक्लुस्कीगंज और लातेहार बार्डर पर स्थित ठिकानों पर एनआईए छापेमारी कर रही है। लोहरदगा जिले के बुलबुल जंगल में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी मामले में लोहरदगा के पेशरार थाना में साल 21 फरवरी 2022 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसके बाद इस केस को री-रजिस्टर्ड करते हुए एनआईए ने 14 जून 2022 को आरसी 02/2022 के तहत

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने रियाजुल अंसारी से की मुलाकात

रांची। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रियाजुल अंसारी का इलाज रांची के बरियातू स्थित जयप्रकाश नगर के मां ललिता पालीडॉक" हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद चल रहा हैं । बुधवार को अंसारी को देखने और उनका हाल-चाल जानने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर , प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर , मंत्री इरफान अंसारी , पूर्व मंत्री बंधु तिर्की , कृषि बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह , आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय पासवान एवं अन्य विशिष्ट लोग पहुंचे । रियाजुल अंसारी पिछले गुरुवार को अधिक पेट दर्द,बुखार, जौंडिस, पित्त की थैली में पत्थर एवं इन्फेक्शन की शिकायत लेकर मां ललिता पालीडॉक में भर्ती हुए थे। वहां उनका ऑपरेशन लेप्रोस्कॉपीक सर्जन डॉ अजीत कुमार एवं क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉक्टर कौशल की टीम ने किया। ऑपरेशन के बाद,अभी उनकी स्थिति में काफी सुधार है।

बाल सुधार गृह से फरार तीन बाल कैदियों को पुलिस ने पकड़ा

रांची। राजधानी के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह से फरार तीन बाल कैदियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। तीनों बाल कैदी बुधवार को बाल सुधार गृह की दीवार फांदकर फरार हो गए थे। मामले की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों बाल कैदियों को पकड़कर बाल सुधार गृह को सौंप दिया। दो को उनके घर से और एक को बाल सुधार गृह के समीप से पकड़ा गया है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि तीनों फरार बाल कैदियों को पकड़ लिया गया है और बाल सुधार गृह को सौंप दिया गया है।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद नाबालिग की हत्या करने के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

रांची। पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने बुधवार को प्रेम प्रसंग में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या करने के दोषी सुखराम होरो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर उसे छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। जांच में आरोपित सुखराम होरो का डीएनए मैच किया था, जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपित को दोषी पाया था। कोर्ट ने ट्रायल फेस कर रहे अन्य तीन आरोपित राहुल होरो, रौशन होरो और पवन होरो को साक्ष्य के अभाव में बरी किया था। यह मामला 23 जुलाई, 2022 का है। मामले में 15 साल की नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई थी। लापुंग थाना क्षेत्र के जमाकेल गांव के पास झाड़ी में नाबालिग लड़की का शव मिला था। मामले को लेकर एक नाबालिग सहित पांच आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुआ था। नाबालिग का मामला जेजे बोर्ड में चल रहा है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि नाबालिग (मृतका) और नाबालिग आरोपित दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं और दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। घटना के तीन माह पूर्व प्रेमिका ने प्रेमी से रिश्ता तोड़ लिया था। फोन पर बात करना भी बंद कर दी थी। इसे लेकर नाबालिग आरोपित ने बदला लेने की ठानी और 23 जुलाई, 2022 को चार दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या की गई थी। पहचान छुपाने के लिए लड़की के चेहरे को पत्थर से कूच दिया गया था।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री से मिले संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बधाई दी और मंत्रालय के जरिये रांची में दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहे कार्यों के प्रति आभार प्रकट किया। सेठ ने केंद्रीय मंत्री को इस मुलाकात में एक आग्रह पत्र भी सौंपा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि रांची सहित झारखंड के हर जिले और प्रखंड स्तर पर एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण अधिक से अधिक संख्या में किया जाए ताकि हमारे दिव्यांगजन सशक्त हो सके। रक्षा राज्य मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को रांची लोकसभा क्षेत्र के हर विधानसभा क्षेत्र रांची, हटिया, कांके, खिजरी, ईचागढ़ और दिल्ली में नशा मुक्ति केंद्र खोलने का भी आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि रांची नशा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है हमारे युवाओं को बचाया जाए। उसके लिए नशा मुक्ति केंद्र अति आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात में रांची में दिव्यांग मेला लगाने का भी आग्रह किया। इसके साथ नए वृद्ध आश्रम खोलने पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक पहल की बात कही। यह जानकारी सांसद की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत याचिका खारिज

रांची। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने बुधवार को जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने 12 जुलाई को जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। यह मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले से जुड़ा है। अफसर अली ने जमानत की गुहार लगाते हुए 13 मई को याचिका दाखिल की थी। उल्लेखनीय है कि इस मामले में ईडी ने अफसर अली को 17 अप्रैल को रिमांड पर लिया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने पहली बार सेना के कब्जे वाली जमीन घोटाला मामले में 14 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद बड़गाई अंचल के जमीन घोटाले में गिरफ्तार कर उससे रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी।

वनवासी कल्याण केंद्र के निः शुल्क कोचिंग सेंटर 'निर्माण' में नामांकन प्रक्रिया शुरू

रांची। प्रशासनिक सेवा की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वनवासी कल्याण केंद्र द्वारा संचालित 'निर्माण' निशुल्क कोचिंग संस्थान में दसवें सत्र के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर जनजाति एवं अन्य वर्ग के विद्यार्थी जो जेपीएससी या अन्य राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए यहां पर निशुल्क कोचिंग दी जाती है। इच्छुक विद्यार्थी वनवासी कल्याण केंद्र के प्रशासनिक कार्यालय से फॉर्म प्राप्त करके 20 सितंबर तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदकों के लिए लिखित चयन परीक्षा 22 सितंबर को होगी। परीक्षा में सफल विद्यार्थी ही नए सत्र में नामांकन के लिए पात्र होंगे। इस संबंध में वनवासी कल्याण केंद्र के प्रांत प्रचार प्रमुख सुनील सिंह ने बताया कि निर्माण निशुल्क कोचिंग के पिछले 9 सत्रों में अभी तक 300 विद्यार्थियों ने लाभ उठाया है। इसमें कईयों ने राज्य प्रशासनिक एवं अन्य सरकारी सेवाओं की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। निर्माण का एक उद्देश्य यह भी है कि झारखंड को ऐसे प्रतिभावान, कर्मठ और ईमानदार अधिकारी देना जो बिना लोभ और पक्षपात के झारखंड वासियों के विकास के स्वरूप को साकार करें। इच्छुक विद्यार्थी www.vanvasikalyankendra.org या मो. 8292579267, 9955 210993 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खेल शिक्षक पर बच्चों की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची के कांके रोड स्थित डीएवी गांधीनगर के एनसीसी सह खेल शिक्षक आयुष कुमार पर बच्चों की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस मामले को लेकर परिजनों ने गोंदा थाने में खेल शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार डीएवी गांधीनगर में पढ़ने वाले एक बच्चे के पिता मनीष कुमार ने बताया कि उनके बच्चे सहित 12 से अधिक बच्चे 22 जुलाई को बोकारो में आयोजित अंतर विद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने गए थे। कई बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। जब बच्चे रात में लौटे तो खेल शिक्षक आयुष ने स्कूल में ही बच्चों की बेरहमी से पिटाई कर दी। पिटाई से बच्चों के पैर और पीठ पर जख्म के निशान है। परिजनों ने बताया कि स्कूल के सीसीटीवी कैमरे पर कपड़ा डालकर बच्चों की पिटाई की गई। खेल शिक्षक के जरिये बेरहमी से पीटे गए बच्चे किसी तरह एकजुट होकर बुधवार को स्कूल पहुंचे और पूरा मामला प्रिंसिपल के सामने रखा। प्रिंसिपल ने कहा है कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी, लेकिन परिजन इससे संतुष्ट नहीं हुए। स्कूल में हंगामा करने के बाद बुधवार की सुबह सभी परिजन एक साथ रांची के गोंदा थाने पहुंचे और खेल शिक्षक के खिलाफ बच्चों की बेरहमी से पिटाई करने की लिखित शिकायत दी।

दक्षिण अफ्रीका में फंसे झारखंड के 27 प्रवासी मजदूरों की हुई वापसी, मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के जरिए की बात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग की त्वरित पहल पर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून के याउंडे में विनायक कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, अप्रेस ऑडिटोरियम और जीन पॉल टू मबांकलो कंपनी में कार्यरत झारखंड के 27 श्रमिकों की बुधवार को सवेरे सुरक्षित घर वापसी हो गई। मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बैद्यनाथ राम, मंत्री बेबी देवी, विधायक कल्पना सोरेन और विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने श्रमिकों के गिरिडीह पहुंचने पर उनका स्वागत किया। साथ ही सभी श्रमिकों को तत्काल 25-25 हजार रुपये की सहायता राशि दी। उन्होंने श्रमिकों से बात कर उनकी पूरी व्यथा को जाना। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भी मोबाइल की जरिए श्रमिकों से संवाद किया और उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग मदद करने का आश्वासन दिया। श्रमिकों ने विकट परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका से घर लौटने के लिए राज्य सरकार के पहल पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

यह है पूरा मामला- दक्षिण अफ्रीका में फंसे 27 श्रमिकों में बोकारो के 18, गिरिडीह के चार और हजारीबाग-पांच श्रमिक हैं। ये सभी श्रमिक इस वर्ष 29 मार्च से वहां काम कर रहे थे। उन्होंने 16 जुलाई को एक्स हैंडल पर चार महीने से पारिश्रमिक बकाया रहने और वापस भारत लौटने की इच्छा जताई थी। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी प्राप्त होते ही श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग को आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। साथ ही पीओई, रांची को सचिव, श्रम विभाग की ओर से मामले पर संज्ञान लेने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र के माध्यम से कामगारों को उनका बकाया पारिश्रमिक और उनके सुरक्षित झारखंड वापसी किस दिशा में पहल करने को कहा था।

राज्य सरकार की पहल पर श्रमिकों की हुई वापसी- श्रम विभाग के तहत कार्यरत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा एल एंड टी कंपनी से संपर्क कर निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द श्रमिकों के बकाया पारिश्रमिक का भुगतान किया जाय। इस संबंध में कोलकत्ता हेड ऑफिस से संपर्क कर पुनः कैमरून, दक्षिण अफ्रीका को मामले से अवगत कराया गया। राज्य सरकार के इस पहल के बाद एल एंड टी कंपनी ने 17 जुलाई को सभी 27 श्रमिकों को तीन महीने के बकाया पारिश्रमिक के रूप में 30 लाख रुपये का भुगतान किया। श्रमिकों ने बकाया पारिश्रमिक मिलने की जानकारी वीडियो के माध्यम से राज्य सरकार को दी। कंपनी ने श्रमिकों को भारत वापस भेजने के लिए एयर टिकट की भी व्यवस्था की। इसके बाद 21 जनवरी को सभी श्रमिक वहां से भारत के लिए उड़ान भरे और 22 जुलाई को मुंबई पहुंचे। फिर ट्रेन से बुधवार सुबह झारखंड के पारसनाथ स्टेशन आए।

रांची में बीमारी से परेशान शख्स ने की खुदकुशी

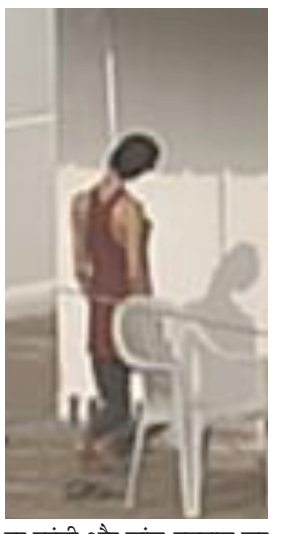

रांची। राजधानी के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर चुन्ना भट्टा निवासी संजय सिंह ने घर की छत के लोहे के एंगल से गमछे के सहारे फंदा लगाकर बुधवार को खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार संजय सिंह बीमारी की वजह से परेशान थे। वह शराब के आदी थे। उनका 80 प्रतिशत किडनी काम नहीं कर रहा था। इसके अलावा थाइरॉएड, ब्लड प्रेशर सहित अन्य बीमारी के वजह से वह डिप्रेशन में थे। इस वजह से उन्होंने खुदकुशी कर ली। पत्नी उषा सिंह के बयान पर यूडी केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। उन्होंने बताया कि बीमारी की वजह से वह परेशान थे, इस वजह से उन्होंने खुदकुशी कर ली।

राज्य सरकार कनहर बराज नहीं बनाना चाहती है तो इस प्रोजेक्ट को बंद कर दे : झारखंड हाई कोर्ट

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने पलामू एवं गढ़वा में सिंचाई के लिए प्रस्तावित कनहर बराज परियोजना को पूरा करने में आठ साल मांगे जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान मौखिक कहा कि प्रतीत होता है कि राज्य सरकार कनहर बराज प्रोजेक्ट को आगे नहीं बढ़ाना चाहती है। यदि ऐसा है तो राज्य सरकार को इस प्रोजेक्ट को बंद कर देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2010 में भी राज्य सरकार की ओर से इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए पांच साल की समय की मांग की गई थी और अब वर्ष 2024 में भी आठ साल का समय मांगा जा रहा है, ऐसा क्यों है? क्या वर्ष 2010 में दूसरी सरकार थी और अब कोई दूसरी सरकार है, जो इस प्रोजेक्ट पर ध्यान नहीं दे रही है? इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कनहर बराज परियोजना को पूरा करने के लिए आठ साल की मांग की गई थी। कोर्ट को सरकार की ओर से बताया गया कि कनहर बराज के लिए जमीन अधिग्रहण, वन भूमि का क्लीयरेंस, इस प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि लेने आदि में कई वर्ष लग जाएगा। कोर्ट ने कहा कि यह प्रोजेक्ट गढ़वा एवं पलामू जिले के लोगों को पानी मुहैया कराने के लिए है। यहां सुखाड़ जैसी स्थिति प्रतिवर्ष रहती है। सरकार को प्राथमिकता देते हुए ऐसे इलाकों में सिंचाई एवं पीने का पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। पिछले सुनवाई में मामले में कोर्ट के आदेश पर मुख्य सचिव, जल संसाधन सचिव, वन सचिव और वित्त सचिव हाजिर हुए थे। कोर्ट ने उनसे मौखिक कहा था कि वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने पांच साल में इस परियोजना को पूरी होने का टाइमलाइन दिया था लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को कनहर बराज परियोजना पूरा करने को लेकर टाइम फ्रेम प्रस्तुत करने को कहा था। गढ़वा, पलामू के लोगों को पानी उपलब्ध करने के लिए कनहर बराज बनवाने का आग्रह करते हुए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है।

विधायक लोबिन हेंब्रम और जेपी पटेल के दलबदल मामले की सुनवाई पूरी, स्पीकर का फैसला सुरक्षित

रांची। झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम और भाजपा विधायक जेपी पटेल के दलबदल मामले की सुनवाई स्पीकर रवींद्रनाथ महतो के न्यायाधिकरण में बुधवार को पूरी हो गई। स्पीकर ने लगातार दो दिन दोनों पक्षों को सुना और सुनवाई के दूसरे दिन बुधवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया। स्पीकर ने दोनों विधायकों के मामले में वादी और प्रतिवादी को गुरुवार दोपहर 12 बजे तक लिखित जवाब मांगा है। स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने जब दूसरे दिन सुनवाई शुरू की तो जेपी पटेल मामले में वादी अमर कुमार बाउरी की ओर से कहा गया कि विधायक केवल इतना बता दें कि वह कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर हजारीबाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े था या नहीं। प्रतिवादी जेपी पटेल की ओर से कहा गया कि मुझे कल ही याचिका की कॉपी मिली है। इसलिए मुझे जवाब के लिए समय चाहिए और जवाब देने के लिए 90 दिनों का समय मांगा। स्पीकर ने इसे खारिज करते हुए गुरुवार को जवाब देने को कहा। लोबिन हेंब्रम मामले में वादी शिबू सोरेन की ओर से कहना था कि इन्होंने राजमहल लोकसभा का चुनाव पार्टी के विरोध में लड़ा है। इसलिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। अतः इनकी सदस्यता खत्म करें। प्रतिवादी लोबिन हेंब्रम की ओर से कहा गया कि 1995 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे तब इनको पार्टी ने नहीं निकाला था। आज भी इनको निष्कासित किया गया है। इससे संबंधित कोई नोटिस नहीं मिला है। सदन में इन्होंने हेमंत सोरेन के पक्ष में ही वोट दिया था यानी पार्टी मान रही है कि ये झामुमो के विधायक हैं। इस मामले में भी दोनों पक्षों को सुनने के बाद गुरुवार को लिखित जवाब देने को कहा और फैसला सुरक्षित रखा लिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल की पहली बजट में विकसित भारत 2047 की नींव रखी गई है

जमशेदपुर। आज का यह बजट रोजगार सृजन , उन्नत खेती, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, ऊर्जा उत्पादन, घरेलू उद्योगों ख़ासकर एम एस एम ई को बढ़ावा और युवाओं को उन्नत प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार सृजन के लिए ऐतिहासिक कदम है। सबसे उल्लेखनीय आदिवासी गाँवों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कर पाँच करोड़ आदिवासी युवाओं का विकास करना है। ग्रामीण क्षेत्र के लिये यह एक बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम होगा। विवाद से विश्वास स्किम फिर से आएगी यह टैक्स संबंधी विवादों को कम करने में बहुत ही सहायक होगी। डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स में कई धाराओं को दंडमुक्त किया जाएगा जिससे भय का वातावरण कम होगा।

नारायणी एंटरप्राइजेज कन्फेक्शनरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना अंतर्गत हर हर गुड्डू स्थित नारायणी एंटरप्राइजेज कन्फेक्शनरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई, आगजनी की इस घटना में दुकान में रखे लाखो के समान जलकर खाक हो गया दुकान मालिक शिवम गुप्ता रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे सुबह अचानक जब दुकान पहुंचे तो देखे कि दुकान के अंदर आग लगी हुई है उन्होंने पाया की दुकान के पिछले हिस्से में तार जाली पड़ी है देर ना करते हुए उन्होंने आगजनी की घटना की सूचना स्थानीय थाना और अग्निशमन विभाग को दी जहां अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया उन्होंने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आगजनी की घटना घटी है उन्होंने बताया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से घटी इस घटना में उनका 13 लाख रुपए का नुकसान हुआ है

बच्चों को नहीं मिला न्याय, सरकार एनटीए को बचाने में सफलः डॉ. अजय कुमार

जांच एजेंसियों ने कोर्ट के सामने नहीं रखे सही तथ्य

जमशेदपुर।नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरा होने के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने बुधवार को प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि सभी बच्चे चाहते थे की नीट यूजी की परीक्षा दोबारा हो. यदि फिर से एगजाम होता तो देश के लिए एक नजीर बनती. जिन लोगों ने पेपर आउट किया या सेंटर पर गड़बड़ी की, उनके चेहरे पर तमाचा लगता. सुप्रीम कोर्ट द्वारा नीट-यूजी की परीक्षा दोबारा नहीं कराने के आदेश के बाद अजय कुमार ने मोदी सरकार से सवाल पूछा है कि सरकार को यह सार्वजनिक तौर पर बताना चाहिए की नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक के लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शुरु से एनटीए को बचाना चाहती है. सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दुखद करार देते हुए डॉ. अजय ने कहा कि बच्चे निराश है. इस फैसले से पेपर लीक करने वालों के हौसले और बुलंद होंगे. अब देशवासियों का एनटीए और नीटयूजी परीक्षा पर भरोसा उठ जाएगा.

बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की चोरी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत हलुदबनी जूही रोड निवासी लखी दास के बंद घर का दरवाजा तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया इस घटना में चोरों ने लाखों के जेवरात और घर के सामान पर हाथ साफ किया -पिछले कई वर्षों से बेटी की शादी के बाद महिला लखी दास अपने घर को बंद कर अपने रिश्तेदार के घर रह रही थी, पिछले दिनों लोकसभा चुनाव के समय महिला अपने घर आकर साफ सफाई कर वापस अपने रिश्तेदार के घर चली गई आज जब महिला दोबारा अपने घर आई तो पाया कि घर के पीछे दरवाजा टूटा हुआ था घर के अंदर अलमीरा में रखे लगभग साढ़े 4 लाख के जेवरात और घर में रखे महंगे बर्तन गायब है, जानकारी देते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि दरवाजा तोड़कर चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है उन्होंने बताया कि इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है

केंद्र की मोदी सरकार ने बजट पेश कर सभी वर्गों का ध्यान रखा है : अनमोल वर्मा "पप्पु"

जमशेदपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मंगलवार को लगातार सातवां बजट पेश किया। उनके इस वित्तीय बजट का भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल वर्मा "पप्पु" ने स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने वाला बजट बताया खास तौर पर महिलाओं,युवाओं व छात्रों और व्यापारियों का ध्यान रखा गया है नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए 3 लाख करोड़ रूपये दी गई वही युवाओं और छात्रों को शिक्षा, रोजगार, व कौशल विकास के लिए 1.48 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया

समाजसेवी शिव शंकर सिंह ने खिलाड़ियों के बीच वितरित किए खेल सामग्री

जमशेदपुर। सामाजिक संस्था कोशिश एक मुस्कान लाने की के संरक्षक सह सामाजिक कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह द्वारा खेल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने व उनके कौशल को निखारने के उद्देश्य से बिरसानगर जोन न. 6 में खिलाड़ियों के बीच जर्सी सेट और फुटबॉल का का वितरण किया गया। खेल सामग्री पाकर दोगुना हुआ खिलाड़ियों का उत्साह। शिव शंकर सिंह कहा "खेल संसाधन का अभाव, युवा खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारने में बाधा न बने इसलिए खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती के प्रांत मंत्री राजीव कुमार, मनोज मुखी, अनूप सिंह, कंचन डे एवं कोशिश संस्था के सदस्य गण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने की कारा सुरक्षा एवं उत्पाद विभाग की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता। जमशेदपुर

जिला दण्डाधिकारी -सह-उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल द्वारा कार्यालय कक्ष में कारा सुरक्षा एवं उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में घाघीडीह, साक्ची, घाटशिला उप कारा में सुरक्षा व्यवस्था एवं कारा में स्थित सेल, अस्पताल, वॉच टावर, पेयजल आपूर्ति आदि की आवश्यक मरम्मति एवं जीर्णोद्धार आदि कार्य की समीक्षा की गई। इसके अलावे कैदियों के लिए नये कारा निर्माण के लिए भूमि चयन करने का निदेश दिया गया। घाघीडीह कारा में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए पीएचईडी को नव निर्मित जल मीनार से जोड़ने का निदेश दिया गया। साथ ही कारा में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने का निदेश दिया गया। बिजली की समस्या का स्थाई समाधान के लिए जेरेडा को सोलर सिस्टम लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निदेश दिया गया। स्टेशनरी प्रिंटेड सामग्रीयों की खरीद सरकारी कार्यालयों में कराने का निर्देश दिया गया। उत्पाद विभाग को बार, दुकान, डीलरों की जांच, नकली शराब कारोबारी पर रेड, उनके विरूद्ध की गई शिकायतों पर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। जिले में सभी बार की समय सारणी के नियम एवं कायदों की जांच करने का निदेश दिया गया। बार संचालकों का वन टाईम्स लाईसेंस की जांच करने का भी निदेश दिया गया । बैठक में उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार, एसपी सिटी श्री ऋषभ गर्ग, जेल अधीक्षक, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी श्री महेन्द्र कुमार, उत्पाद विभाग के प्रभारी पदाधिकारी श्री डेविड बलिहार, एसडीओ धालभूम समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय बजट 2024-25 पर सीआईआई पूर्वी क्षेत्र की प्रतिक्रिया

संवाददाता। जमशेदपुर

सीआईआई ने ग्रामीण विकास, एमएसएमई, सार्वजनिक अवसंरचना और आर्थिक विकास में महिलाओं की बढ़ी हुई भूमिका को ध्यान में रखते हुए पेश किए गए केंद्रीय बजट 2024-25 का स्वागत किया है, जिसमें पूर्व और उत्तर पूर्व पर विशेष ध्यान दिया गया है। सीआईआई ने केंद्रीय बजट 2024-25 को विकासोन्मुखी बजट बताया है । श्री एस के बेहरा, चेयरमैन, सीआईआई पूर्वी क्षेत्र तथा उपाध्यक्ष एवं एमडी, आरएसबी ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार करने की सरकार की पहल की सराहना की। उन्होंने पूर्वी क्षेत्र के विरासत स्थलों के पर्यटन विकास पर सरकार के फोकस की भी सराहना की। श्री बेहरा ने आगे बताया कि शिक्षा, रोजगार तथा कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का आवंटन युवाओं के लिए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा, कार्यबल क्षमताओं में सुधार करेगा तथा पूर्वी तथा पूर्वोत्तर राज्यों को पूरे देश को कुशल कार्यबल प्रदान करने में सहायता करेगा। बजट में 4 प्रमुख क्षेत्रों, अर्थात् 'गरीब' (गरीब), 'महिलाएं' (महिलाएं), 'युवा' (युवा) तथा 'अन्नदाता' (किसान) पर विशेष ध्यान दिया जाना सराहनीय है। ग्रामीण अवसंरचना सहित ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान अर्थव्यवस्था पर गुणात्मक प्रभाव डालेगा।

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई ई-गर्वनेंस सोसाईटी की बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता। जमशेदपुर

उपायुक्त सह अध्यक्ष, जिला ई-गवर्नेंस सोसाईटी द्वारा जिला ई-गवर्नेंस सोसाईटी के माध्यम से संचालित परियोजानों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिले में अब तक झारसेवा आईडी हेतु प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए निष्पादन करने का निदेश दिया गया, साथ ही वैसे प्रज्ञा केंद्र संचालक है जो पंचायत भवन में बैठते है लेकिन उनके पास झारसेवा आईडी नहीं है, उनको चिह्नित करने का निदेश दिया गया। जिले के राशन डीलरों को सीएससी सेंटर में पंजीकृरण के संबंध में सीएससी मैनेजर द्वारा जानकारी दी गई कि अब तक 600 से अधिक राशन डीलरों को सीएससी सेंटर में पंजीकृत कर दिया गया है जिस पर उपायुक्त द्वारा शेष राशन डीलरों को एक माह के अंदर सीएससी में पंजीकृत करने का निर्देश दिया गया । प्रज्ञा केन्द्र के माध्यम से आमलोगों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त द्वारा सीएससी मैनेजर को प्रत्येक माह 60 प्रज्ञा केंद्र का औचक निरीक्षण करने का निदेश दिया गया। ई-ऑफिस परियोजना के समीक्षा में उपायुक्त द्वारा एक माह के अंदर ई-ऑफिस का क्रियान्वयन जिला अंतर्गत सभी कार्यालयों में करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार, अपर उपायुक्त श्री योगेन्द्र प्रसाद, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी श्री महेन्द्र कुमार, डीटीओ सह नजारत उप समाहर्ता श्री धनंजय, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी श्री किशोर प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री पंचानन उरांव, ई डिस्ट्रिक मैनेजर, जिला परियोजना पदाधिकारी UIDAI, सीएससी मैनेजर, नेटवर्क इंजीनियर, झारनेट के कर्मचारी आदि उपस्थित थे ।

टाटा स्टील यूआईएसएल ने स्कूली यातायात की समस्या का समाधान किया, स्कूल प्रिंसिपलों के साथ की बैठक

संवाददाता। जमशेदपुर

स्कूल के समय में यातायात की भीड़भाड़ की महत्वपूर्ण समस्या को ध्यान में रखते हुए, टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक रितु राज सिन्हा ने जमशेदपुर के कई स्कूलों के प्रिंसिपलों के साथ बैठक की, जिसमें सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल, लोयोला स्कूल, जेएच तारापोर स्कूल, डीबीएमएस स्कूल और बेल्डीह चर्च स्कूल शामिल हैं। बैठक का उद्देश्य रोज हो रहे सड़को पर भीड़भाड़ जैसी समस्या का समाधान करना था और इसमें टाटा स्टील यूआईएसएल की वरिष्ठ नेतृत्व टीम और टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के प्रमुख की भागीदारी शामिल थी। बैठक के दौरान, प्रबंध निदेशक ने स्कूल के समय सड़कों पर होने वाली भीषण यातायात भीड़भाड़ पर प्रकाश डाला और इस मुद्दे को हल करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने संभावित समाधान के रूप में स्कूल के शुरू होने और समाप्त होने के समय में बदलाव करने का सुझाव दिया और अनुरोध किया कि प्रिंसिपल यातायात की भीड़भाड़ कम करने में मदद करने के लिए इस बदलाव को लागू करने पर विचार करें, जिस पर उन्होंने सहमति जताई। यह बैठक सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास के प्रति टाटा स्टील यूआईएसएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो अधिक कुशल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार भविष्य बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी में काम कर रही है।

भाजपा नेता दिनेश कुमार संग गुरुद्वारा आरती साहब पूरी (यादगार स्थान), बावली मठ गुरुद्वारा, मंगू मठ, पंजाबी मठ के शिष्टमंडल ने ओडिसा राज्यपाल से की भेंट, कई विषयों पर चर्चा

संवाददाता। जमशेदपुर

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से भाजपा नेता दिनेश कुमार के नेतृत्व में गुरुद्वारा आरती साहिब के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्हें पूरी के प्रसिद्ध गुरुद्वारा आरती साहब में आने का निमंत्रण दिया गया, जिसे राज्यपाल ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने अगस्त माह में गुरुद्वारा साहिब में जाकर माथा टेकने की बात कही। राज्यपाल रघुवर दास ने कहा कि जिस प्रकार झारखंड राज्य में सिख संगत की सेवा करते आए हैं, उसी प्रकार ओडिशा के सिख संगत के लिए जो सेवा उनसे बन पड़ेगी, करते रहेंगे। बाबा शमशेर सिंह ने कहा कि राज्यपाल का यह निर्णय सिख संगत के लिए सम्मानजनक है और उनका आभार व्यक्त किया। इस मुलाकात में भाजपा नेता दिनेश कुमार, गुरुद्वारा आरती साहब पूरी यादगार स्थान के संत बाबा शमशेर सिंह, जगदीप सिंह, रबी नारायण सामंत रे टाटानगर के परविंदर सिंह सोहल, चरणजीत सिंह, सुच्चा सिंह आदि उपस्थित थे। राज्यपाल दास का यह निर्णय सिख संगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ओडिशा में सिख समुदाय के साथ राजभवन के संबंधों को मजबूत बनाने में मदद करेगा। राज्यपाल दास का गुरुद्वारा पूरी में अगस्त माह में होने वाला दौरा के दरमियान एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा, जिसमें सिख समुदाय की संगत, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और ओडिशा सरकार के अधिकारी शामिल होंगे। इस मुलाकात और राज्यपाल दास के गुरुद्वारा (पूरी) के दौरे से ओडिशा में अंतर-धार्मिक सद्भाव और समझ को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सिख समुदाय ओडिशा के सामाजिक ताने-बाने का एक अभिन्न अंग है, और ऐसी पहलें विभिन्न समुदायों के बीच अधिक एकता और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेंगी। बाबा शमशेर सिंह ने बताया कि ओडिशा और सिखो का एक पुराना इतिहास रहा है, श्री गुरुनानक देव जी ने आरती साहब का गायन भी पूरी में किया था।

विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाने वाला बजट - अमरप्रीत सिंह काले

संवाददाता। जमशेदपुर

भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा है कि केंद्रीय बजट सर्व समावेशी, युवा केंद्रित और विकासोन्मुख बजट है। यह विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला बजट है। 140 करोड़ देशवासियों की आशा एवं आकांक्षाओं के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को बजट गतिशीलता प्रदान करेगा। यह बजट युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। स्किल डेवलपमेंट के साथ साथ पांच वर्षों में चार करोड़ रोजगार की व्यवस्था देश के विकास में युवाओं की भूमिका को सुनिश्चित करेगा। गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला ये चार स्तंभों पर बजट आधारित है। पूर्वोत्तर के बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम प्रदेश के विकास को सुनिश्चित कर भारत में नया सवेरा लाने की दिशा में मोदी सरकार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख की है, जिससे गरीब भाइयों बहनों को बिना किसी गारंटी के सरलता से ऋण प्राप्त होगा। बजट आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

गायत्री मंदिर परिसर में अखंड ज्योति कलश यात्रा को लेकर उपजोंन स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोल पहाड़ी स्थित गायत्री मंदिर परिसर में अखंड ज्योति कलश यात्रा को लेकर शांतिकुंज के प्रतिनिधियों द्वारा उपजोंन स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरिद्वार से तिर्लोचन साहू और रघुनंदन सिंह ने गायत्री परिवार के सदस्यों को संबोधित किया पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के द्वारा 1926 में एक अखंड दीप जलाया गया था इसके शताब्दी वर्ष को मानते हुए अखंड ज्योति कलश यात्रा की शुरुआत की जा रही है यह कलश यात्रा गांव-गांव शहर के कोने-कोने तक भ्रमण करेगा कलश यात्रा का मुख्य उद्देश्य है दिशा विहीन लोगों को सही रास्ते के तरफ लेकर जाना, जो युवा वर्तमान समय में नशे की तरफ अग्रसर होते जा रहे हैं वैसे युवाओं को सही दिशा में लेकर आना, परिवार में कलह क्लेश, लोगों में उत्पन्न हुई अशांति इन सभी को दूर करना ही इस अखंड यात्रा का मुख्य उद्देश्य है, शताब्दी वर्ष मनाते हुए अखंड ज्योति कलश यात्रा के दौरान गायत्री परिवार के सदस्यों की क्या कुछ भूमिका होगी किस तरह से एक रणनीति के तहत सभी अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे इस उद्देश्य से उपजोंन स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया,

लचर व्यवस्था एवं चारों तरफ फैली गंदगी के जिम्मेदार हम खुद ,स्थानीय लोगों को जागरूक होने की जरुरत :आनंद बिहारी दुबे

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के जेम्को चौक शैक्षणिक संस्थान के पीछे तरफ फैली गंदगी को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने क्षेत्र का भ्रमण कर जीएनएसी के अधिकारियों से जल्द क्षेत्र की साफ सफाई करने की मांग की है। पूर्वी विधानसभा को लेकर अपनी राजनीति कर रहे हैं वहीं अब कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भी मैदान में उतरकर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं से रूबरू हो रहे हैं इसी क्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष आज सुबह लक्ष्मी नगर मैदान पहुंचे जहां स्थानीय लोगों ने सरकारी स्कूल के बगल में फैली गंदगी एवं सरकारी शौचालय की लचर व्यवस्था की समस्या से जिला अध्यक्ष को अवगत कराया वही मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि इस लचर व्यवस्था के एवं चारों तरफ फली गंदगी के जिम्मेदार हम खुद हैं ऐसे में स्थानीय लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है स्थानीय लोगों के द्वारा ही घर का कूड़ा कचरा निकाल कर शैक्षणिक संस्थान की अगल-बगल फेक जाता है जिसकी वजह से स्थानीय लोग भी कई बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं वही हम लोगों के द्वारा जीएनएसी के अधिकारियों से रोजाना इस क्षेत्र की साफ सफाई करने की मांग की जा रही है

संक्षिप्त समाचार

गम्हरिया थाना प्रभारी राजू के नेतृत्व थाना क्षेत्र के कई इलाकों में यह अभियान चलाया गया

गम्हरिया। जिले के आरक्षी अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत द्वारा प्रारम्भ किए गए 'प्रहरी' अभियान के तहत बुधवार को गम्हरिया थाना प्रभारी राजू के नेतृत्व थाना क्षेत्र के कई इलाकों में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक से बोलायडीह के पूंजीडूंगरी स्थित काली मन्दिर तक कई जगहों का भ्रमण कर स्थल का जायजा लिया। साथ ही, नशेड़ियों और जुआरियों के संभावित अड्डों पर जाकर भी जांच की। इसके अलावा अपराधियों के सम्भावित अड्डों की जांच भी की। हालांकि, उन अड्डों से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस दौरान थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध काम करने वालों की अब खैर नहीं। उन्होंने कहा कि अवैध काम करने वाले को किसी हाल में बख्सा नहीं जाएगा। कहा कि गम्हरिया थाना क्षेत्र को अवैध धंधा और नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। इसके लिए थाना में पदस्थापित सभी पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिया गया है।

ग्रामीणों ने गम्हरिया के अंचलाधिकारी और बीडीओ को ज्ञापन सौंपा

गम्हरिया। प्रखंड के छोटा गम्हरिया के माझी बाबा गंगा मांझी के नेतृत्व में कई ग्रामीणों ने गम्हरिया के अंचलाधिकारी और बीडीओ को ज्ञापन सौंप कर कर ग्राम प्रधान को हटाने की मांग किया है। ज्ञापन में बताया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 19(5) के तहत पांचवी अनुसूचित क्षेत्र होने के कारण बगैर ग्राम सभा की अनुमति के कोई भी बाहरी या गैर आदिवासी व्यक्ति इस महत्वपूर्ण पद पर नही रह सकता है। इसके बावजूद वर्तमान ग्राम प्रधान संविधान के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। अतः नियम संगत कार्रवाई करते हुए छोटा गम्हरिया के ग्राम प्रधान सूरज लाल महतो को हटाकर चुनाव कराने की मांग की गई है। इस पर संज्ञान लेते हुए सीओ ने एक-दो दिनों में कार्यालय से नोटिस निकालकर इसकी जानकारी ग्राम पंचायत के मुखिया को देकर फिर से नए ग्राम प्रधान का चयन कराने का आश्वासन दिया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

गम्हरिया। जीवन ज्योति डायग्नोस्टिक सेंटर और जीवन ज्योति मेडिकल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 250 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें समुचित परामर्श दिए गए। इस शिविर में आए व्यक्तियों की निःशुल्क थायराइड, बीएमडी, सीबीसी, यूरिक एसिड, शुगर, लिक्विड प्रोफाइल, रक्तचाप, स्पाईरोमेट्री आदि की जांच विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ0 रंजीत कुमार की देखरेख में की गई। शिविर के सफल आयोजन में ज्योति अग्रवाल, सुजल अग्रवाल, कृपानंद झा, ओम सिंह, सुनीता महतो, आरती कुमारी, रामनाथ सिंह, राजन सिंह, उज्ज्वल कुमार, ब्रजेश सिंह, गौरव झा, सत्यजीत सिंह आदि का योगदान रहा।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में विधायक सोनाराम सिंकू ने संगठन और अन्य बिंदुओं पर रखे विचार

जगरनाथपुर। रांची परिसदन सभागार में झारखंड कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित है जिसमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी जनाब गुलाम अहमद मीर मौजूद रहे साथ में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर समेत पार्टी के मंत्री और विधायक मौजूद रहे ।। इस दौरान आगामी विधान सभा चुनाव 2024 को लेकर चर्चा हुई। । मौके पर विधायक सोनाराम सिंकु ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मीर साहब के समक्ष संगठन और विभिन्न बिंदुओं पर विचार रखे।।साथ ही क्षेत्र की वर्तमान राजनीतिक हालात और संगठन में लगातार युवाओं की टीम शामिल होने की जानकारी दी ।हाल के दिनों के बात करे तो काफी संख्या में युवाओ कांग्रेस की सदस्यता लिए है ।।

चिल्गु आदिवासी भूमि अतिक्रमण मामले में अंचल अधिकारी ने जारी किया नोटिस

भूमाफिया आजसू प्रखंड अध्यक्ष , दुर्योधन गोप, अनंत गोप कथित पत्रकार विश्वरूप पांडा शामिल

चांडिल। आखिर कार भूमाफियाओं द्वारा आदिवासी भूमि अतिक्रमण की खुली पोल चिलगु मौजा थाना - 265, प्लॉट - 598, लगभग 1 एकड़ भू.भाग पर चार दिवारी,ओर पका मकान बना कर अवैध दखल मामले में अंचल अधिकारी अमित श्रीवास्तव ने स्थानीय आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन गोप, अनंत गोप सहितकथित पत्रकार विश्वरूप पांडा,को नोटिस कर 72 घंटे के अंदर दावा संबंधी जवाब किया तलब.अन्यथा सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कानूनी कारवाई की जाएगी. अंचल अधिकारी अमित श्रीवास्तव द्वारा जारी नोटिस में चिलगु पुनर्वास स्थल से सटे गैर मजरूआ भूमि जिसका बंदोबस्ती केस संख्या - 5/88 - 89 पर दुर्योधन गोप, स्व पिता - अकलू गोप, अनंत गोप पिता - स्व अतुल गोप, विश्वरूप पांडा पिता - निर्मल कुमार पांडा, सभी चिलगु पुनर्वास निवासी ने अवैध तरीके से कब्जा कर घेराबंदी करते हुए अवैध दखल कर क्रय विक्रय किए जाने से स्थानीय आदिवासी में भारी आक्रोश है. जिसके कारण विधिवयवस्था भंग होने की आशंका व्यक्त की गई है. माननीय उच्च न्यायालय रांची द्वारा w.p(.c.) न. 3283, के 2023 के द्वारा जमीन अवैध रूप से कब्जा करने वाले के विरुद्ध स्वत संज्ञान लिया ,जिसके तहत करवाई सुनिश्चित की गई है.

250 उत्कल प्रसंग पुस्तकें का हुआ वितरण

चक्रधरपुर । बुधवार को ओड़िशा सरकार के सौजन्य से उत्कल सम्मिलनी के माध्यम से उत्कल मणि उच्च विद्यालय चक्रधरपुर में उत्कल प्रसंग ओड़िया पुस्तक निःशुल्क वितरण किया गया। ओड़िशा सरकार के लोकसूचना संपर्क विभाग के अधिकारी सचिदानंद बेहरा के द्वारा ये पुस्तकें बांटा गया । जगन्नाथ संस्कृति से जुड़े हुए उत्कल प्रसंग 250 पुस्तक का वितरण किया गया। एक सादे समारोह में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक सारंगी , पूर्व प्राचार्य डॉ नागेश्वर प्रधान,उत्कल सम्मिलनी के जिला उपाध्यक्ष कामख्या प्रसाद साहू, सचिव अम्बिका दीक्षित, पूर्व जिला अध्यक्ष सरोज प्रधान,कवि सत्य प्रकाश कर आदि ओड़िया भाषा और शिक्षा के विषय पर प्रकाश डाले ।पुस्तकें का वितरण कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष सरोज प्रधान ने किया । मौके पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक सारंगी ने शॉल ओढ़ाकर ,डॉक्टर नागेश्वर प्रधान और कामाख्या साहू ने बुके भेंटकर श्री बेहरा का किया स्वागत ।इसके पहले सभी अतिथियों न उत्कल मणि पंडित गोपबंधु दास, उत्कल गौरव मधुसूदन दास, पंडित गोदावरीस मिश्र के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओड़िया प्रेमी मिहिर प्रधान , संतोष कुम्भकार, रामेश कुमार, पितबाश प्रधान, यशवंत प्रधान,अनिता पुरसेट, सुभद्रा मिस्त्री, आरती सारंगी, आरति मंडल, प्रतिभा प्रधान, कुनी बारीक, विनोदिनी सिंग, आकांक्षा राणा, बृन्दाबाती ,पुष्पलता, अंजलि,संगीता, आदि काफ़ी संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच गरीब से गरीब बच्चा भी उच्च शिक्षा हासिल करें: निरल पूर्ति

उच्च विद्यालय तरतरिया मैदान में झारखंड सरकार के उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को किया गया साइकिल का वितरण

संवाददाता। मझगांव

झारखंड सरकार शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग पहचान बना रही है। जिससे आदिवासी, दलित, वंचित और गरीब परिवार के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने नहीं पाए। यह बातें मझगांव प्रखंड के तारतरिया उच्च विद्यालय में उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत छात्राओं को साइकिल वितरण करते हुए मझगांव विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय निरल पूर्ति ने कहा । विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि राज्य के सुदरवर्ती क्षेत्र में रहने वाले गरीब से गरीब बच्चा भी उच्च शिक्षा हासिल कर सके। इसके लिए उन्हें कभी भी आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। देश के किसी भी विश्वविद्यालय हो या विदेशी कॉलेज बच्चों को शिक्षा से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। इसी के तहत विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के लिए आर्थिक सहायता झारखंड सरकार प्रदान कर रही है । युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि शिक्षा से कोई भी बच्चा वंचित नहीं रहे । प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च, उच्चतर शिक्षा हासिल करने वाले बच्चों को सभी सुविधा झारखंड सरकार मुहैया करवाएगी। इसी को देखते हुए जगह-जगह सीएम एक्सीलेंस विद्यालय खोला जा रहा है । जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी प्राथमिक स्तर पर ही अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा मिल सके । पश्चिम सिंहभूम जिला में 8–10 जगह विद्यालय में यह सुविधा दी जा रही है। लेकिन आने वाले समय प्रत्येक प्रखंड में सीएम एक्सीलेंस विद्यालय खोला जाएगा। जहां के बच्चों को सीबीएसई स्तर से पढ़ाई की जाएगी जो पूरी तरह अंग्रेजी माध्यम होगा। विधायक ने कहा कि हम बड़े शहरों और विद्यालयों के साथ हमारे बच्चे भागीदारी कर सके, इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय खोला जा रहा है । साथ ही छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो उसको लेकर सभी छात्राओं को साइकिल का वितरण किया जा रहा है। जिससे वह आसानी के साथ विद्यालय पहुंचकर अपनी पढ़ाई को जारी रख सके । मैं अभिभावकों से भी अनुरोध करता हूं कि वह अपने बच्चों को विद्यालय भेजने के साथ-साथ अपने घरों में भी पढ़ाई की हिदायत दें, क्योंकि आने वाले समय बिना शिक्षा के एक कदम चलना भी मुश्किल हो जाएगा । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड लगातार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है उसमें आने वाले भविष्य मजबूती के साथ खड़ा हो सके इसकी तैयारी हम सभी को करनी होगी। इस दौरान उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत 8वीं कक्षा के छात्र छात्रों को 105 साईकिल वितरण किया गया। साथ ही प्रखंड में चार क्लस्टर जिसमें मध्य विधालय घोड़ाबंधा,मध्य विधालय बालियापोसी,मध्य विधालय डाबुसाई व मध्य विधालय धोबाधोबिन बनाया गया है जिसमें कुल 1416 साईकिल वितरण किया जाएगा। मौके पर बीडीओ जोसेफ कान्डुलना,कृषि पदाधिकारी सीरिप बाष्के, जिला परिषद सदस्य पूनम जेराई, बीस सूत्री सदस्य धुर्नजय तिरिया,प्रखंड़ अध्यक्ष राजेश पिंगुवा,प्रमुख सरस्वती चातार,मुखिया चांदनी जेराई,मोजाहिद अहमद,गोकुल पोलाई, दिलेश्वर बेहरा,प्रताप पिंगुवा,प्राचार्या विजय लक्ष्मी बिरुवा,शिक्षक महीप किशोर पिंगुवा,शिवशंकर कुंकल,नमीता टोप्पो,सागर सिंकु, नवकिशोर मांझी,मुंड़ा नन्दलाल तिरिया,पपंस सदस्य संदीप तिरिया, मुखिया सोना सिंह पिंगुवा, समेत शिक्षक अन्य अभिभावक मौजूद थे।

सोनुआ-लोंजो सड़क पर नक्सलियों ने लगाये बैनर और पोस्टर

संवाददाता। सोनुआ

थाना क्षेत्र के सोनुआ-लोंजो मुख्य सड़क के ग्रिड चौक और मदांग जाहिर चौक के पास नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के द्वारा मंगलवार देर रात बैनर और पोस्टर लगाकर 28 जुलाई से तीन अगस्त तक शहीद स्मृति सप्ताह का पालन करने का आह्वान किया है। वहीं पोड़ाहाट-कोल्हान-सारंडा वन क्षेत्र को शोषण मुक्त बनाने की अपील किया है। नक्सलियों के द्वारा बैनर और पोस्टर लगाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर सोनुआ पुलिस ने बैनर और पोस्टर को जब्त कर लिया। ज्ञात हो कि नक्सलियों ने नक्सली नेता कामरेड जया हेम्ब्रम समेत तीन के गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई गुरुवार को झारखंड-बिहार बंद का ऐलान किया है।

जीसीजेडी हाई स्कूल में छात्राओं को हाईजीन व स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता। मुसाबनी

जीसीजीडी हाई स्कूल मुसाबनी में बुधवार को गैर सरकारी संगठन सरोज देवी फाउंडेशन के बैनर तले मासिक धर्म के समय सेनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल और स्वच्छता को लेकर स्कुली छात्राओं को हाइजीन के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय सभागार में सरोज देवी फाउंडेशन के ट्रेनर मोम्पा साव, आलिना डेनियल व सहयोगी पिंटू गोप द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं को स्वच्छता एवं हाइजीन के प्रति कई ज्ञानवर्धक बातें बताई गई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के वर्ग छः से लेकर दशम तक की सैकड़ो छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं के लिए माहवारी एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। लेकिन जागरूकता के अभाव में संकोच की वजह से व आवश्यक सावधानियां नहीं बरतने की वजह से यह सामान्य प्रक्रिया एक समस्या का रूप ले लेती है। ऐसे समय में बालिकाएं संकोच न करें और सारी बातें अपनी मां या घर में किसी बड़े से खुलकर करें प्रारंभ से ही उचित सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल करें। मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए। समय पर समाधान करने का प्रयास किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में बताया गया कि महावारी को न माने परेशानी, ये है नारीत्व की निशानी। महावारी जागरूकता सबमें लाना आदि स्वच्छता संदेश की जानकारी दी गयी। ट्रेनर मोम्पा साव व आलिना डेनियल ने कहा कि मासिक धर्म की अवधि में स्वच्छता और सजगता न होने से जान का भी खतरा बन जाता है। असुरक्षित और हाइजीन रहित नैपकिन या कपड़े के उपयोग और गंदगी के कारण असमय ही महिलाओं को गर्भाशय के संक्रमण का खतरा बन जाता है जो कभी भी कैंसर का भी रूप ले लेता है। इसलिए मां बनने के समय महिला को किसी अच्छे महिला चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए। मौके पर विद्यालय की शिक्षिका किरण कुमारी, अल्पना सिंह आदि मौजूद थी।

विधायक संजीव सरदार ने स्कूली छात्राओं को साइकिल बांटा

संवाददाता। पोटका l संवाददाता

झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा विद्यालयों के छात्र छात्राओं को दिए जाने वाले सायकिल के गुणवत्ता में शिकायत मिलने के बाद पोटका के विधायक संजीव सरदार ने बुधवार को पोटका मुख्यालय पहुंच सायकिल वितरण स्थल का औचक निरीक्षण किया और वहाँ उपस्थित छात्रों के सायकिल को देखा एवं छात्रों से पूछताछ के उपरांत सायकिल की स्थिति देख नाराजगी जाहिर करते हुए वहां उपस्थित अधिकारियों एवं संवेदक को जमकर फटकार लगाते हुए सुधार का निर्देश दिया. ज्ञात हो कि झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा पोटका प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के 1047 छात्र छात्राओं के बीच सायकिल का वितरण किया जाना है इस वितरण का विधिवत शुभारंभ गुरुवार विधायक संजीव सरदार द्वारा किया गया था उसी दिन से पोटका में विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच बारी बारी से सायकिल का वितरण किया जा रहा है पर सरकारी नियमानुसार सायकिल का वितरण संकुल स्तर पर किया जाना है लेकिन नियम विरुद्ध सभी छात्रों को पोटका में बुला सायकिल दिया जा रहा इसके अलावे कई सायकिल ऐसे है जिनमे जंग लगा हुआ है साथ ही अन्य खराबी भी है इसकी शिकायत छात्रों के परिजनों ने विधायक संजीव सरदार से की जिसके उपरांत विधायक पोटका पहुंच जांच की तो शिकायत को सही पाया .विधायक ने वहां उपस्थित पोटका के शिक्षा पदाधिकारी अनिल वर्मा,विनय दुबे कल्याण पदाधिकारी सुकलाल सरदार एवं संवेदक क्रॉस के प्रतिनिधि को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि छात्रों को दिए जाने वाली सायकिल पूरी तरह से बेहतर हो इसका पूरा ध्यान रहे साथ ही गुरुवार से सायकिल का वितरण संकुल स्तर पर हो किसी भी छात्र को सायकिल लेने पोटका ना आना पड़े .विधायक ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कोताही बरतने वालो की शिकायत वरीय अधिकारियों से की जाएगी .

तीसरे दिन भी अपनी मांगों के लेकर हड़ताल पर अड़े रहे समाहरणालय कर्मी

संवाददाता। रामगोपाल जेना। चाईबासा

झारखण्ड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के द्वारा चट्टानी एकता के साथ तीसरे दिन भी हड़ताल जारी रखा है। राज्य नेतृत्व के निर्देशानुसार पुरे राज्य सहित पश्चिमी सिंहभूम जिले के प्रखंड,अंचल,अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के कर्मियों ने हड़ताल को सफल बनाने मे बढ़ चढ़ के हिस्सा ले रहे है। जिससे जिले मे होने वाले सरकारी कार्य पूरी तरह ठप हो गई है। कई लोगों को प्रमाण पत्र तो, कई को पेंशन तथा जमीन से जुड़े दाखिल खारिज, कोर्ट केस, विधि व्यवस्था जैसे सरकारी कार्य सम्पादित कराने के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। जानकारी हो की 22 जुलाई से ही समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों ने हड़ताल का बिंगुल फूँका है परन्तु अब तक सरकार अपने स्तर से हड़ताल समाप्त कराने के लिए कोई पहल करती नहीं दिख रही है। हड़ताल से संबंधित जानकारी पूछे जाने पर जिला अध्यक्ष ललीतेश्वर महतो ने कहा की सरकार जब तक मांगो के प्रति पहल नहीं करती है हम चट्टानी एकता के साथ हड़ताल पर डटे रहेंगे। वहीं जिला सचिव मनोज कुंटिया ने कहा की हम सरकार से अपनी मांगो के प्रति विगत दो वर्षों से अवगत कराते रहे है परन्तु हमारी मांगों के प्रति कोई पहल नहीं किया गया। ऐसे मे हड़ताल नहीं करें तो क्या करें। संघ को कोष से मजबूती प्रदान करने मे लगे जिला कोषाध्यक्ष सुनील बड़ाईक ने कहा की सरकार से हमें काफ़ी आस है परन्तु लगता है हमारी मांगो को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। अपनी मांगो को लेकर कार्यालय अधीक्षक रूप सिँह बानरा, नाथूलाल नाग, श्याम प्रसाद, छवि कर, हरि कृष्णा सिँह लागुरी, प्रधान लिपिक वील्सन डांहगा, ऋषि बोईपाई, दिलीप बिरुआ, कृष्णा चंद्र गागराई, माधव चंद्र हेमब्रोम, सुनील बड़ाइक, निरल केरकेट्टा, मनीष विश्वकर्मा, सदानंद रजक, अतुल कुमार, सुशील कुमार खलखो, अजय सामंता, मोहन सिँह बानरा, सुशील प्रधान, कुंती पत्रों बेंजामीन बोईपाई लिपिकों मे देवाशीष डे, मयंक कुमार, रोब्बट वादुला, अरुण महाराणा, मनीषा कुमारी, ओम प्रकाश महतो, कुणाल कुंडू, रमेश गोप, मनीषा गोप, सुनीता सुंडी, स्मृति एक्का, तपन कुमार साहू, सबीना जोजो, आयशा रेयाज़, शुभम कुमार, तरुण कुमार, वसीमउद्दीन सुनीता सुंडी, जूही सरकार, मनीषा कुमारी, सबीना जोजो, लक्ष्मी सोरेन, सुकर्मनी सेवैईया, सावित्री मुंडइया, आयसा रेयाज़, मनीषा गोप,सहित प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के सभी शाखाओं के कर्मी उपस्थित शामिल थे।

समाहरणालय की महिला सहकर्मियों ने भी लिया है हड़ताल मे बढ़ चढ़ के हिस्सा- राज्य नेतृत्व के आवाहन पर अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर प्रखंड अंचल अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के विभिन्न शाखाओ मे कार्यरत महिला कर्मियों ने भी बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया है। इस बाते मे पूछे जाने पर मनीषा कुमारी ने कहा की हम सभी जिला संघ अध्यक्ष के हर निर्णय के साथ कदम से कदम मिलाकर साथ चलने को तैयार है। जबतक सरकार मांगो को लेकर विचार नहीं करती है, हम एकता के साथ हड़ताल पर बने रहेंगे। वहीं जिला कार्यकारणी सदस्य सुनीता सुंडी ने भी सभी नौ सूत्री मांगो को जायज बताया है। स्मृति एक्का ने भी एक स्वर मे कहा की हमारी मांगे जायज है इसे पूरा करना होगा। महिला कर्मियों मे जस्मिन सोरेन, आयशा रेयाज़, सुकर्मनी सवाईया, सबीना जोजो, मनीषा गोप, जूही सरकार, सीमा बानरा, संगीता कुमारी, सविता गोप, कुंती सुंडी, नेहा बिरुली, शांति कुडू, सुमित्रा खाखा, रीमा गोप, सुचित्रा महतो, शांति प्रभा सहित कई महिला कर्मी उपस्तिथ थी

जिला संयुक्त सचिव मयंक तथा कुमार अभिषेक के द्वारा दोपहर मे भोजन की किया गया व्यवस्था- तीसरे दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों द्वारा दोपहर मे भोजन की व्यवस्था संघ के वरीय साथी दिलीप हेमब्रम के सौजन से जिला संयुक्त सचिव मयंक कुमार तथा जिला कार्यकारणी सदस्य कुमार अभिषेक के पहल से दोपहर मे भोजन का व्यवस्था किया गया है।

भोजन वितरण मे पवन तांती, अजीत कुमार, सुनील बड़ाइक, कुदराई टूटी, विवेक कुमार, संतोष रजक, मनोज कुंटिया, अतुल कुमार का सराहनीय योगदान रहा है। सभी सदस्यों ने एकता के साथ कहा है की जब तक मांग पूरी नही होगी, हम सभी धरना स्थल पर बने रहेंगे। संघ के युवा लिपिकों मे शुभम कुमार, अनिल कुमार, आयशा रेयाज़, जूही सरकार, मनीषा गोप ने भी हड़ताल मे एक स्वर मे अपनी मांगो को लेकर डटे हुए है। साथ ही यह भी कहा की संघ के हर निर्णय के साथ हमलोग खड़े है।

सोनुआ-लोंजो सड़क पर नक्सलियों ने लगाये बैनर और पोस्टर

संवाददाता। सोनुआ

सोनुआ थाना क्षेत्र के सोनुआ-लोंजो मुख्य सड़क के ग्रिड चौक और मदांग जाहिर चौक के पास नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के द्वारा मंगलवार देर रात बैनर और पोस्टर लगाकर 28 जुलाई से तीन अगस्त तक शहीद स्मृति सप्ताह का पालन करने का आह्वान किया है। वहीं पोड़ाहाट-कोल्हान-सारंडा वन क्षेत्र को शोषण मुक्त बनाने की अपील किया है। नक्सलियों के द्वारा बैनर और पोस्टर लगाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर सोनुआ पुलिस ने बैनर और पोस्टर को जब्त कर लिया। ज्ञात हो कि नक्सलियों ने नक्सली नेता कामरेड जया हेम्ब्रम समेत तीन के गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई गुरुवार को झारखंड-बिहार बंद का ऐलान किया है।

राजविजयपुर में विधायक सुखराम उराँव ने किया ग्रामीण किसानों के साथ किया बैठक

संवाददाता, बन्दगाँव/चक्रधरपुर

बन्दगाँव प्रखण्ड के लाण्डुपोदा पंचायत अन्तर्गत ग्राम राजविजयपुर (बाईसाई) में सिंचाई सुविधा को लेकर ग्रामीण कृषकों और स्थानीय विधायक सुखराम उराँव के बीच ग्रामीण मुण्डा रामधन सरदार की अध्यक्षता में एक बैठक किया गया। बैठक का विचारणीय विषय खेती बाड़ी को लेकर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना रहा।

किसानों द्वारा विजय नहर से पाईप लाईन द्वारा खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाने के कारण विगत तीन वर्षों से खेती का कार्य बाधित हो रहा है इस समास्या का समाधान हेतु विधायक सुखराम उराँव से समाधान करने का प्रस्ताव रखा गया। ग्रामीण कृषकों की समास्या को देखते हुए विधायक सुखराम उराँव द्वारा 400 फ़ीट पक्की सिंचाई नाली निर्माण विधायक निधि से कराने का घोषणा किया गया। घोषणा के बाद ग्रामीणों ने विधायक का ताली बजा कर स्वागत करते हुए धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया।

मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह नकटी पंचायत के मुखिया मिथुन गागराई, झामुमो जिला संयुक्त सचिव प्रदीप महतो, लाण्डुपोदा पंचायत के पूर्व मुखिया दुम्बी सुरीन, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा बन्दगाँव प्रखण्ड उपाध्यक्ष मनोज डांगिल, प्रखण्ड 20 सूत्री सदस्य शिवशंकर महतो,सालुका सुरीन भीष्मा महतो,सोनु सुरीन,भरत सुरीन,पंचा सरदार,रामराई सरदार, महावीर महतो, मानसिंह महतो, सरिता बोदरा,मेचो सुरीन, तनु सरदार सहित भारी संख्या में ग्रामीण कृषक मौजूद रहे।

घाटशिला कॉलेज में एनसीसी द्वारा तीन दिवसीय कारगिल विजय दिवस की हुई शुरुआत

संवाददाता। घाटशिला

1999 में लड़े गए इस युद्ध में 527 वीरों ने दी थी अपने प्राणों की आहुतिः प्राचार्य

महाविद्यालय में एनसीसी इकाई द्वारा तीन दिवसीय कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती की शुरुआत एक संगोष्ठी कार्यक्रम से हुई। इसके लिए इतिहास विभाग में "कारगिल युद्ध के कारण और परिणाम" विषय पर संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वायु सेना के मोहम्मद जावेद 'शौर्य चक्र' तथा सम्मानित अतिथि रूप में मानद कैप्टन धानो टुडू एवं पूर्व हवलदार सुरेश बास्के शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि शौर्य चक्र मोहम्मद जावेद ने अपने संबोधन में कहा कि वे खुद इस युद्ध में भारतीय वायुसेना की ओर से तैनात थे। कारगिल विजय दिवस भारतीय सेवा के द्वारा 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में हासिल की गई जीत की याद में मनाया जाता है। यह युद्ध भारत और पाकिस्तान की आर्मी के बीच 1999 में हुआ था। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर इंदल पासवान ने संगोष्ठी में विषय प्रवेश करवाते हुए कहा कि कारगिल की लड़ाई जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। यह युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई से जुलाई के बीच कश्मीर के कारगिल जिले में हुई थी। इस लड़ाई की जीत के उपलक्ष में पूरे देश में 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने बताया कि पाकिस्तान के साथ हुई इस लड़ाई में हमारे भारतीय जवानों ने ऐसी शौर्य की मिसाल पेश की जो इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गई। इस युद्ध में 527 वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, वहीं पाकिस्तान के कई हजार सैनिक मारे गए थे। इस युद्ध के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा, योगेंद्र सिंह यादव, मनोज पांडे जिन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन करते हुए इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ कुमार विशाल ने बताया कि इस लड़ाई की शुरुआत 3 मई, 1999 को ही हो गई थी, जब पाकिस्तान ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर 5000 से भी ज्यादा सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। भारत सरकार को जब इस घुसपैठ की जानकारी मिली तो पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया था, जिसमें भारत की बड़ी जीत हुई। संगोष्ठी कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक ने दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ पी के गुप्ता ने किया। इस मौके पर डा. संदीप चंद्रा, प्रोफेसर विकास मुंडा, मानिक मार्डी, शंकर महाली सहित काफी संख्या में एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अरवल के मेहंदिया में रिटायर्ड शिक्षक ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव के 12 टुकड़े किए

अवैध संबंध का था शक, मीट शॉप की तरह लकड़ी पर रखकर शव को काटा

अरवल, एजेंसी। अरवल के मेहंदिया में एक रिटायर्ड शिक्षक ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव के 12 टुकड़े कर दिए। हत्या करने के तरीके को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस की पूछताछ में आरोपी पति बीरबल प्रसाद (76) ने अपनी पत्नी सुमंती सिन्हा (70) की हत्या किए जाने के पीछे अवैध संबंध को वजह बताया है। उसने मीट शॉप की तरह लकड़ी पर रखकर पत्नी के शव के टुकड़े-टुकड़े किए। आसपास के लोगों ने बताया कि मृतका सुमंती सिन्हा, बीरबल की दूसरी पत्नी थी। पहली पत्नी की 1989 में घर में आग लगने के कारण मौत हो गई थी। उस वक्त बीरबल फूस के घर में रहते थे। घटना मेहंदिया स्थित जमुहारी में सोमवार को हुई। हत्या के बाद पुलिस ने आरोपी रिटायर्ड शिक्षक को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। शव को 12 टुकड़ों में काटने के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग शादी के बाद से ही अपनी पत्नी पर अवैध संबंध को लेकर शक था। परिवार की वजह से शादी के वक्त उसने ऐसा कुछ भी नहीं किया। लेकिन, 2021 से वो अपनी पत्नी को मारने की प्लानिंग कर रहा था। आरोपी ने सोमवार की दोपहर ही गड़ासा में धार भी लगवाया था।

मोटी लकड़ी पर रख शव को काटा

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पत्नी के ब्रेस्ट के साथ पैर की अंगुली को भी सही सलामत नहीं छोड़ा। आरोपी ने बंद कमरे में वारदात को अंजाम दिया। घटना से पहले आरोपी मोटी लकड़ी और गड़ासा कमरे में ले गया। इसके बाद पत्नी के शव

को लकड़ी पर रखकर टुकड़े-टुकड़े किए। मौके पर शव के टुकड़े देखकर पुलिस के भी होश उड़ गए। फॉरेंसिक जांच के लिए एफएसएल की टीम बुलाई गई। इसके बाद शव के टुकड़े को इकट्ठा किया गया। घर के अलग-अलग कोने में शव के टुकड़े फेंके गए थे। पुलिस ने 12 टुकड़े को इकट्ठा किया।

पुलिस की इस थ्योरी पर सवाल

हालांकि, पुलिस की इस थ्योरी पर सवाल भी उठ रहे हैं। अगर बीरबल को अपनी पत्नी पर शक था और उसकी हत्या करना चाहता था तो इतने सालों तक वो इंतजार क्यों कर रहा था। जबकि, पति-पत्नी अकेले ही इस घर में रहते थे। जब हत्या की तो इतनी दरिंदगी से।

पुलिस ने घर को सील कर दिया

आरोपी रिटायर्ड शिक्षक बीरबल प्रसाद के घर को पुलिस ने सील कर दिया है। वहीं, इसी घर के पीछे उनकी बहू का घर है। पर वो भी घर बंद कर बच्चों को लेकर कहीं चली गई हैं। घटना के बाद बहू ने ही खून देखने के बाद आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को खबर की गई।

आरोपी के चार बेटे हैं, लेकिन किसी से बात नहीं होती थी

डीएसपी कृति कमल ने बताया कि बीरबल के चार बेटे हैं। पहली पत्नी से एक और दूसरी पत्नी से तीन बेटे और एक बेटी। बड़ा बेटा पप्पू कुमार इंजीनियर है। दूसरे बेटा मंटू कुमार पटना में रह कर ऑटो चलाता है। तीसरा बेटा संटु कुमार बीएसएफ में तैनात हैं। वहीं, चौथा बेटा राहुल कुमार शिक्षक है। आरोपी की एक बेटी भी है वो टीचर है। आरोपी की किसी बेटे से बात नहीं होती थी। बेटों से बात नहीं होने से अकेलापन होने के कारण भी इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी जब्त कर लिया है। बीरबल को 50 हजार रुपए पेंशन मिलते हैं। करीब चार लाख रुपए का उनके ऊपर कर्ज भी है। वो कभी-कभार पत्नी से झगड़ा भी करते थे। पता नहीं सोमवार को ऐसा क्या हुआ कि पत्नी को बीरबल ने दरिंदगी से मार डाला।

संक्षिप्त समाचार

महिला से सोने का चेन छीना, दो गिरफ्तार

गया, एजेंसी। गुरुआ थाने की पुलिस ने एक महिला से सोने की चेन छिनने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। सोमवार को गुरारु थाने के बहेरा गांव की एक महिला सुजल देवी अपने पति के साथ बाइक से जा रही थी। इसी बीच रघुनाथखाप गांव के पास बाइक पर सवार दो युवकों ने झपट्टा मार कर महिला के गले से सोने की चेन छीन लिया। घटना की सूचना मिलते ही गुरुआ थाने की पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मो. सरफराज इमाम ने बताया कि गिरफ्तार एक युवक रामपुर थाना के ग्रेवाल बिगहा का विकाश कुमार वही दूसरा करीमगंज के मो. अरमान है। गिरफ्तार युवकों के पास से छीनी गई सोने का चैन बरामद कर ली गई। दोनों को जेल भेज दिया गया।

माह में दो बार संयुक्त टीम करे ओवरलोड वाहनों की जांच

भागलपुर, एजेंसी। प्रमंडलीय आयुक्त दिनेश कुमार की अध्यक्षता में खनिजों का अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण तथा ओवरलोड वाहनों के परिचालन आदि से संबंधित समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में भागलपुर व बांका के डीटीओ व एमडीओ मौजूद रहे। दोनों जिलों के पदाधिकारियों को संयुक्त टीम गठित कर प्रत्येक माह में कम से कम दो बार अभियान चलाकर औचक निरीक्षण कर ओवरलोड वाहनों एवं अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिसकी समीक्षा अगली बैठक में की जाएगी। आयुक्त ने सभी अनीलामित बालूघाटों की नीलामी अगस्त तक पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया।

सीमावर्ती इलाके के चेक पोस्टों पर नियमित जांच हो : आयुक्त ने कहा, ईंट-भट्ठों के उपयोग की जमीन के मालिकों के साथ किए गये एग्रीमेंन्ट की वैधता एवं वाणिज्यिक गतिविधियों की जांच करें। इसकी समीक्षा अगली बैठक में की जाएगी। साथ ही दोनों जिलों के खनिज विकास पदाधिकारियों को जिले के सीमावर्ती इलाके के चेक पोस्टों पर औचक निरीक्षण की संख्या में वृद्धि करने एवं नियमित जांच का दायरा बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

अभाविप ने कला व खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित

छपरा, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने 76वें स्थापना दिवस व राष्ट्रीय छात्र दिवस के मौके पर प्रेक्षागृह में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर कला व खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर अभाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ पूनम सिंह, नगर अध्यक्ष प्रो.जया पांडे ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संपर्क प्रमुख अवध किशोर मिश्रा, उप महापौर रागिनी कुमारी , ई अजीत कुमार ने संयुक्त रूप से किया । डॉ.पूनम सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से छात्र हित , समाज हित, राष्ट्रहित के मुद्दों को लेकर अग्रणी रहने वाला एकमात्र छात्र संगठन है। प्रतिभा सम्मान समारोह में कला ,खेल , शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया व वही पीछले दिनों अपने स्थापना के वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन राष्ट्रीय कला मंच के द्वारा किया गया था । इसमें अव्वल स्थान प्राप्त करने वालों छात्रों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। इसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया छात्रों के द्वारा नृत्य प्रदर्शन गायकी,भाषण, कविता सुनाया गया। मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री पुरूषोत्तम कुमार,जिला संयोजक निरज यादव आशीष कुमार ,सोनम कुमारी ,अर्पित कुमार ,राजन सिंह ,सचिन कुमार चौरसिया अंकित राज, अजीत कुमार, कुंदन कुमार, प्रवीण प्रभाकर रॉबिंस राज, धीरज कुमार, शिवम कुमार रितेश प्रकाश धनंजय कुमार गोलू, रजनीश सुधाकर अभिषेक कुमार ,विवेक कुमार, आर्यण कुमार, कविता कुमारी, प्रीति कुमारी, रानी कुमारी, प्रियंका रानी व अन्य मौजूद थे।

पुरानी घोषणाओं की रीपैकेजिंग कर विशेष सौगात का नाम दे दिया: तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के बजट में बिहार के लिए की गई घोषणाओं को पुरानी बताया। उन्होंने कहा कि पुरानी घोषणाओं की रीपैकेजिंग कर इसे विशेष पैकेज और विशेष सौगात का नाम दे दिया गया है। इस तरह बिहार वासियों की आंखों में धूल झोंकी जा रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि पटना-पूर्णिया एवं बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे, पुल, महाबोधि कॉरिडोर समेत कई प्रोजेक्ट्स उनके कार्यकाल (महागठबंधन सरकार) के दौरान ही मंजूर हो गए थे। बजट 2024 में इन्हीं का फिर से जिक्र कर दिया गया।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए 1.65 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की घोषणा की थी। मगर 9 साल बाद भी बिहार को कुछ नहीं मिला। यह बात वह नहीं बल्कि खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कई बार स्वीकार कर चुके हैं। तेजस्वी ने कहा कि जैसे वो घोषणा थी वैसे ही अभी की घोषणा है। उन्होंने बीजेपी को जुमला पार्टी करार दिया और कहा कि यह पुरानी योजनाओं को नया बताने की अपनी विशेष विशेषज्ञता का विशिष्ट प्रदर्शन कर जनता को

फिर एक बार भ्रमित कर रही है। 2014 में पीएम मोदी ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, उसका क्या हुआ

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए केंद्रीय बजट को बिहार के लिए निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि बिहार को प्रगति पथ पर ले जाने के लिए एक रिवाइवल प्लान की जरूरत थी। इसके लिए विशेष राज्य के दर्जे के साथ विशेष पैकेज की सख्त जरूरत है। रूटीन आवंटन और पूर्व में स्वीकृत योजनाओं को नई सौगात बताकर बिहार का अपमान किया गया है।

नगर निकायों में गुटबाजी पर नीतीश सरकार की लगाम

महापौर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का नियम खत्म

पटना, एजेंसी। बिहार के नगर निकायों में मुख्य पार्षद (महापौर) और उप मुख्य पार्षद (उपमहापौर) अब पांच साल तक काम कर सकेंगे। दो साल के अंतराल पर लाया जाने वाला अविश्वास प्रस्ताव अब इनके खिलाफ नहीं लाया जा सकेगा। महापौर एवं उपमहापौर को पांच साल तक बनाए रखने के लिए बिहार नगरपालिका संशोधन विधेयक-2024 सोमवार को विधानसभा से पारित हो गया। विधेयक पेश करते हुए नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि मुख्य पार्षद और उप मुख्य पार्षद का निर्वाचन प्रत्यक्ष कानूनी तौर पर हो रहा है। ऐसे में इनके खिलाफ लाया जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव को खत्म करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष निर्वाचन के कारण ही बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 में संशोधन किया गया है। बता

दें कि अब तक नियम था कि वार्ड पार्षद नगर निकायों के मुख्य पार्षद या महापौर के खिलाफ निर्वाचन के दो साल के बाद अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं। उसके बाद फिर से एक-एक साल के अंतराल में यह प्रस्ताव लाने का प्रावधान था। इससे निर्वाचित पार्षदों के बीच गुटबाजी और अनुचित दबाव के कारण नगरपालिकाओं के विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित मुख्य पार्षद या उप मुख्य पार्षद के विरुद्ध वार्ड पार्षदों की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना प्रासंगिक नहीं है। मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि नगरपालिकाओं एवं उसकी समिति की बैठक से संबंधित प्रावधानों में स्पष्टता नहीं है। इस कारण बैठकों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। विधेयक पारित होने के बाद अब राज्य सरकार के नियम या निर्देश के खिलाफ प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा। सरकार का निर्णय ही अंतिम होगा। नगरपालिकाओं एवं उसकी समिति की बैठक के कार्यवृत्त एक सप्ताह में निर्गत कर दिया जाएगा। संपत्ति कर का निबटारा अब तेजी से होगा। साथ ही नगरपालिका स्तर पर विनियम बनाने में भी सुविधा होगी।

तालाब में डूबने से 14 साल के किशोर की मौत

कैमूर के रामगढ़ थाना क्षेत्र की घटना, नहाने के दौरान हुआ हादसा

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिझूआ गांव में तालाब में नहाने के दौरान डूबने से 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। तालाब से कुछ दूर पर काम कर रहे लोगों ने किशोर को डूबते देखा तो तालाब के पास पहुंचकर उसको बाहर निकाला। परिजनों को सूचना देते हुए रेफरल अस्पताल रामगढ़ में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची रामगढ़ पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृत बच्चे की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के सीझूआ गांव निवासी रामप्रवेश बिंद का 14 साल का बेटा संदीप कुमार के रूप में की गई। अक्षय लाल बिंद ने कहा कि तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से उसकी मौत हो गई।

70 वर्षीय बुजुर्ग की 25 साल की लड़की से शादी

गया, एजेंसी। गया में 70 साल के बुजुर्ग ने 25 वर्ष की लड़की से शादी की है। बुजुर्ग के दो बच्चे हैं। पत्नी की मौत चार साल पहले हो गई थी। बुजुर्ग बैदा गांव निवासी मोहम्मद कली मुल्लाह नूरानी हैं, जो खुद 70 के हैं पर वे अपनी उम्र 50 साल का बता रहे हैं। वहीं, दुल्हन आमस प्रखण्ड हमजापुर के इस्लामनगर निवासी रेशमा परवीन हैं। नूरानी का कहना है कि घर में बहुत परेशानी है, इसलिए इस उम्र में शादी की है। घर में कोई काम करने वाला नहीं है। वहीं, दुल्हन से शादी के बारे में पूछा गया तो उसने कहा वो इस विवाह से खुश है।

शादी में नहीं था बैंड-बाजा

शादी में कोई बैंड-बाजा नहीं था। कार से दूल्हा अपनी दुल्हन को ले गया। शादी को लेकर किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। विवाह भरी महफिल में हुआ है। जिसमें महिलाओं की भीड़ रही। अपनी शादी को लेकर दूल्हा कुछ भी बोलने से कतरा रहा था। इस उम्र में शादी के सवाल पर चिढ़ रहा था। नूरानी किसान हैं। पत्नी की मौत के बाद वे अकेले पड़ गए थे। नूरानी के दोनों बेटों की भी शादी हो चुकी है। दोनों बाहर काम करते हैं।

सीएसपी संचालक से 6 लाख रूपए की लूट:अररिया फारबिसगंज-रानीगंज एनएच-77 पर वारदात

घटना को अंजाम देकर बदमाश फरार

अररिया, एजेंसी। अररिया के फारबिसगंज-रानीगंज मार्ग एसएच-77 पर लुटिया पुल के समीप मंगलार की शाम दो बाइक सवार चार हथियारबंद बदमाशों ने सीएसपी संचालक के कर्मी से 6 लाख रुपया की लूट की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार फारबिसगंज प्रखंड के सैफगंज वार्ड संख्या-6 निवासी व पीएनबी बैंक के सीएसपी संचालक मिंटू साह के कर्मी सैफगंज वार्ड संख्या-2 निवासी अखिलेश कुमार ठाकुर सैफगंज से पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य शाखा फारबिसगंज पहुंचे। बैंक से 5 लाख 94 हजार रुपया की निकासी कर वह रूपए को बैग में रख कर बाइक पर सवार होकर सैफगंज अपने घर जा रहे थे। इसी क्रम में सीएसपी संचालक कर्मी जैसे ही लुटिया पुल के समीप पहुंचे थे कि दो बाइक पर सवार चार हथियारबंद बदमाश ने उनके बाइक को ओवर टेक कर रोका।

राशि से भरा बैग व मोबाइल फोन लूट कर बदमाश फरार

बदमाश हथियार दिखा कर गाली गलौज करते हुए राशि से भरा बैग व मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए। पीड़ित सीएसपी संचालक कर्मी के अनुसार बैग में लगभग 6 लाख रुपया व आवश्यक कागजात था।

बताया जाता है कि लूट की घटना घटित होने के बाद पीड़ित ने सीएसपी संचालक मिंटू कुमार साह को घटना की जानकारी दी, इसके बाद सीएसपी संचालक ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा, थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह

सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए। पीड़ित कर्मी से लूट की घटना के संदर्भ में जानकारी ली। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए मामले की जांच जारी है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। वहीं, मामले को लेकर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने कहा कि लूट की घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही अपराधी पुलिस के गिरफ्त में होगा।

पीरपैंती पावर प्लांट से आत्मनिर्भर बनेगा बिहार, खुले बाजार से नहीं खरीदनी पड़ेगी बिजली

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले के पीरपैंती में बनने वाला सुपर थर्मल पावर प्लांट बिहार की भविष्य की बिजली की जरूरतों को पूरा करेगा। 800 मेगावाट की तीन इकाई के निर्माण होने से पीरपैंती में 2400 मेगावाट बिजली उत्पादित होगी। बिहार में आए दिन नए कल-कारखाने लग रहे हैं।

अभी हर साल 600 मेगावाट बिजली खपत में बढ़ोतरी हो रही है। पीरपैंती पावर प्लांट के बनने से इस खपत को पूरा करने में मदद मिलेगी। बिहार सरकार को खुले बाजार या निजी कंपनियों से बिजली लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यानी कि बिजली के मामले में बिहार आत्मनिर्भर बन जाएगा। दरअसल बक्सर के चौसा, लखीसराय के कजरा और भागलपुर के पीरपैंती में 660 मेगावाट की दो-दो यूनिट का निर्माण होना था। 14 साल पहले बनी इस योजना के तहत चौसा पावर प्लांट का काम शुरू हो गया। मगर लखीसराय के कजरा और भागलपुर के पीरपैंती में 660 मेगावाट की दो-दो यूनिट बिजली घर बनाने का मामला फंस गया। तय हुआ कि कजरा एवं पीरपैंती में सोलर पावर प्लांट बनाया जाएगा।

कजरा में 150 मेगावाट सोलर बिजली पर काम शुरू हो गया लेकिन पीरपैंती में हुए आकलन में पाया गया कि हरा-भरा क्षेत्र अधिक होने के कारण मात्र 50 मेगावाट ही सोलर बिजली उत्पादित हो सकती है। इस कारण ऊर्जा विभाग ने तय किया कि पीरपैंती में थर्मल बिजली घर का निर्माण कराया जाएगा।

इसी बीच पीरपैंती में ताप विद्युत केंद्र की स्थापना करने के लिए कोल इंडिया की ओर से बिहार को प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद ऊर्जा विभाग ने कोयला मंत्रालय को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि इस दिशा में काम करने की स्वीकृति प्रदान करे। पीरपैंती में 1020.60 एकड़ भूमि पहले से अधिग्रहित है, इसलिए यहां पावर प्लांट बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। बजट में घोषणा होने के बाद अब यहां आसानी से बिजली घर का काम शुरू हो जाएगा। पीरपैंती में बनने वाला बिजली घर उन्नत तकनीक पर आधारित होगा।

बिहार के विकास में नया अध्याय जुड़ेगा : ऊर्जा मंत्री

राज्य के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने मंगलवार को कहा कि वित्त मंत्री की घोषणा से बिहार के विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। केंद्र सरकार ने अपने बजट में इस परियोजना के लिए 21,400 करोड़ की मंजूरी दी है। इससे पता चलता है कि बिहार के विकास को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। बिहार में उद्योग धंधों के विकास के लिए यह काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस परियोजना से राज्य में अगले 15-20 वर्षों तक बिजली की आवश्यकता पूरी होती रहेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार द्वारा प्रस्तावित इस पावर प्लांट का कुल बजट 20,000 करोड़ था जिसे बढ़ाकर 21,400 करोड़ कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बिहार में अभी 7000 मेगावाट बिजली की आपूर्ति हो रही है। पीक आवर में यह मांग बढ़कर 7600 मेगावाट हो जाती है। पीरपैंती बिजली घर बनने से 2400 मेगावाट की जरूरत पूरी हो सकेगी। इससे बाजार से बिजली खरीदने पर निर्भरता कम होगी। हालांकि, अनुमान के मुताबिक अगले 10 साल के भीतर राज्य में बिजली की मांग बढ़कर 14 हजार मेगावाट हो जाएगी।

विचार-मंथन

संपादकीय

परदे के पीछे का सच

देश में हर साल होने वाली नाबालिग लड़कियों की शादी पर हाल में आई रिपोर्ट न केवल हैरान करती है बल्कि इस मुद्दे को गंभीरता से लेने और इस पर नए सिरे से काम करने की जरूरत भी रेखांकित करती है। अगर आजादी के आठवें दशक में भी देश में हर मिनट तीन नाबालिग लड़कियों की शादी हो रही है, तो यह स्थिति स्वीकार करने लायक नहीं हो सकती। कड़वी सचाई है, ये आंकड़े चुभने स्वाभाविक हैं। लेकिन ज्यादा चिंता की बात यह है कि हमने जाने-अनजाने इस सचाई पर परदा पड़े रहने का इंतजाम कर दिया था। चाहे नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट हो या समय-समय पर सरकार की ओर से जारी किए जाने वाले अन्य आंकड़े, कोई भी ठीक-ठीक यह नहीं बताता कि हर साल कितनी नाबालिग लड़कियों को गैरकानूनी ढंग से शादी के बंधन में डाल दिया जाता है। ऐसा भी नहीं कि ये आंकड़े इस मामले में पूरी तरह चुप्पी बनाए रखते हैं। मिसाल के तौर पर एनसीआरबी की बात करें तो यह 2018 से 2022 के बीच 3,863 नाबालिग शादी दर्ज होने की सूचना देता है। यह संख्या हकीकत से कितनी दूर है इसका अहसास तब हुआ जब सिविल सोसाइटी संगठनों के नेटवर्क 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' से जुड़ी रिसर्च टीम 'इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन' ने 2011 की जनगणना से जुड़े आंकड़ों के साथ एनसीआरबी और नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) की सूचनाओं को मिलाकर उनका विश्लेषण किया। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक हर साल 16 लाख नाबालिग लड़कियों की शादी हो रही है। यह स्थिति तब है जब भारत में 1929 में ही नाबालिग शादी को प्रतिबंधित किया जा चुका है। जाहिर है, कानून अपनी जगह रहा और समाज अपने ढंग से चलता रहा। हालांकि इस आधार पर कानूनी व्यवस्थाओं को निरर्थक नहीं करार दिया जा सकता। इसका उदाहरण असम है, जहां इसी रिपोर्ट के मुताबिक हालात में आश्चर्यजनक सुधार लाए जा चुके हैं। वहां 2021-22 में हुई नाबालिग लड़कियों की शादी की संख्या 3,225 थी, जो 2023-24 में घटकर 627 हो गई। यह कामयाबी कानून को सख्ती से लागू करने का परिणाम है। असम की कामयाबी का मतलब यह नहीं कि हर मामले में समाज को कानून के डंडे से हांका जा सकता है या हांका जाना चाहिए।

भाजपा को इस भंवर से निकलना होगा

भाजपा के पास पिछले 10 सालों में हुए तमाम लोक-कल्याण के काम गिनाने को हैं। लोक-लुभावन नेता और ये कार्य इस लड़खड़ाहट को सम्हालने के लिए काफी हैं। बस पार्टी को निरर्थक बयानवीरों की बोलती बंद करने के साथ अपने संदेशों पर नई सान चढ़ानी होगी।

(शशि शेखर)

ऐसा लगता है, जैसे भारतीय जनता पार्टी की इस्पाती सतह के भीतर कुछ खदबदा रहा है। कभी किसी केंद्रीय मंत्री के बयान पर चर्चाओं का बवंडर उठ आता है, तो कभी किसी उप-मुख्यमंत्री का कथन सुर्खियां बन जाता है। क्या भारतीय जनता पार्टी का अनुशासन एक ऐसा तिलिस्म था, जो उम्मीद के मुताबिक जीत के अभाव में उघड़ने लगा है? इस प्रश्न का उत्तर पाने के लिए पहले मौजूदा उथल-पुथल पर नजर डाल लेते हैं। जिन राज्यों में इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा, उनमें उत्तर प्रदेश अव्वल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद वाराणसी से चुनाव लड़ते हैं। उनके डिप्टी राजनाथ सिंह लखनऊ से चुने जाते हैं। सबसे काबिल मुख्यमंत्रियों में जिनकी गणना होती है, वह योगी आदित्यनाथ वहां के मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले के दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने वहां से क्रमशः 71 और 62 सीटें जीती थीं। ऐसे में, 29 सीटों का नुकसान पार्टी को हिला गया। अगर भाजपा को पिछले चुनाव के बराबर सीटें मिल गई होतीं, तो उसे रह बची तीन सीट जुटाकर लोकसभा में बहुमत हासिल करने में कोई खास दिक्कत नहीं पेश आती। जाहिर है, पार्टी को गंभीर मंथन की जरूरत है, पर भाजपा के तमाम नेता एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में व्यस्त हैं। जो भूल गए हैं, उन्हें याद दिला दूं, अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त में कल्याण सिंह को लेकर ऐसी ही चर्चाएं हुई थीं। कल्याण सिंह का जो नुकसान हुआ, वह अपनी जगह है, पर अगली बार विधानसभा में भाजपा औंधे मुंह जा पड़ी थी। यही नहीं, उसके दो साल बाद अटल जी को भी सत्ता गंवानी पड़ी थी। केंद्र की हुकूमत पाने के लिए भाजपा को दस और उत्तर प्रदेश के लिए पंद्रह बरस का वनवास झेलना पड़ा था। वर्ष 2017 से आज तक योगी आदित्यनाथ वहां के मुख्यमंत्री हैं। पार्टी ने योगी के चेहरे को आगे कर 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा और इस बार भी बहुमत हासिल हुआ। यही वजह थी कि लोकसभा चुनावों से पहले माना जा रहा था कि पार्टी वहां 75 के करीब सीटें जीतेगी। ऐसा नहीं हुआ। क्यों? रॉबर्ट्सगंज संसदीय क्षेत्र का यह किस्सा सुनिए, जवाब मिल जाएगा। चुनाव से ऐन पहले हम रेणुकूट से चलकर हाथी नाला पहुंचने वाले थे। दोनों तरफ जंगल था। अचानक मेरी नजर दूर बाईं तरफ बकरी चरा रही कुछ महिलाओं पर पड़ी। महिलाओं की वेशभूषा से स्पष्ट था कि वे आदिवासी हैं। उन तक पहुंचकर मैंने पूछा कि क्या पिछले 10 सालों में आपकी जिंदगी में कोई परिवर्तन हुआ है? गोंडी, भोजपुरी और हिंदी के मिले-जुले शब्दों में उन्होंने बताया कि हमारे गांव में पानी आ गया है। घर में पानी! उन्होंने 'हां' की मुद्रा में सिर हिलाया। मैंने चारों ओर नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक बस रेत, कंटीले पेड़ और चमड़ी झुलसाती धूप। घर पूछा, तो उन्होंने दूर दिखती पहाड़ी की ओर इशारा कर दिया। इस इलाके में घर में नल तो दूर, पेयजल तक दुर्लभ होता था। उनसे अगला सवाल था कि आप किसे वोट देंगी? जवाब मिला- फूल। फूल, यानी कमल। मैंने पूछा, आपको मालूम है कि देश के प्रधानमंत्री कौन हैं? मेरे हाथ में मौजूद अखबार में छपी मोदी की तस्वीर की ओर उन्होंने इशारा कर दिया। मन में सवाल उभरा कि यहां तो अपना दल की उम्मीदवार कप-प्लेट के चिह्न पर चुनाव लड़ रही हैं। ये अबोध महिलाएं ईवीएम पर फूल ढूंढ़ेंगी, तो कैसे मिलेगा? पूछने पर उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक कोई उनसे वोट मांगने नहीं आया है। सुनता आ रहा था कि पार्टी कार्यकर्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग इस बार उतने सक्रिय नहीं हैं, जितने पहले होते थे। कहीं ये महिलाएं ईवीएम से निराश होकर लौटने वाली तो नहीं? ऐसा ही हुआ। नतीजतन, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, यानी एनडीए की प्रत्याशी रिंकी कोल सवा लाख से अधिक मतों से हार गईं। अति-आत्मविश्वास और बिना हाथ-पांव मारे अपने नेता पर अंधा अवलंबन, मजबूत से मजबूत संगठन और शख्सियत को कमजोर कर सकता है। भारतीय जनता पार्टी इसका अपवाद साबित नहीं हुई। अब एक और वाकया सुन लीजिए। मैं लोकसभा के एक प्रत्याशी से मिला। उनका पहला वाक्य था- भाई साहब, मुझे तो पिछला रिकॉर्ड तोड़ना है। मैंने पूछा, इस आत्मविश्वास की वजह? उन्होंने कहा कि मोदी जी का 'क्रेज' ही इतना है कि यदि आपको मेरी जगह खड़ा कर दिया जाए, तो आप चुनाव जीत जाएंगे। मैं हक्का-बक्का रह गया था। राजनीति में गफलत की गुंजाइशें नहीं होतीं। आशा और जन-अवधारणा के विपरीत आए नतीजों ने इन गफलतों को उतार फेंकने का अवसर भाजपा को प्रदान किया है। उसके पास सबक लेने का समय, साधन और सक्षम नेतृत्व है। पहले दल की दलदल बाहर से नहीं दिखती थी। अब जब बिखराव दिख रहा है, तो पार्टी को अपना लौह-कवच फिर से धारण करना होगा। भगवा दल को अपने कार्यकर्ताओं के मनोभाव का भी मान रखना होगा। पिछले 10 वर्षों के दौरान कई नए लोग भाजपा के तंबू में आए। इनमें से बहुतों पर भ्रष्टाचार के दाग हैं। इसके बावजूद उन्हें महत्वपूर्ण पदों से नवाजा गया। इससे इन आरोपों को बल मिला कि केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई से बचने का एक ही तरीका है कि आप भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाएं। अन्य दलों से आए लोगों ने निस्संदेह भाजपा के विजय-रथ को गति दी, पर बाद में यह दांव फेल हो गया। यहां विधानसभा की 13 सीटों पर हाल ही में हुए उप-चुनावों का स्मरण जरूरी है। भाजपा इनमें से महज दो जीत सकी। पाला बदलने वाले लगभग सभी लोग हार गए। अभी चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के अतिरिक्त कई राज्यों में उप-चुनाव हैं। उस दौरान इस रीति-नीति की समीक्षा जरूरी है। कार्यकर्ताओं की उदासीनता की एक वजह यह भी है कि उन्हें लगता है, बाहर से आए हुए लोग हमारी हकमारी करते हैं। इसके साथ भाजपा को पार्टी का संदेश देने के तरीकों में भी सुधार करना होगा। संविधान को लेकर फैलाई गई चर्चाओं में भारतीय जनता पार्टी ऐसी उलझी कि उसे उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं हासिल हुए। इसकी एक वजह यह भी है। बड़े नेताओं द्वारा बार-बार खंडन के बावजूद प्रभावी ढंग से इस नैरेटिव की काट नहीं हो सकी। अंत में सबसे जरूरी बात। इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी देश के सबसे आकर्षक नेता हैं, जैसा कि मैंने पहले अनुरोध किया कि सोनभद्र जिले की मीडिया से दूर रहने वाली आदिवासी महिलाएं तक उन्हें पहचानती थीं।

आए दिन हो रही हैं रेल दुर्घटनाएं

देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार ट्रेन हादसों की घटनाएं हो रही हैं, उससे ऐसा लगता है मानो दुर्घटनाएं अब आम दिनचर्या का हिस्सा बन रही हैं और इसे लेकर प्रकारांतर से सहज होने की स्थितियां बन रही हैं। विचित्र है कि हर हादसे के सुर्खियों में आने और सवाल उठने के बाद सरकार यह घोषणा करने की औपचारिकता निभाना नहीं भूलती कि घटना की जांच की जाएगी, ऐसे उपाय किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसा हादसा न हो। मगर फिर कुछ दिन बाद देश के किसी हिस्से से अन्य बड़ी रेल दुर्घटना की खबर आ जाती है और कभी भी रेल महकमे के मंत्री को जिम्मेदारी लेने की जरूरत नहीं महसूस होती। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से पांच पलट गए। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम बीस अन्य के घायल हो गए। यह हादसा यही बताता है कि रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के सरकार के तमाम दावे महज आश्वासन भर हैं। ऐसा क्यों है कि एक ओर रेल महकमे को आधुनिक स्वरूप देने, उच्च तकनीकी से लैस करने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर पटरियों पर होने वाले हादसे रुक नहीं रहे हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर इसके कारणों को लेकर लंबी पड़ताल चलेगी और आम जनता को शायद ही पता चलेगा कि इसकी क्या वजह थी और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया गया, क्या कार्रवाई हुई और इस संदर्भ में सरकार ने क्या ऐसे उपचारात्मक उपाय किए, ताकि भविष्य में ऐसा हादसा फिर न हो। अफसोस की बात यह है इस तरह की कवायदें सभी हादसों के बाद होती हैं, मगर कुछ समय बाद होने वाले हादसे सरकारी आश्वासनों की हकीकत बताने के लिए काफी होते हैं। ट्रेनों के आपस में टकरा जाने के अलावा हाल के दिनों में पटरियों पर से उतर जाने की घटनाएं जिस रफ्तार से बढ़ी हैं, उससे यह साफ है कि या तो किसी रूप में पटरियों से छेड़छाड़ की आपराधिक घटनाएं हो रही हैं या फिर रखरखाव के पहलू से रेल महकमा पर्याप्त निगरानी और मरम्मत का काम सुनिश्चित करने में नाकाम है।

एक सर्वर की खराबी और दुनिया भर में हाहाकार

(मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ)

शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई गड़बड़ी से पूरी दुनिया हलकान रही। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था खासा प्रभावित हुई और विमान सेवाओं, बैंकिंग सिस्टम व शेयर बाजार पर इसका काफी असर पड़ा। कई कंपनियों में काम-काज पूरी तरह से ठप हो गए। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई यह समस्या क्राउडस्ट्राइक की वजह से आई, जो इससे जुड़ी एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी है। शुरुआती आशंका यही थी कि यह कोई साइबर हमला है, मगर बाद में साफ हो गया कि यह तकनीकी गड़बड़ियों का नतीजा है। दरअसल, क्राउडस्ट्राइक ने एक अपडेट किया, जिसके बाद से ही दुनिया में जहां-तहां माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सपोर्ट वाले अधिकतर उपकरण बैठने लगे। सवाल है, आखिर ऐसा कैसे हुआ? क्या माइक्रोसॉफ्ट की सेवा लेने वाली कंपनियां ऐसे हालात के लिए तैयार नहीं थीं? अगर थीं, तो उस तैयारी को अमल में लाने में इतना वक्त कैसे लगा? इस पूरे घटनाक्रम को कई पहलुओं से देखना होगा। निस्संदेह, ऐसा किसी कंपनी के साथ हो सकता है, क्योंकि प्रौद्योगिकी की दुनिया में तकनीकी चूक की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। मगर चूंकि माइक्रोसॉफ्ट एक भरोसेमंद वैश्विक ऑपरेटिंग सिस्टम है और अनगिन कंपनियां उस पर निर्भर हैं, इसलिए इस पूरे मामले में उसकी जिम्मेदारी कहीं अधिक बन जाती है। बड़ी-बड़ी कंपनियों का अपने साथ छोटी-छोटी दूसरी कंपनियों को रखना आम बात है। माइक्रोसॉफ्ट ने भी यही किया और क्राउडस्ट्राइक को अपने साथ जोड़ा। सवाल यह है कि आपात स्थिति या आपदा जैसे हालात में मुश्किलें पैदा होने पर 'बिजनेस कॉन्टिन्यूटी प्लान' (बीसीपी) पर कितना ध्यान दिया गया? यह सवाल माइक्रोसॉफ्ट से भी उतना ही जुड़ा है, जितना उन कंपनियों से, जो इसकी सेवाएं ले रही हैं। बीसीपी असल में एक 'बैकअप प्लान' होता है, जिसमें प्रतिकूल हालात में भी कंपनी की सेवा बहाल रखने के जरूरी दिशा-निर्देश होते हैं। कंपनियां यह योजना तैयार रखती हैं, ताकि उनके काम पर असर न पड़े। माइक्रोसॉफ्ट के पास भी योजना होगी ही। मगर जब तक अपनी क्लाइंट कंपनियों की वह मदद कर पाती, तब तक देर हो चुकी थी। स्पष्ट है, बीसीपी न सिर्फ मूल कंपनी को, बल्कि उसकी तमाम ग्राहक कंपनियों को भी पता होना चाहिए। इतना ही नहीं, ग्राहक कंपनियों के पास इस बाबत सारी सहायता उपलब्ध होनी चाहिए, उनके इंजीनियरों को पता होना चाहिए और उनके सभी हितधारकों तक उस प्लान की पहुंच होनी चाहिए। साफ है, शुक्रवार को इन सबमें कहीं न कहीं चूक जरूर हुई। ऐसे में, माइक्रोसॉफ्ट यह जरूर पड़ताल कर रही होगी कि वह रिस्पॉन्स टाइम (किसी समस्या पर प्रतिक्रिया देने का समय) कितना कम कर सकती है? वैसे, यह किसी ख्यात कंपनी के लिए भी उतना ही जरूरी है, जितना स्टार्ट-अप के लिए। हां, छोटी कंपनियां बीसीपी नहीं रखतीं, क्योंकि इसके लिए अलग टीम की जरूरत पड़ती है और उसे अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इस मामले में यह देखना होगा कि अब ग्राहक कंपनियां किस तरह अपने घाटे को पाटती हैं? क्या माइक्रोसॉफ्ट मुआवजा देगी? अगर नहीं, तो क्या ग्राहक कंपनियां उसे अदालत में घसीट सकती हैं? क्या ऐसा करने का अधिकार उनके पास है? बेशक, यह सीधे-सीधे माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ा मसला नहीं है, क्योंकि इसके लिए क्राउडस्ट्राइक जिम्मेदार है, लेकिन क्या जो अपडेट वह कर रहा था, उसको जांचने का काम सिर्फ क्राउडस्ट्राइक का था या फिर माइक्रोसॉफ्ट का भी? इन सब सवालों के जवाब तो आने वाले दिनों में ही मिलेंगे। बहरहाल, शुक्रवार जैसी घटना शायद ही पहले कभी हुई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पहले क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर इतने अधिक नहीं थे। पहले सर्वर डाउन जैसी गड़बड़ियां ज्यादा होती थीं। हालांकि, अब इसमें काफी कमी आ गई है, क्योंकि इनको तुरंत संभाल लिया जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5441

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5440

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

आज का राशिफल

मेष
आज संतान के करियर को लेकर जो परेशानियां बनी हुई थीं, वे दूर हो जाएंगी। आपको अपने प्रियजनों और परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परिवार के सहयोग से आप किसी नए कारोबार के बारे में सोच सकते हैं लेकिन नौकरी के मामले में संघर्ष बढ़ेगा। करियर से जुड़े शुभ समाचार से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृष
आज आर्थिक लाभ होने की संभावना रहेगी। मानसिक तनाव से बचने के लिए धैर्य एवं नम्रता से काम करें। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आज आपके कार्य और अधिकारों में वृद्धि होगी जिससे आस-पास के अन्य सहयोगियों में कड़वाहट बढ़ने से परेशानी हो सकती है। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन
आज आपकी राज्य मान, प्रतिष्ठा की वृद्धि करेगा। शत्रुओं का मनोबल गिरेगा। घरेलू एवं अच्छे गुण वाले लोगों से मेल मिलाप बढ़ेगा। व्यवसाय में भी नौकरों व भागीदारों से अच्छा वातावरण मिलेगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक अकस्मात् अतिथियों के आगमन से व्यय और बढ़ सकता है।

कर्क
आज आपके प्रियजनों और रिश्तेदारों में किसी को शारीरिक कष्ट होने की सूचना दे रहा है। फिजूल खर्ची और विवाद से दूर रहें। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक पारिवारिक जनों के साथ यात्रा का सुख प्राप्त होगा। शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी। नौकरी के बड़े अवसर मिल सकते हैं। खर्च करने के बाद भी बजट नहीं बिगड़ेगा।

सिंह
आज व्यवसाय में निरन्तर लाभ होने की संभावना बनी रहेगी और व्यवसाय के भागीदारों से परेशानी होने की संभावना भी बनी रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा का योग बना हुआ है। बिजनेस में किसी नए पार्टनर से मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको आगे चलकर लाभ होगा।

कन्या
आज आपको शारीरिक एवं आर्थिक बल प्रदान करेगा। अच्छे गुणवाले लोगों से मेल-मिलाप बढ़ने से अधिकारी वर्ग आपके पक्ष में रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों से पर्याप्त आमदनी होगी परन्तु व्यय आय के अनुपात में अधिक होगा। रात्रि में किसी आध्यात्मिक योजना का हिस्सा बनेंगे, खर्च बढ़ेगा।

तुला
आज प्रियजनों से अंतर्विरोध की स्थिति उत्पन्न करेगा। आपके समय के अनुसार काम होने में बाधा रहेगी। मौसम भी आज अनुकूल नहीं रहेगा। किन्तु वृष राशि का बृहस्पति सायंकाल में कुछ मन संतोष देगा। बड़ी मात्रा में धन हाथ मिलेगा, जिससे कि आपकी निराशा दूर हो जाएगी। आज आपको थोड़े प्रयास से ही रूका हुआ धन मिल जाएगा।

वृश्चिक
आज संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी। संतान को शारीरिक कष्ट होने से आप परेशान रहेंगे। नौकरी से जुड़ा स्थान परिवर्तन होने का प्रसंग प्रबल होकर स्थापित होगा। आर्थिक लाभ तो होगा परन्तु लाभ से अधिक खर्चा होने के कारण खिन्नता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में शत्रु पक्ष आप पर हावी होने का प्रयास करेंगे, सावधान रहें।

मकर
आज व्यापार के सहयोगियों से मनमुटाव की स्थिति होने के कारण पूरा दिन असहज रहेगा। अकारण शत्रु उत्पत्ति, निर्मूल विवाद से आप परेशान रहेंगे। सायंकाल के समय सम्पत्ति से लाभ और पत्नी से उत्तम सहयोग मिलने के कारण संतुष्टि रहेगी। आप अगर सम्पत्ति से जुड़े मामले को लेकर चिंतित हैं, तो उसका भी समाधान होगा।

कुंभ
आज अकस्मात् बड़ी मात्रा में आर्थिक लाभ होने का योग बना रहेगा। आपको प्रियजनों का वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक मंगल कार्यों में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मंगल कार्यों पर खर्च बढ़ेगा। साथ ही करियर में कुछ बदलाव के आसार दिख रहे हैं। निवेश सोच-समझकर करें।

धनु
आज शुभ व्यय और कीर्ति में वृद्धि करेगा। भाग्य का उदय धन-धर्म की वृद्धि होने से खुश रहेंगे। शत्रु चिन्ताओं का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी सायंकाल तक हार होगी। आपके धन और कारोबार से जुड़े हुए कार्य पूरे होंगे और आपको धन लाभ होगा। बिजनेस में कोई बड़ी डील मिलेगी।

मीन
आज आपको संतान की तरफ से चिन्ता रह सकती है। आज अगर आप कहीं निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो तुरंत इसे टाल दें। आज आपको नौकरी में भी कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे। कारोबार से जुड़े हुए लोगों को याद रखना होगा कि निवेश करने से आपको उम्मीद के मुताबिक मुनाफा नहीं होगा।

वर्ग पहेली 5441

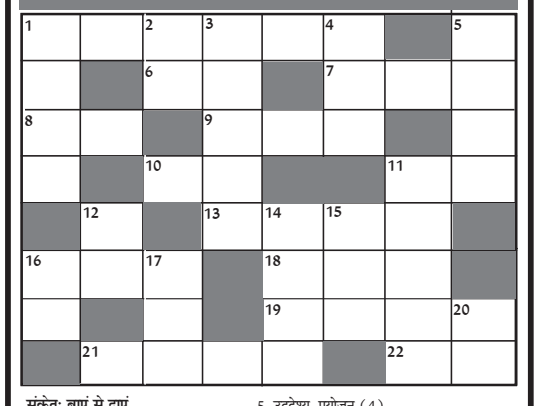

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2000 में भारत के इस तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति शिखर सम्मेलन के दौरान हिंदी में भाषण देते हुए पाकिस्तान को लताड़ा (6)
6. राजमुकुट, शिखा (2)
7. पति-पत्नी का कानूनन संबंध विच्छेद (3)
8. छोटा, निसार, तीर प्रकार के प्राणयमों में से एक (2)
9. गले के नीचे पेट में उतारना, निगलना (3)
10. हिंदी के बारह महिनों में से एक (2)
11. एक श्लोक का चतुर्थांश, योग्यतानुसार दिया गया दर्जा या पदवी (2)
13. अनुकंपा, दया, मेहरबानी (4)
16. जीना, सीढ़ी (3)
18. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. पार्वती, लक्ष्मी (2)
21. घृणा, घिन्न (4)
22. तड़क-भड़क, ठाट-बाट (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. न्यायालय, कचहरी (4)
2. कोमलकांड, सुंदरस्त्री, सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
3. वह स्थान जहां से प्रत्येक घर बिजली पहुंचाई जाती है (5)
4. खाली होना, रिक्त होना (3)
5. उद्देश्य, प्रयोजन (4)
11. अवनति, अवनमन, धाराशायिता (3)
12. एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
14. हल्का बुखार, जवर अनुभूति, आवेश (4)
15. कोई करतब आदि देखने के लिए एकत्रित जनसमूह, अव्यवस्थित जन समूह (3)
16. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जो देव-दानवों दोनों को प्रिय था (2)
17. इराक का एक शहर जहां सुन्नियों के चौथे खलीफा याने शिया इस्लाम के पहले इमाम अली की मजार है (3)
20. यह यूरोपीय संघ का एक सदस्य राष्ट्र है जिसकी राजधानी मेड्रिड है (2)

वर्ग पहेली 5440 का हल

वि	य	ना		ता	इ	वा	न
दे		शा	र	दा		क	र
श	ह	द		द	म		णि
नी	ल		त		वा	प	स
ति	क	ड़	मी		सी	र	
			ज	स्ता		वा	मा
वा	म	न		व	ज	न	
दा	म	न		क	ल	गी	

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, थाना-रातू, जिला-रांची (झारखंड) में मुद्रित एवं 204, निर्मला इन्कलेव अपार्टमेंट, रानी बागान, बरियातु, रांची (झारखंड) से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

प्रदेश के 18 बड़े शहरों में शुरू होंगे स्ट्रीट फूड हब-साप्ताहिक हाट

15 लाख दुकानदारों को फायदा

लखनऊ , एजेंसी। आम बजट में सरकार ने अगले पांच वर्षों में देश के 100 शहरों में स्ट्रीट फूड हब व साप्ताहिक हाट खोलने का एलान किया है। इसे कोरोना काल में बर्बाद हुए शहरी क्षेत्रों के रेहड़ी व पटरी व्यवसाइयों (स्ट्रीट वेंडर) के कारोबार को फिर से शुरू कराने की पहल मानी जा रही है। योजना के जरिये शहरों में सरकार पटरी दुकानदारों को कारोबार के लिए व्यवस्थित स्थान मुहैया कराएगी। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश के 18 से अधिक शहरों में स्ट्रीट फूड हब व साप्ताहिक हाट शुरू किए जा सकते हैं। इससे करीब 15 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को फायदा मिलने की उम्मीद है। शहरों में स्ट्रीट वेंडरों को सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिलने से उन्हें आए दिन अतिक्रमण के नाम पर होने वाले उत्पीड़न से भी मुक्ति मिलेगी। स्ट्रीट फूड हब व साप्ताहिक हाट के जरिये सरकार का युवाओं को नए रोजगार के अवसर मुहैया कराने की पहल भी मानी जा रही है। बता दें कि केंद्र सरकार ने पटरी कारोबारियों के लिए पीएम स्वनिधि योजना भी चला रही है। इसमें ऐसे दुकानदारों को कम ब्याज पर कर्ज देकर व्यवसाय शुरू करने की सहूलियत दी जा रही है। प्रदेश में इस योजना में अब तक 13.40 लाख दुकानदारों को कर्ज दिया जा चुका है। राज्य सरकार इन कारोबारियों के लिए मॉडल वेंडिंग जोन भी बनवा रही है।

नगर निगमों वाले सभी शहरों के दायरे में आने की उम्मीद: बजट में इस घोषणा के बाद प्रदेश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में हाट और स्ट्रीट फूड हब खुलने का रास्ता साफ होगा। योजना के दायरे में लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, वाराणसी, गाजियाबाद, प्रयागराज, बरेली, अलीगढ़, मुरादाबाद के साथ सभी नगर निगम वाले शहरों के आने की उम्मीद है। केंद्र सरकार हाट और स्ट्रीट फूड हब बनाने के लिए राज्यों को अलग से पैसा भी देगी।

बड़े शहरों में मिलेगा शुद्ध पेयजल: बजट में देश के 100 बड़े शहरों में जलापूर्ति, सीवरेज उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वित्तीय रूप से परियोजनाओं को बढ़ावा देने की भी घोषणा की गई है। इसके दायरे में भी प्रदेश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले 15 से 18 शहरों के आने की संभावना है।

दो साल में प्राकृतिक खेती से जुड़ेंगे 50 हजार किसान

लखनऊ , एजेंसी। केंद्रीय बजट में अगले दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए मदद देने की घोषणा से यूपी में भी इस विधा की खेती को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जगी है। अभी तक प्राकृतिक खेती बुंदेलखंड तक सीमित है, लेकिन अब इसका पूर्वांचल और मध्य क्षेत्र में भी विस्तार किया जा सकेगा। प्रदेश में अभी बुंदेलखंड के सात जिलों में प्राकृतिक खेती के 470 क्लस्टर बनाए गए हैं। इसमें 235 को पिछले वर्ष और 235 को इस वर्ष चयनित किया गया है। 47 ब्लॉक के 21854 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें जैविक खाद और बीज आदि की सुविधा मुहैया कराई जाती है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में बुंदेलखंड को 4.30 करोड़ रुपये दिए गए हैं। अब केंद्र सरकार की ओर से इस योजना को बढ़ावा देने की बात कही गई है। कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब बुंदेलखंड के अलावा पूर्वांचल के किसानों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। फिर अगले चरण में मध्य क्षेत्र के किसानों को भी प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाएगा। विभाग की रणनीति है कि अगले दो साल में करीब 50 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाए। इसी रणनीति के तहत प्रदेश के 700 किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र भेजकर प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये किसान अब अन्य किसानों को प्रशिक्षित करेंगे। कृषि विभाग की टीम खेती करने वाले किसानों को प्राकृतिक खेती करने का प्रमाणपत्र भी देगी। प्रदेश में जैव अदान संसाधन केंद्र बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। प्रदेश में 9 तरह के कृषि जलवायु क्षेत्र हैं। ऐसे में अलग-अलग क्षेत्रों में हर तरह के फल, सब्जियों और फूलों की खेती होती है। प्रदेश के करीब 80 फीसदी किसान लघु एवं सीमांत हैं। ये गेहूं, धाम, गन्ना के रूप में परंपरागत खेती करते हैं। अब इन्हें जलवायु आधारित खेती करने को प्रेरित किया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से बजट प्रावधान किए जाने से नई प्रजाति की खोज को बढ़ावा देने पर जोर है। ऐसे में प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में गेहूं, धान और गन्ने, आलू की 40 प्रजातियों पर शोध कार्य चल रहा है। अब इन्हें बढ़ावा मिलेगा। हर साल करीब पांच से 10 नई प्रजातियां विकसित हो सकेंगी। पिछले दिनों धान की एनडीआर-9730018 ,एनडीआर - 8029, एनडीआर-9407 और एनडीआर-8028 प्रजाति को शोध सलाहकार समिति ने मंजूरी दी थी। इसी तरह बुंदेलखंड के किसानों के लिए प्याज की एल 883 प्रजाति को विकसित किया गया था। केंद्र सरकार की ओर से तिलहन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए नई कार्यनीति बनाई गई है। इसके तहत उत्तर प्रदेश के नदियों के किनारे वाले इलाके के किसानों का क्लस्टर बनाकर दलहन-तिलहन का विकास किया जाएगा।

सख्ती: सीएम की नाराजगी के तीन घंटे बाद हटाए गए जलकल के महाप्रबंधक, वाराणसी से हटाकर भेजा गया गाजियाबाद

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी शहर में सीवर ओवरफ्लो और दूषित जलापूर्ति के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी जलकल के महाप्रबंधक विजय नारायन मौर्य पर भारी पड़ी है। मुख्यमंत्री के लखनऊ जाने के बाद ही सोमवार की देर महाप्रबंधक को हटा दिया गया है। उनका तबादला गाजियाबाद किया गया है। विजय नारायन को किस पद पर भेजा गया है, इसका जिक्र तबादला आदेश में नहीं है। सिर्फ इतना लिखा है कि गाजियाबाद में तत्काल कार्यभार ग्रहण करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सर्किट हाउस में वाराणसी के विकास कार्यों की समीक्षा की थी। इससे पहले भाजपा के सांसद, विधायक, एमएलसी और राज्य सरकार के मंत्रियों से फीडबैक भी लिया था। इसमें सीवर ओवरफ्लो और दूषित जलापूर्ति का मामला उठाया गया था। इस पर मुख्यमंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई थी। जलकल के महाप्रबंधक को कामकाज सुधारने की हिदायत भी दी। समीक्षा बैठक के दौरान ही लग रहा था कि इस बार कार्रवाई होगी। देर रात महाप्रबंधक को हटाने का आदेश भी आ गया।

शहर की सीवर समस्या को ध्यान में रखकर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने मातहतों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों को हिदायत दी कि कहीं से सीवर ओवरफ्लो की समस्या मिले तो तत्काल ठीक कराएं। कांवड़िया रूटों पर विशेष नजर रखे। इसमें लापरवाही हुई तो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलकल के अभियंताओं की भी जिम्मेदारी तय की गई। उधर, जलकल के जेएमडी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जन्ये शहर की सीवर व अन्य समस्याओं के बाबत जल कल के अधिकारियों को हिदायत दी।

चमक उठेंगे यूपी के हाइवे, 40 हजार करोड़ से बनेंगी दो हजार नई सड़कें, गांवों पर फोकस

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में हाईवे के लिए चालू वित्त वर्ष में करीब 40 हजार करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। बजट में ग्रामीण सड़कों पर खास फोकस दिखा। इससे प्रदेश में करीब दो हजार नए ग्रामीण मार्ग बन सकेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों का मानना है कि सड़कों को दिए गए बजट में वर्ष 2047 का विजन साफ झलक रहा है।

प्रदेश में 11737 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। पिछले वित्त वर्ष में यूपी में हाईवे के विकास के लिए केंद्र से 25 हजार करोड़ रुपये मिले थे। राज्य सरकार की संस्तुति पर 50 से ज्यादा राज्य मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया गया है। केंद्रीय बजट में पिछले साल के मुकाबले 15 हजार करोड़ ज्यादा बजट मिलने से नए राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास हो सकेगा, लेकिन केंद्रीय सड़क निधि में इस बार भी कोई अधिक राशि मिलने की उम्मीद नहीं है। वित्त वर्ष 2023-24 में इस मद में करीब 60 करोड़ रुपये मिले थे। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय सड़क निधि के तहत यूपी को पहले ही ज्यादा राशि मिल चुकी है। इसलिए इस बार

के बजट को देखकर लग रहा है कि इस मद में अधिक राशि नहीं मिल सकेगी।

ग्रामीण सड़कों पर फोकस, दो हजार नए मार्ग बनेंगे: केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) का चौथा चरण शुरू करने का एलान किया है। योजना के लिए पात्र ग्रामीण बसावटों में सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इस दायरे में प्रदेश की दो हजार नई सड़कें आएंगी। यूपी में 250 से अधिक आबादी वाली बसावटों और एक किमी या ज्यादा लंबी सड़कों को नाबार्ड की मदद से बनाया जा रहा है। एक किमी से कम लंबी सड़कों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत बनाया जा रहा है। शासन के अधिकारियों का कहना है कि पीएमजीएसवाई के चौथे चरण से प्रदेश में ग्रामीण सड़कों का दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगा। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में आसानी होगी और स्थानीय स्तर पर कृषि व व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस की पाठशाला: छात्राओं को बताए साइबर अपराध से बचाव के तरीके, कॅरिअर को संवारने की मिली दिशा

बरेली , एजेंसी। बरेली के वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी राजकीय महिला महाविद्यालय में मंगलवार को छात्राओं ने साइबर अपराध से बचने के तरीके जाने। उन्हें कॅरिअर संवारने के बारे में भी जानकारी दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि यूपीएससी की तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है अनुशासन। विद्यार्थी सबसे पहले अखबार पढ़ना शुरू करें। इसमें भी सबसे अधिक जरूरी है संपादकीय पढ़ना। साथ ही जागरूक रहें। रट्टा नहीं मारें। प्रत्येक विषय को समझने का प्रयास करें। लेखन का अभ्यास करें। एनसीईआरटी की किताबें पढ़ें।

एक छात्रा ने सवाल पूछा कि उसे इतिहास में रुचि है, लेकिन तारीखें याद नहीं रहतीं। एसएसपी ने कहा कि इतिहास को कहानी की तरह पढ़ें। इतिहास की घटनाओं के पीछे के कारणों को भी जानें।

डिजिटल हस्ताक्षर है ओटीपी, किसी से न करें साझा: एसपी यातायात शिवराज ने कहा कि स्मार्टफोन तिजोरी से कम नहीं है। इसमें आपकी हर गोपनीय जानकारी छिपी हुई है। आपका ओटीपी डिजिटल हस्ताक्षर है। इसे किसी के साथ

साझा नहीं करें। फोन पर आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक नहीं करें। इससे आर्थिक हानि हो सकती है। अनजान वीडियो कॉल रिसीव न करें।

उन्होंने डीपफेक, बॉडी ग्रूमिंग, डिजिटल अरेस्ट के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को 100, 112 व 1090 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया। ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए छात्राओं को अपने परिवार के लोगों को भी दोपहिया वाहन पर हेलमेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा।

नए कानून में चोट को किया गया परिभाषित: एसपी यातायात ने विद्यार्थियों को नए कानून, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के बारे में बताया। कहा कि, नए कानून की प्राथमिकता महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध को रोकना है। कानून में चोट को परिभाषित किया गया है। अब तक था कि शरीर में चोट लग गई है। नए कानून में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक या आर्थिक नुकसान होने पर व्यक्ति को चोटिल माना जाएगा। अगर एक भी व्यक्ति चोटिल है तो उसका परिवार चोटिल माना जाएगा।

छात्राओं ने कहा, रास्ते में परेशान करते हैं असामाजिक तत्व: पाठशाला के माध्यम से छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। कहा कि, महाविद्यालय परिसर से मुख्य द्वार तक की दूरी अधिक है। ऐसे में कई बार असामाजिक तत्व छुट्टी के समय खड़े हो जाते हैं और उन्हें परेशान करने का प्रयास करते हैं। इस पर एसपी यातायात ने सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन देते हुए कहा कि कॉलेज गेट पर पुलिस की सख्ती बढ़ाई जाएगी।

6500 में बना दिया आयुष्मान कार्ड, अस्पताल से लौटा कैंसर पीड़ित

पडरौना , एजेंसी। आयुष्मान भारत योजना जिले में दलालों की भेंट चढ़ गई है। एक महीना पहले ही आयुष्मान योजना में हुई गड़बड़ी के मामले में डीपीसी समेत चार आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। बावजूद, आयुष्मान कार्ड में गड़बड़ी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इस बार सीएससी संचालक की गड़बड़ी से एक कैंसर पीड़ित मरीज को अस्पताल से लौटना पड़ा है। सीएससी संचालक ने कैंसर पीड़ित मरीज से 6500 रुपये लेकर आयुष्मान कार्ड तो बना दिया, लेकिन जब पीड़ित गोरखपुर अस्पताल पहुंचा तो आयुष्मान कार्ड शुरुआती जांच में ही फर्जी पाया गया। परेशान पीड़ित सीएमओ ऑफिस पहुंचा और कार्ड के बारे में जानकारी ली तो वहां भी उससे कार्ड सरेंडर करने को कहा गया। किसी तरह मरीज के परिजनों ने कैंसर का ऑपरेशन तो करा दिया, लेकिन अब वह फर्जी कार्ड बनाने वाले सीएससी संचालक से रुपये वापस करने की मांग कर रहे हैं। मरीज के परिजन इस मामले में सीएमओ व पुलिस से शिकायत करने की बात कह रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक आयुष्मान भारत योजना है। इस योजना के जरिए गरीब परिवार के सदस्यों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पात्र परिवारों का निशुल्क कार्ड बनाया जाता है। तकरीबन 14 लाख पात्र कुशीनगर जिले में हैं और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए विभाग की ओर से कई अन्य विभागों को भी आयुष्मान कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी है। इसी का फायदा उठाते हुए सीएससी संचालक रुपये लेकर कार्ड बनाने का दावा कर रहे हैं। ताजा मामला पडरौना शहर से जुड़ा है। दरअसल, शहर का एक व्यक्ति करीब दो माह पहले सुभाष चौक स्थित जन सेवा केंद्र पर आयुष्मान कार्ड बनवाने पहुंचा। सीएससी संचालक ने पहले तो उसे अपात्र बताया और फिर बाद में कार्ड बनाने के लिए 10 हजार रुपये की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित के घर पहुंचे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कार्रवाई न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

फाजिलनगर , एजेंसी। चौराखास थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवक ने गांव में बने सार्वजनिक शौचालय में शौच करने के दौरान मारपीट का आरोप लगाया है। मामले की जानकारी होने पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू पीड़ित के घर पहुंचे और मामले की जानकारी लेने के बाद कार्रवाई न होने की दशा में आंदोलन की चेतावनी दी।

बीते 12 जुलाई को चौराखास थाना क्षेत्र के कोटवा करजही निवासी एक युवक ने गांव में बने सार्वजनिक शौचालय में शौच के बाद ग्राम प्रधान की ओर से मारे जाने और शौच साफ कराने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी जानकारी होने पर तमकुहीराज के पूर्व विधायक व कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू मंगलवार को पीड़ित के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटना के 10 दिन बीत जाने के बाद भी केस दर्ज नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतवानी दी। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली इस सरकार में एक दलित के साथ इतना बड़ा अन्याय होने के बाद भी आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं होना सरकार की दलितों के प्रति स्पष्ट मंशा दर्शा रही है। इस संबंध में एसओ चंद्रभूषण प्रजापति ने बताया कि मामले में युवक ने तहरीर देने के अगले दिन ही समझौता करने के बाद किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से मना कर दिया है।

क्रमिक अनशन पर बैठे अधिवक्ताओं से मिले विधायक

कसया , एजेंसी। दीवानी न्यायालय कसया में बार संघ के नेतृत्व में चल रहे क्रमिक अनशन के दौरान कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने अधिवक्ताओं से मुलाकात की। अधिवक्ताओं ने पत्रक सौंपकर न्याय दिलाने की मांग की। दीवानी न्यायालय में विगत 14 दिन से अधिवक्ता क्रमिक अनशन कर रहे हैं।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव, बार संघ अध्यक्ष एडवोकेट अरविंद कुमार पाठक, महामंत्री एडवोकेट ज्ञान प्रकाश द्विवेदी आदि ने विधायक को पत्रक देकर वादकारियों व नवसृजित तहसील कप्तानगंज से संबंधित समस्त सिविल वाद का दाखिला व निस्तारण वाह्य दीवानी न्यायालय कसया में करने के लिए शासनादेश जारी करवाने की मांग की। विधायक ने अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र लाल श्रीवास्तव ने की व संचालन ज्ञान प्रकाश द्विवेदी ने किया। इस दौरान बद्रीनारायण दुबे, ओंकार नाथ पांडेय, जलज सिंह, गिरीश निवास सिंह, नित्यानंद शुक्ला, राजेंद्र चौबे, अरविंद उपाध्याय, शिवमोहन चौबे, असलम लारी, इकलाख अहमद, सुनील यादव, बीरेंद्र सिंह, विश्वनाथ जायसवाल आदि मौजूद रहे।

कोरोना काल में नियुक्त 90 स्वास्थ्य कर्मी हटाए जाएंगे

कासगंज, एजेंसी। कोरोना के समय अपनी जान को जोखिम में डालकर काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाएं समाप्त होने जा रही है। सरकार से इन कर्मियों को सेवा विस्तार नहीं दिया गया है। जिले में 90 स्वास्थ्य कर्मी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनके हटने के बाद जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ेगा।कोरोना की पहली लहर में स्वास्थ्य सेवाएं लड़खड़ा गई। इसके बाद सरकार ने एनएनएम लैब टेक्नीशियन, ओटी टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, वार्ड ब्वाय, स्वीपर, डाटा एंट्री आपरेटर, आक्सीजन प्लांट टेक्नीशियन आदि पदों पर कर्मियों को नियुक्त किया। जिले में 90 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। इनमें से 22 कर्मी जिला अस्पताल में तथा 68 कर्मी सीएमओ कार्यालय व अस्पतालों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संक्रमितों की जांच से लेकर दवाई आदि देने का काम इन्हीं के जिम्मे था। कोरोना समाप्त हो जाने के बाद ये कर्मी स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन शासन ने इनकी सेवा का विस्तार नहीं किया है। 31 जुलाई तक ही ये कर्मी अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इसके बाद इनकी सेवाएं समाप्त हो जाएंगी। जिले में स्वास्थ्य विभाग के पास कर्मियों की काफी कमी चल रही है।

लखनऊ से कानपुर के लिए जल्द दौड़ेगी वंदे मेट्रो, गोमती नगर से भोपाल के लिए चलेगी वंदे भारत

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर के लिए लखनऊ से सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे मेट्रो जल्द पटरी पर उतर सकती है। अफसरों को इसके लिए रेल बजट में 240 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। ऐसे ही गोमतीनगर से भोपाल के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस, कटरा व पुरी के लिए नई ट्रेन की सौगात यात्रियों को मिल सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से मंगलवार को पेश किए गए आम बजट में रेलवे के लिए कुल 2.62 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें सेफ्टी व मेंटेनेंस के मद में 1.08 लाख करोड़ दिए गए हैं। लखनऊ मंडल में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए आवंटित की गई रकम की जानकारी अगले सप्ताह पिंक बुक जारी होने पर मिलेगी।

आला अफसरों को उम्मीद है कि लखनऊ से कानपुर के बीच वंदे मेट्रो चलाने का खाका तैयार कर लिया गया है। इसके लिए रूट के स्टेशनों की इंटरलॉकिंग, ट्रैक मेंटेनेंस आदि पहले ही हो चुका है। रूट पर ट्रैक स्पीड भी

बढ़ाई जा रही है। कानपुर के लिए चलने वाली वंदे मेट्रो की स्पीड 130 से 160 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी। इससे कानपुर की दूरी महज 45 मिनट में पूरी कर ली जाएगी, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, गोमतीनगर से भोपाल के लिए वंदे भारत शुरू करने की भी तैयारी है। पुरी व कटरा के लिए ट्रेन शुरू करने का प्लान पहले से है।

चारबाग स्टेशन के अपग्रेडेशन को मिलेगी गति

उत्तर रेलवे के चारबाग स्टेशन के अपग्रेडेशन का काम कराया जा रहा है। सेकेंड एंट्री बन रही है। जल्द एयर कॉन्कोर्स का निर्माण शुरू किया जाएगा। अपग्रेडेशन के लिए 450 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। बजट में इसके लिए रकम मिलने से काम से तेजी आएगी। अमृत भारत स्टेशनों के विकास को भी गति मिलेगी।

फोरलेन आउटर बनेगा, घटेगी ट्रेनों की लेटलतीफी

चारबाग से दिलकुशा व आलमनगर की ओर फोरलेन आउटर बनाया जाना है। दिलकुशा आउटर के लिए काम शुरू हो चुका है। फोरलेन आउटर बन जाने से ट्रेनों को आउटर पर नहीं रोकना पड़ेगा। इससे इनकी लेटलतीफी घटेगी।

ट्रेनों की सेफ्टी व यात्रियों की सुरक्षा पर भी होगा खर्च

लखनऊ मंडल में ट्रेन हादसे रोकने के लिए सेफ्टी व यात्रियों की ट्रेनों में सुरक्षा पर खासा खर्च होगा। इसके लिए सौ करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं। इससे सीसीटीवी कैमरों से लेकर हैंड हेल्ड मशीनें, लगेज स्कैनर, इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम बनाया जाएगा।

महिला ने थाने में किया विषाक्त पदार्थ का सेवन

पटियाली , एजेंसी। सिकंदरपुर वैश्य थाने में एक महिला ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने महिला को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चंडीगढ़ के फिरोजपुर क्षेत्र निवासी महिला प्रीती की तीसरी शादी कादरगंज निवासी गोविंद के साथ हुई थी। महिला की पहचान कादरगंज निवासी एक किशोर से हो गई। वह उसको एक माह पहले बहला-फुसलाकर ले गया। तीन दिन पहले किशोर व महिला वापस लौट आए। इसके बाद किशोर ने उसे रखने से इन्कार कर दिया। इसके बाद महिला थाने पहुंच गई। महिला ने थाने में ही विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी हालत खराब हो गई। महिला के विषाक्त खाने की जानकारी मिलने पर पुलिस में खलबली मच गई। पुलिस उसे स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। महिला ने पुलिस को किशोर के खिलाफ तहरीर दी।

मलयामल सीरीज में नजर आएंगी नीना गुप्ता

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री नीना गुप्ता अपनी अदाकारी के चलते अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। बेशक वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं। नीना गुप्ता बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। उन्होंने सिनेमा के पर्दे पर अपनी भूमिकाओं से दर्शकों के दिल को छुआ है। साल 1982 में अपनी पहली फिल्म आधारशिला से लेकर 1994 में वो छोकरी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने तक, नब्बे के दशक के टीवी सीरीज 'सांस' के साथ एक अभिनेत्री और निर्देशक के रूप में उन्होंने हमेशा दर्शकों का मनोरंजन किया है। बीच में कुछ सालों फिल्मी दुनिया से दूर रहने के बाद नीना ने साल 2018 में कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बधाई हो' में एक मध्यम आयु वर्ग की गर्भवती महिला की भूमिका निभाकर अपने करियर को फिर से पटरी पर ला दिया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स) का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। अपनी दूसरी पारी शुरू करने के बाद वह काफी व्यस्त रहीं। अब अभिनेत्री ने अपनी नई परियोजना को लेकर खुलासा किया है।

'पंचायत' सीरीज के लिए मिली सराहना

अपनी दूसरी पारी में नीना गुप्ता को सबसे अधिक सराहना पंचायत सीजन 3 के लिए मिली। एक ग्रामीण प्रधान महिला की सशक्त भूमिका में उन्हें खूब पसंद किया गया। दर्शकों ने उनके किरदार से अलग तरह का जुड़ाव महसूस किया। दिलचस्प बात ये है कि अब अभिनेत्री के पास कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं, जो जल्द ही रिलीज होंगे। मलयालम सीरीज में दिखेंगी नीना एएनआई से बातचीत में नीना गुप्ता ने खुलासा किया कि उनकी आने वाली परियोजनाओं में से एक मलयालम सीरीज भी है। उन्होंने संभावित शीर्षक वाली फिल्म मेड इन इंडिया में रकुल प्रीत सिंह के साथ काम करने के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा मैंने एक मलयालम सीरीज की है जो बहुत जल्द डिज्नी+ हॉटस्टार पर आएगी। साथ ही, मैंने रकुल प्रीत सिंह के साथ एक फिल्म की है। अब तक, फिल्म का नाम मेड इन इंडिया है, लेकिन इसे बदला जा सकता है। मैं फिल्म बा का भी हिस्सा हूं।'

मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बेहद महत्वपूर्ण

अपने करियर पर बात करते हुए एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की ओर काम कर रही है। काव्या - एक जज्बा, एक जुनून में मुख्य भूमिका निभाने वाली सुम्बुल ने बताया कि मैं हर अनुभव से सीखने और अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूं। आजकल मैं अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अपने काम में भी सुधार लाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा कि ये कौशल मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं और चुनौतियों के लिए लचीला बने रहने में मदद करते हैं। एक्ट्रेस को लगता है कि मनोरंजन उद्योग में सामाजिक होना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे नए कनेक्शन और संपर्क बनाने में मदद मिलती है। सुम्बुल ने बताया कि मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें नए अवसरों और सीखने की ओर ले जाते हैं। मुझे लगता है कि यह केवल संपर्क बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि रिश्तों को स्वीकार करने के बारे में भी है। एक्ट्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि मनोरंजन उद्योग में तालमेल बैठाना बेहद ही आवश्यक है क्योंकि यहां चीजें तेजी से बदलती हैं। उन्होंने कहा कि मैं नए विचारों के साथ खुला रहना चाहती हूं, लगातार अपने कौशल में सुधार करना चाहती हूं और अलग-अलग भूमिकाएं और चुनौतियां लेना चाहती हूं। मुझे पता है कि असफलताएं यात्रा का हिस्सा हैं, लेकिन मैं उन्हें सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों के रूप में देखती हूं। मुझे लगता है कि मजबूत बने रहने और अपने लक्ष्यों और विश्वासों को ध्यान में रखते हुए मैं और भी मजबूती से वापसी कर सकती हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि प्रासंगिक बने रहना कठिन हो सकता है। इसलिए मैं हमेशा सुर्खियों में बने रहने के दबाव के बजाय अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं अच्छा काम और सार्थक प्रोजेक्ट लेकर अपने लिए एक स्थायी करियर बनाना चाहती हूं। अंत में मुझे लगता है कि यह सब वास्तविक होने, महत्वाकांक्षी बने रहने और अपने काम को बोलने देने के बारे में है।

अभिनय में ही नहीं सिंगिंग में भी इन हसीनाओं का जवाब नहीं, सुरों का चलाया है जादू

बॉलीवुड इंडस्ट्री बहुमुखी प्रतिभाओं से भरी पड़ी है। अभिनेता और अभिनेत्रियों के पास अभिनय के अलावा भी कई तरह के टैलेंट हैं। उनमें से एक है गायन। कई अभिनेता हैं जो बेहतरीन गायक भी हैं। इसी तरह कई अभिनेत्रियां हैं जो बहुत ही अच्छा गाना गाती हैं। आज हम ऐसी ही अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे, जो अच्छे अभिनय के साथ-साथ बेहतरीन गाना भी गा लेती हैं। इस लिस्ट में कई मशहूर और बेहतरीन अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं।

सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा ने अपना सिंगिंग डेब्यू मीत ब्रदर्स के गाने 'आज मूड इश्कहोलिक है' से किया है। इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा ने फिल्म 'तेवर' में भी एक गाना गाया था।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री हैं। वह ना सिर्फ अभिनय में बल्कि फैशन सेंस और सिंगिंग में भी अव्वल हैं। वह एक सुरीली आवाज की मालकिन हैं। उन्होंने फिल्म हाईवे में 'साहा' गीत गाया है।

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर अपनी मासूमियत भरी खूबसूरती और अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह हर तरह के रोल में फिट बैठ जाती हैं। श्रद्धा कपूर ने अपनी दो फिल्मों में गाना भी गाया है। उन्होंने 'आशिकी 2' और 'एक विलेन' जैसी फिल्मों में गीत गाए हैं।

श्रुति हासन

दिग्गज अभिनेता कमल हासन की बेटी और अभिनेत्री श्रुति हासन भी कमाल का गाना गाती हैं। श्रुति ने कई फिल्मों में गाने गाए हैं जो काफी हिट भी हुए हैं। श्रुति अक्सर स्टेज पर शो भी करती रहती हैं।

रोस्ट शो में शामिल होने को कुशा ने बताया नौसिखिया गलती

कुशा कपिला एक अभिनेत्री और जानी मानी कंटेंट क्रिएटर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग तरह के वीडियो पोस्ट करती हैं, जिस पर उनके फैंस काफी प्रतिक्रियाएं भी देते हैं। बीते दिनों वह काफी चर्चा का विषय बन गई थीं, जब यूट्यूब पर उनका एक रोस्ट वीडियो जारी हुआ था। हाल में ही वह एक रोस्ट शो में गई थीं, जिसमें कई कॉमेडियन्स ने उनके ऊपर जोक्स बनाए थे, जो ज्यादातर उनके पूर्व पति जोरावर सिंह अहलूवालिया से हुए उनके तलाक पर आधारित थे। इसके बाद से ही वह विवादों में घिर गई थीं। इस वीडियो के बाहर आते ही कुशा लगातार ट्रोल होने लगी थीं। इस दौरान उनकी कई महिला और समलैंगिक फैंस ने भी इस शो में उनकी भागीदारी को लेकर आलोचना की। अब इन आलोचनाओं के जवाब में अभिनेत्री ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उन्हें लेकर बोले गए जोक्स काफी अमानवीय थे और उनके साथ पहले साझा नहीं किए गए थे। हाल में ही हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक बयान में उन्होंने कहा है कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि शो में इस तरह के जोक्स होंगे। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें पहले स्क्रिप्ट का अनुरोध करना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि इसमें उनके दोस्त शामिल थै। अभिनेत्री ने इसे नौसिखिया गलती करार देते हुए कहा कि उन्हें स्क्रिप्ट पहले मांग लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सामने बैठी ऑडियंस और तकनीशियन के सामने उन्होंने ये कठोर जोक्स बर्दाश्त किए, लेकिन लाखों लोगों तक इसके पहुंचने के विचार से वह असहज थीं। उन्होंने कहा कि कुछ जोक्स तो बेहद अमानवीय और चौंकाने वाले थे। अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्होंने इसे प्रसारित होने से रोका होता, तो उन्हें कायर कहा जाता और ट्रोल किया जाता। सोशल मीडिया पर उन्हें ऐसे जोक्स की हकदार बताया गया। इस पर अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि एक तलाकशुदा महिला के रूप में उन्हें पहले ही इसका अनुमान लगा लेना चाहिए था।

आभास हो गया था कि किल के बाद अभिनय के दरवाजे खुल जाएंगे

राघव जुयाल टीवी जगत के नामी चेहरा रहे हैं, जो कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। टीवी पर वह कई शोज मे डांसिंग और मेजबानी करते नजर आए हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल के लिए चर्चा में हैं। इस फिल्म में वो अपने अब तक अपने सबसे अलग किरदार में नजर आए हैं। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद भी आ रही है। अब राघव ने कहा है कि उन्हें पहले से पता था कि किल के बाद उनके लिए अभिनय के दरवाजे खुल जाएंगे।

किल में अपने किरदार पर बोले राघव जुयाल

भारत की अब तक की सबसे हिंसक फिल्म बताई जा रही इस फिल्म किल ने तीसरे हफ्ते में भी सिनेमाघरों में धूम मचाई हुई है। इसमें लक्ष्य और तान्या मानिकतला भी हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। अभिनेता ने साक्षात्कार में बताया, ऑडिशन देते समय मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार इस इंडस्ट्री में एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए दरवाजे खोलने वाला है और ऐसा हुआ भी। सभी को यह पसंद आया और मुझे काफी अच्छी समीक्षाएं मिलीं। किल आर्मी कमांडो अमृत की कहानी है, जो उस ट्रेन में चढ़ता है, जिसमें उसकी गर्लफ्रेंड और उसका परिवार भी यात्रा कर रहा होता है। हालांकि, चीजें तब गड़बड़ हो जाती हैं जब फानी और उसका गिरोह ट्रेन में घुस जाता है और यात्रियों को बेरहमी से मारना शुरू कर देता है। दर्शकों को फौजी के किरदार में लक्ष्य और विलेन के रूप में राघव का अभिनय काफी पसंद आ रहा है। कुछ दर्शकों ने सोशल मीडिया पर फिल्म के अगले भाग की मांग करनी भी शुरू कर दी है। दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आ रही है।

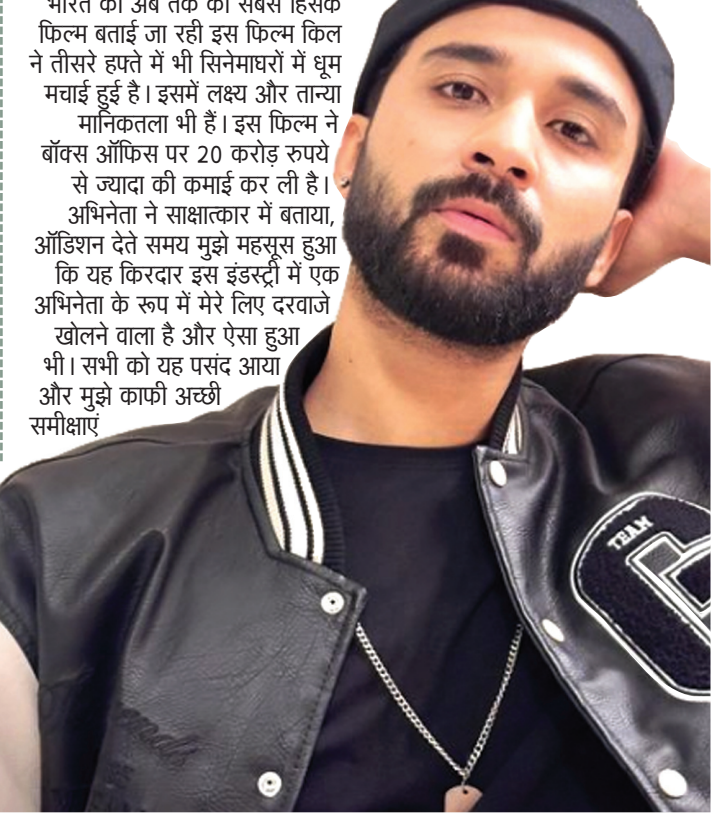

रायन की रिलीज से पहले धनुष की नई फिल्म की घोषणा!

बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में अपने अभिनय से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता धनुष रायन की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रायन की रिलीज से पहले धनुष की एक और आगामी फिल्म की घोषणा हो चुकी है, जिसने प्रंशसकों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। इस बात का खुलासा साउथ के प्रसिद्ध अभिनेता प्रकाश राज ने एक समारोह के दौरान किया। धनुष के निर्देशन में बनी फिल्म रायन का ट्रेलर मंगलवार 16 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में उनके अलावा संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली मुख्य भूमिकाओं में हैं। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुके अभिनेता धनुष की निर्देशन और अभिनित फिल्म रायन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में काफी सस्पेंस-थ्रिलर के साथ धमाकेदार एक्शन भी देखने को मिला। धनुष की यह फिल्म 26 जुलाई को सिनेमाघरों में तीन भाषाओं में रिलीज होगी। रायन को तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2017 की फिल्म पा पांडी के बाद रयान धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है और बतौर अभिनेता यह उनकी 50वीं फिल्म है। धनुष अपनी आगामी पैन-इंडियन एक्शन ड्रामा, रायन के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें तेलुगु अभिनेता संदीप किशन महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। हैदराबाद में कल रात रायन के लिए तेलुगु प्री-रिलीज इवेंट हुआ, जिसमें धनुष कई कलाकारों और क्रू सदस्यों के साथ शामिल हुए। इस इवेंट के दौरान, प्रकाश राज ने खुलासा किया कि धनुष खुद और नित्या मेनन को मुख्य भूमिका में लेकर एक नई फिल्म का निर्देशन करने का प्लान बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो धनुष की आगामी फिल्म में नित्या मेनन और प्रकाश राज लीड रोल में नजर आएंगे। पिछली बार तीनों स्टार्स ने थिरुचित्रम्बलम में साथ काम किया था।

अक्षय कुमार ने फिल्म खेल खेल में का प्रमोशन किया शुरू

खेल खेल में इस साल 15 अगस्त को रिलीज होगी। इसकी घोषणा अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा कर दी है और साथ ही लिखा, यारों वाला खेल, यारी वाली पिक्चर, बैंड बाजे के माहौल में, बैंड बजाने वाली पिक्चर।

अक्षय के अलावा फिल्म की पूरा स्टारकास्ट ने फिल्म खेल खेल में की एक छोटी वीडियो क्लिप सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की है। निर्देशन मुदस्सर अजीज की फिल्म में अक्षय और तापसी के अलावा फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे हालांकि, फिल्म का प्रमोशन एक दिन पहले ही शुरू होना था लेकिन भूषण कुमार की चचेरी बहन तिशा कुमार के अंतिम संस्कार की वजह से इसे टाल दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले इस फिल्म को सितंबर में रिलीज किया जा रहा था, लेकिन अब इसे स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जा रहा है।

ट्रैवलिंग में बनाएं करियर, मिलेगा देश-दुनिया भर में घूमने का मौका

अगर आपको घूमने का शौक है और इसी फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री से रिलेटेड कुछ कोर्स कर सकते हैं।

एक समय था कि सब को डॉक्टर और इंजीनियर फील्ड में ही जाना पसंद होता था,लेकिन अब दौर बदल चुका है। दरअसल, अब वो स्टीरियोटाइप का दौर लगभग खत्म हो गया है, जहां बच्चों के करियर के लिए उसके पेरेंट्स ही निर्णय लेते थे। आजकल ऐसा नहीं रह गया है। अब बच्चे अपनी पसंद के हिसाब से करियर को चुनते हैं। ऐसे में, आज हम बात कर रहे है कि ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। अगर आप घूमने का शौक रखते हैं, तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं ट्रैवलिंग से जुड़े कोर्सेज के बारे में, जिन्हें आप कर सकते हैं।

ट्रैवल से जुड़े कोर्स क्या-क्या हैं

आप किसी भी विषय में 12वीं पास करने के बाद बीए इन टूरिज्म मैनेजमेंट, बीबीए इन ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, बीएससी इन हॉस्पिटैलटी एंड ट्रेवल मैनेजमेंट जैसे कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा, आप टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में पीजीडीएस भी कर सकते हैं। इतनी ही नहीं, आप टूरिज्म में एमबीए कर सकते हैं।

ट्रैवल संबंधित कोर्स के लिए कॉलेज

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट, ग्वालियर
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टूट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, हैदराबाद
- केरल इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल स्टडीज, तिरुवनंतपुरम
- सेंटर फॉर टूरिज्म स्टडीज, पुडुचेरी
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट, थाणे

कोर्स के बाद कैसा होगा करियर

जब आपका टूरिज्म कोर्स हो जाए तो आप किसी भी अच्छी कंपनी से इंटर्नशिप करके जॉब के लिए अप्लाई कर सकती हैं। इनमें, ट्रेवल एजेंट, टूर गाइड, टूरिज्म मैनेजर, ट्रेलव एडमिनिस्ट्रेशन, टूरिज्म ऑफिसर, ट्रेवल स्पेशलिस्ट, हॉलिडे एडवाइजर, ट्रेवल कंसल्टेंट, कस्टमर सर्विस मैनेजर आदि शामिल हैं। मार्केट में कई ऐसी कंपनियां हैं, जो टूर पैकेज प्लान करती है। इस फील्ड मे आपके शुरुआती सैलरी के तौर पर 15 से 20 हजार रुपये तक मिल सकते हैं। वर्क एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी के साथ पोस्ट भी बढ़ेंगे, जिससे आप आगे चलकर लाखों में कमा सकते हैं।

एअर इंडिया के एयर होस्टेस की सैलरी कितनी होती है, जानें फिजिकल क्राइटेरिया

ज्यादातर लड़कियों का सपना होता है कि एयर होस्टेस बनने का होता है। अगर आप एयर होस्टेस बनने का ड्रीम देखते हैं तो जान लीजिए पूरी डिटेल्स। एअर इंडिया में अगर आप भी एयर होस्टेस की नौकरी करना चाहते हैं, तो जान लें सैलरी।

हर लड़की का सपना होता है कि वह एयर होस्टेस बने। अगर आप भी एयर होस्टेस बनना चाहते हैं तो जान लीजिए इसकी शैक्षिणक योग्यता और कितनी सैलरी होती है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि एअर इंडिया के फ्रेशर एयर होस्टेस की सैलरी कितनी होती है।

शानदार जॉब

इंडिया में सबसे ज्यादा एयर होस्टेस का कोर्स पसंद किया जाता है। अधिकतर लड़कियों का सपना होता है फ्लाइट अटेंडेंट बनने का, अगर आप यह कोर्स करना चाहती है तो जान लीजिए इससे संबंधित जानकारी। एयर होस्टेस करियर के साथ सैलरी के लिहाज से भी शानदार जॉब है।

कितनी होती है एयर होस्टेस की सैलरी

आमतौर पर लड़कियों का सवाल होता है कि एअर इंडिया के एयर होस्टेस को कितनी सैलरी मिलती है और क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है। अगर आपको नहीं पता है कि एअर इंडिया के एयर होस्टेस की सैलरी कितनी होती है तो चलिए आपको बताते हैं।

फ्रेशर को मिलते हैं इतने रुपये

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक एयर होस्टेस की सैलरी प्रतिमाह 40000 से 50000 रुपये होती है। लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। वहीं, फ्लाइट अटेंडेंट की क्वालिफिकेशन की बात करें तो अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एविएशन मी ग्रेजुएट होना चाहिए।

फिजिकल क्राइटेरिया

एयर होस्टेस के लिए डिग्री से ज्यादा अभ्यर्थी की कद काठी मायने रखता है। कैंडिडेट की लंबाई कम से कम 5 फीट 2 इंच होनी चाहिए। इसके साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 17 वर्ष और अधिकतम वायु 26 साल होनी चाहिए। वहीं एयर होस्टेस के फिटनेस टेस्ट में आंखों की रोशनी भी चेक की जाती है। कमजोर आई साइट वाले यहां योग्य नहीं माने जाते हैं।

एसईओ एक्सपर्ट बनकर कमाएं लाखों रुपये

एसईओ एक्सपर्ट बनकर युवा कमा रहे हैं लाखों रुपये। इस करियर में कमाई के ढेरों अवसर मिलेंगे। 2030 तक 20 लाख युवाओं की होगी जरुरत। चलिए आपको बताते हैं एसईओ क्या है और कैसे बनेगा इसमें करियर।

डिजिटल युग में आज यूथ के लिए कमाई के ढेरों अवसर मौजूद हैं। इन्हीं में सबसे पॉपुलर विकल्प है सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ)। यह आज के समय में सबसे ज्यादा डिमांड में है। 90 प्रतिशत होटल्स की बुकिंग एसईओ के कारण ऑनलाइन हो रही है। वहीं, सर्च इंजन पर कोई उत्पाद सर्च कर रहे 51 प्रतिशत एसईओ की वजह से ई-कॉमर्स साइट पर जाते हैं। दरअसल, जब आप ऑनलाइन ऑडर और फिर दवाइयों के लिए हर बार गूगल सर्च इंजन पर पहले पेज पर आने वाली कंपनियों को ज्यादा अटेंशन मिलची है। रिचर्स के अनुसार, कंपनियां मार्केटिंग के बजट में से 26 प्रतिशत रकम एसईओ पर खर्च कर रही हैं। 2030 तक एसईओ 1600 करोड़ की हो जाएगी और इसमें 20 लाख से अधिक युवाओं की जरुरत होगी।

एसईओ एक्सपर्ट बनने की पात्रता

10 वीं पास युवा एसईओ का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

क्या होती है फीस

आमतौर पर एसईओ के एडवांस पाठ्यक्रम चलाने वाले संस्थान एडवांस कोर्स के लिए 50 हजार रुपये तक चार्ज करते हैं। इससे भी कम रुपये में भी कई संस्थान प्रशिक्षण ले सकते हैं।

नौकरी में अवसर

गौरतलब है कि ऑन पेज, ऑफ पेज और टेक्निकल एसईओ ज्यादा प्रचलित हैं। लेकिन आज के समय मे प्रोडक्ट पेज एसईओ, कंटेंट एसईओ और वॉइस सर्च एसईओ भी पॉपुलर हो गए हैं। इन सभी में एक्सपर्ट युवाओं को बड़ी आसानी से किसी भी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय कंपनी में फुल टाइम काम मिल जाता है।

क्या सैलरी होती है?

- एसईओ विशेषज्ञ - 25 हजार
- कंटेंट स्ट्रेटिजिस्ट - 50 हजार
- टेक्निकल एसईओ मैनेजर - 60 हजार
- लिंक बिल्डिंग विशेषज्ञ- 18 हजार
- लोकल एसईओ विशेषज्ञ- 40 हजार
- ई कॉमर्स एसईओ मैनेजर - 80 हजार
- एसईओ कंसल्टेंट- 40 हजार
- एसईओ डेटा एनिलस्ट - 30 हजार
- एसईओ ट्रेनर- 35 हजार
- एसईओ मैनेजर - 60 हजार

भोजन व अन्य प्रॉडक्ट्स के लिए फ्लेवर डेवलप करता है फूड फ्लेवरिस्ट

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

किसी भी फूड आइटम को खाने से पहले एक बात जो सबसे पहले दिमाग में आती है वो है कि उस चीज का स्वाद कैसा होगा। यकीनन भोजन के दौरान पोषण का ख्याल रखा जाता है, लेकिन किसी भी फूड आइटम के न्यूट्रिशन वैल्यू से भी ज्यादा जरूरी होता है उसका टेस्ट। अगर हेल्दी चीज का टेस्ट अच्छा ना हो तो लोग उससे दूरी बनाते हैं। वहीं टेस्टी आइटम की तरफ बच्चों से लेकर बड़ों तक का झुकाव देखा जाता है। वैसे तो कई तरह के फूड आइटम का अपना एक नेचुरल टेस्ट होता है। लेकिन कुछ चीजों में टेस्ट डेवलप किया जाता है और इसे डेवलप करने का काम करते हैं फूड फ्लेवरिस्ट। तो चलिए जानते हैं इस अनोखे कॅरियर के बारे में

क्या होता है काम

फूड फ्लेवरिस्ट का मुख्य काम भोजन व अन्य प्रॉडक्ट्स के लिए फ्लेवर को डेवलप करना होता है। एक व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन खाए जाने वाले आहार में एक बड़ा हिस्सा कृत्रिम स्वाद का भी होता है। जो इन्हीं पेशेवरों द्वारा विकसित किए जाते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट आलू के चिप्स लेकर आईसक्रीम तक में फ्लेवर को डेवलप करने का काम करते हैं।

इस पेशे का सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू यह है कि न केवल स्वाद बढ़ाने के लिए एक स्वादवादी सामग्री और रसायनों का उपयोग भोजन को स्वादिष्ट बनाना चाहिए, बल्कि इसे भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को भी पूरा करना चाहिए। साथ ही यह मानव उपभोग के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इसलिए एक फूड फ्लेवरिस्ट तरह-तरह के स्वाद डेवलप करने के दौरान कई तरह की सावधानियां बरतते हैं।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इस क्षेत्र में भविष्य देख रहे छात्रों में टेस्ट व स्मेल के सेंस की गहरी भावना होनी सबसे जरूरी है। साथ ही उनमें नई महक व टेस्ट को अनुभव करने की उत्सुकता होनी चाहिए। फ्लेवरिस्ट को एक टीम में रचनात्मक, सहज, प्रेरित, समर्पित और काम करने में सक्षम होना चाहिए। धैर्य और प्रयोग करने की इच्छा भी महत्वपूर्ण है। डेटाबेस, स्प्रेडशीट, सॉफ्टवेर्यस आदि को संभालने के लिए किसी के पास कंप्यूटर कौशल होना चाहिए। उन्हें भोजन की संरचना की सामान्य समझ भी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आपको बीएससी या एमएससी इन केमिस्ट्री या बायोकेमिस्ट्री होना चाहिए। इसके अलावा फूड टेक्नोलॉजी की बेसिक जानकारी आपको अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्र रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं और फिर फूड साइंस में मास्टर्स कर सकते हैं।

संभावनाएं

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वे उत्पादों के लिए विशिष्ट जायके का उत्पादन करने में मदद करने के लिए एक कंपनी को परामर्श सेवाएं भी प्रदान कर सकते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट के लिए अवसर सिर्फ फूड इंडस्टी तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान में, टूथपेस्ट, पेय पदार्थ, दवाएं, डिशवाशिंग तरल पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन आदि जैसी वस्तुओं के उत्पादन में भी इनकी जरूरत महसूस की जाती है। इसलिए फ्लेवरिस्ट के पास उन कंपनियों में भी काम के अवसर मौजूद हैं जो त्वचा की क्रीम, सौंदर्य प्रसाधन, हेयर केयर प्रॉडक्ट आदि का निर्माण करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर,हादसे में छह की मौत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के करीमगंज जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में डेढ़ साल के एक बच्चे सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नीलाम बाजार इलाके में दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने बताया, कार और ऑटो रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। उनके अलावा, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों में से पांच की पहचान जाहेदा बेगम, बेदाना बेगम, हसीना बेगम, गुलजार हुसैन और रूहुल आलम के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में से पांच एक ही परिवार के सदस्य थे, जबकि रूहुल आलम ऑटो रिक्शा चला रहा था, जिसे विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। कार का चालक और सह-यात्री भी घायल हो गए। घायल यात्रियों को अस्पताल भेजा गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

रुड़की में कांवड़ियों का बवाल, टच होने पर ड्राइवर को पीटा, ई-रिक्शा तोड़ डाला

रुड़की, एजेंसी। मुजफ्फरनगर के बाद उत्तराखंड के रुड़की से कांवड़ियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ कांवड़िए हाथ में डंडा लिए ई-रिक्शा को तोड़ते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने ई-रिक्शा ड्राइवर की भी बुरी तरह पिटाई की। उसके सिर में धारदार हथियार से वार किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने उसके ई रिक्शा में तोड़फोड़ कर दी। पीड़ित का कसूर इतना था कि उसका ई-रिक्शा एक कांवड़ यात्री से टच हो गया था। घायल को उपचार के लिए पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंगलौर में भर्ती कराया जहां से उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है।

मूल रूप से ताल्हेडी बुजुर्ग थाना देवबंद जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश का रहने वाला संजय काफी समय से ग्राम लिब्बाहेरेड़ी में अपने भाई के साथ किराए के मकान में रहते हुए ई रिक्शा चलाता है, जिससे वह अपना वह अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा है। मंगलवार की शाम को जब वह मंगलौर से मंडावली के लिए सवारी लेकर जा रहा था तब ग्राम लिब्बरहेड़ी के पास किसी कांवड़ यात्री से उसकी ई रिक्शा का पिछला हिस्सा लग गया। गुस्साए कांवड़ यात्रियों ने संजय की पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि संजय के सिर पर किसी धारदार हथियार से प्रहार किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुआ है। कावड़ियों ने उसकी ई रिक्शा में तोड़फोड़ भी कर डाली, जिससे उसकी ई-रिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को मंगलौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। घटना को अंजाम देने वाली कांवड़ियों के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस का कहना है कि हाईवे पर सक्रियता बढ़ा दी गई है। घायल को उपचार,साथ ही अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव - त्रिपुरा में भाजपा ने बिना चुनाव लड़े लहराया परचम

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ दल भाजपा ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बिना लड़े ही जीत हासिल कर ली है। मंगलवार को चुनाव अधिकारी ने जानकारी दी कि भाजपा प्रत्याशियों ने राज्य की 71 फीसदी सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर ली है। पंचायत प्रणाली में कुल 6889 सीट हैं, जिनमें ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद शामिल हैं और भाजपा को 4805 सीट पर निर्विरोध जीत हासिल हुई है। मतदान 8 अगस्त को होना है। त्रिपुरा में राज्य चुनाव आयोग के सचिव असित कुमार दास ने बताया कि ग्राम पंचायतों में भाजपा को कुल 6,370 सीट में से 4,550 पर निर्विरोध जीत हासिल हुई है। इस वजह से 71 प्रतिशत सीट पर मतदान नहीं होगा। उन्होंने आगे बताया कि जिन 1,819 ग्राम पंचायत सीट पर मतदान होगा उनमें से भाजपा ने 1,809 पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि माकपा ने 1,222 पर और कांग्रेस ने 731 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा ने 138 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। इस्त कुमार ने कहा कि पश्चिमी त्रिपुरा जिले के महेशखला पंचायत की एक सीट पर अभी चुनाव नहीं होगा। इस सीट से भाजपा उम्मीदवार की मृत्यु हो गई थी।

पुलिसवालों को वीरता अवॉर्ड मामला, केंद्र ने हरियाणा से मांगी किसानों पर गोलीबारी की रिपोर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार की तरफ से वीरता पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किए गए चार पुलिस अधिकारी केंद्रीय गृहमंत्रालय की जांच के दायरे में आते नजर आ रहे हैं। खबर है कि मंत्रालय ने हरियाणा सरकार ससे 2 आईपीएस और हरियाणा पुलिस के 2 अधिकारियों की तरफ से किसानों पर की गई गोलीबारी की जानकारी मांगी है। खास बात है कि पंजाब विधानसभा स्पीकर की तरफ से एक पत्र भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा गया था, जिसमें इस फैसले पर विचार करने की मांग की गई थी। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर हरियाणा सरकार के उस हालिया फैसले पर आपत्ति जताई, जिसमें दिल्ली चलो अभियान के तहत किसानों को दिल्ली कूच करने से रोकने में भूमिका के लिए छह पुलिस अधिकारियों को वीरता पदक देने की सिफारिश की गई है। हरियाणा सरकार ने हाल में केंद्र को भेजी अपनी सिफारिश में वीरता पदक से सम्मानित करने के लिए छह पुलिस अधिकारियों के नाम दिये हैं, जिनमें से तीन आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) और तीन अन्य हरियाणा पुलिस सेवा से हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के बैनर तले किसानों को फरवरी में राष्ट्रीय राजधानी की ओर बढ़ने से रोक दिया गया था। मंगलवार को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में विधानसभा अध्यक्ष संधवान ने लिखा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसानों को बदनाम किया जा रहा है और उनके साथ बेहद अनुचित व्यवहार किया जा रहा है, जबकि वे लंबे समय से लंबित अपनी मांगों के लिए पंजाब में शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे हैं। किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए उन्होंने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक द्वारा उन छह पुलिस अधिकारियों को वीरता पदक देने की सिफारिश की कड़ी निंदा की, जिन्होंने शंभू बॉर्डर पर किसानों के मार्च को रोकने में भूमिका निभाई थी। एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की तरफ से दिल्ली चलो के ऐलान के बाद हरियाणा सरकार ने फरवरी में शंभू और खनौरी सीमा पर बैरिकेड्स लगा दिए थे।

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, 25 सड़कें बंद

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून अपने पूरे शबाब पर है और पूरे प्रदेश में जोरदार बारिश का दौर लगातार जारी है। जिसके चलते फिलहाल प्रदेश की 25 सड़कें बंद कर दी गई हैं। इसके अलावा मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए यहां पर भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस दौरान यहां के निवासियों को सड़क, पानी और बिजली आपूर्ति में संभावित व्यवधान की चेतावनी के लिए भी तैयार रहने को कहा है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 24 घंटों में कांगड़ा, सिरमौर और शिमला जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बाढ़ का खतरा है। इसके अलावा विभाग ने पूरे राज्य में अलग-अलग जगहों पर अगले चार दिनों के लिए यानी 27 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है। इस दौरान इन जगहों पर तेज हवाएं चलने व निचले इलाकों में जलभराव के कारण पेड़-पौधों, खड़ी

फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे घरों को नुकसान हो सकता है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंडी जिले में 22 सड़कें, कांगड़ा में 2 और किन्नौर में 1 सड़क बंद है। इसके अलावा राज्य में 97 ट्रांसफार्मर और 13 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। केंद्र के अनुसार राज्य में अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं में 47 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 27 जून से चल रहे मानसून सीजन में राज्य को करीब 364 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले 24 घंटों में कांगड़ा जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, यहां 151.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद धर्मशाला में 146.6 मिमी, पालमपुर में 112.4 मिमी और नगरोटा सूरियां में 99.6 मिमी बारिश हुई। जोगिंदरनगर में 52 मिमी, गुलेर में 46.4 मिमी, सुंदरनगर में 44.7 मिमी, घरमूर में 35.2 मिमी और काहू में 33.5 मिमी बारिश हुई। लाहौल और स्पीति जिले का कुकुमसेरी रात में सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धर्मशाला में अधिकतम 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कांगड़ा में अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश की राजधानी शिमला में अगले 15 सितंबर तक साहसिक खेल गतिविधियों पर प्रतिबंध लागू रहेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी संजय भगवती ने मंगलवार को आदेश जारी करते हुए बताया कि बरसात के मौसम के दौरान जिला में रिवर राफ्टिंग, रिवर क्रॉसिंग, जिपलाइन, ट्रैकिंग और अन्य साहसिक खेल गतिविधियों पर 15 सितंबर, 2024 तक प्रतिबंध रहेगा।

दुर्गा पूजा के लिए ममता सरकार दिल खोलकर करेगी दान, 85000 का ऐलान; अगले साल 1 लाख का वादा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा आयोजित कराने वाली समिति और क्लबों के लिए सहायता राशि बढ़ा दी है। सरकार ने मंगलवार को ऐलान किया कि राज्य सरकार की तरफ से अनुदान राशि 70 हजार से बढ़ाकर 85 हजार कर दिया गया है। साथ ही ममता सरकार ने इस राशि को अगले साल 1 लाख रुपए करने का भी वादा किया। अकेले कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों में लगभग 3000 सामुदायिक क्लब हैं। जबकि, राज्य भर में हर साल करीब 40000 स्थानों पर दुर्गा पूजा आयोजित होती है। इस साल टीएमसी सरकार दुर्गा पूजा के लिए कम से कम 340 करोड़ रुपये दान करेगी। पश्चिम बंगाल में हर साल दुर्गा पूजा धूमधाम से आयोजित की जाती है। इस साल दुर्गा पूजा महोत्सव 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर के बीच किया जाना है। साल 2021 में यूनेस्को ने कोलकाता में दुर्गा पूजा को सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है। इस उपलब्धि के साथ ही राज्य के सबसे बड़े धार्मिक त्योहार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली थी।

सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को पूजा समितियों के अध्यक्ष और सरकारी अधिकारियों संग बैठक के दौरान कहा, पिछले साल तक हम प्रत्येक क्लब को 70,000 रुपये देते थे। इस साल हम राशि बढ़ाकर 85,000 रुपये कर रहे हैं। अगले वर्ष हम अनुदान बढ़ाकर एक लाख रुपये करेंगे। मैं इसकी पहले से घोषणा कर रही हूं। ममता बनर्जी ने

घोषणा की कि क्लबों को पहले की तरह सभी सरकारी शुल्कों पर पूरी छूट मिलती रहेगी और बिजली बिल पर सब्सिडी मौजूदा 66त्न से बढ़ाकर 75त्न कर दी जाएगी।

सुरक्षा उपायों में नाकाम क्लबों को ब्लैक लिस्ट में डालेंगे: टीएमसी के नेताओं ने कहा कि दुर्गा पूजा आयोजकों के लिए अनुदान बढ़ाने का निर्णय मंगलवार सुबह राज्य कैबिनेट बनर्जी की एक संक्षिप्त बैठक में लिया गया। पूजा आयोजकों को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने बंगाल के सबसे बड़े दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान सुरक्षा उपायों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, पुलिस और पूजा आयोजकों को प्रत्येक स्थल पर भीड़ के लिए कई प्रवेश और निकास बिंदु सुनिश्चित करने चाहिए। सभी जगह क्रिक रिस्पांस टीमें लगाई जाएं। कोई हंगामा नहीं होना चाहिए। यातायात रोकने या असुविधा पैदा करने के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले आयोजकों को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा।

केंद्रीय बजट पर भड़की ममता, कहा- हमे कुछ नहीं मिला: ममता बनर्जी ने आज संसद में पेश किए गए मोदी सरकार 3.0 के पहले पूर्ण बजट पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आज के बजट में हमें कुछ नहीं मिला। लेकिन हम हमेशा लोगों के साथ रहने की पूरी कोशिश करते हैं। एक गरीब सरकार इससे ज्यादा और क्या कर सकती है।

2018 में सहायता राशि 10 हजार थी: इससे पहले 2023 में, जब ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा के लिए आयोजन समितियों के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 70,000 रुपये किया था। तब भाजपा ने इसे चुनाव से पहले सार्वजनिक धन का दुरपयोग करार दिया था। बता दें कि साल 2018 में ममता बनर्जी सरकार ने दुर्गा पूजा के लिए वित्तीय सहायता शुरू की थी, तब यह राशि 10 हजार रुपए प्रति क्लब थी। साल 2022 में सहायता राशि बढ़ाकर 60,000 रुपये की गई थी।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अयोध्या की ट्रैफिक कंट्रोल व्यवस्था हुई अपग्रेड, ई-चालान शुरू

अयोध्या, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के पहले और उसके बाद लगातार चर्चा में बनी रामनगरी, अयोध्या में अब स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट पर काम शुरू हो गया है। शहर के चौराहों को न सिर्फ हाईटेक सीसीटीवी कैमरों से जोड़ा जा रहा है, बल्कि इन कैमरों के जरिए कंट्रोल रूम से निगरानी करते हुए ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने वालों का ऑनलाइन चालान भी किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अयोध्या की ट्रैफिक कंट्रोल व्यवस्था को अपग्रेड किया जा रहा है। इसके लिए अयोध्या के विभिन्न चौराहों पर एक हजार 324 ऐसे सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो वाहन पर लगी नंबर प्लेट की साफ तस्वीर ले सकें।

इन कैमरों को एक कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है, जहां लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं से चौराहों पर लगे अलॉटमेंट सिस्टम के जरिए लोगों को निर्देश दिए जाते हैं और ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने वालों का यहीं से ऑनलाइन चालान (ई-चालान) किया जाता है। ट्रैफिक विभाग 22 चौराहों पर इस तरह की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी में है, जिनमें से पुष्पराज चौराहा, रिकाबगंज चौराहा, गुदड़ी बाजार चौराहा समेत अन्य कुछ स्थानों पर इस पर अमल भी शुरू हो गया है। 200 से ज्यादा ई-चालान अब तक हो चुके हैं।

ट्रैफिक एसपी एपी सिंह ने बताया कि श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और वाहनों की संख्या में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सही ढंग से संचालित करने के लिए महत्वपूर्ण चौराहों और अन्य स्थानों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है। ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के जरिए यातायात नियम का पालन न करने वालों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई शुरू हो गई है।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ ने चलाया सर्च ऑपरेशन, 2 किलो हेरोइन मिली

अनूपगढ़, एजेंसी। राजस्थान के अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में बीएसएफ ने संदिग्धों की शिनाख्त के लिए चलाया सर्च ऑपरेशन चलाया। दो किलो हेरोइन मिली है। अनूपगढ़ जिले की नेमीचंद पोस्ट के पास में एक खेत में यह हेरोइन बरामद हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 करोड़ रुपए है। अनूपगढ़ एसपी रमेश मौर्य ने मीडया को बताया कि बीएसएफ को नेमीचंद पोस्ट के पास एक खेत में पीले रंग के प्लास्टिक के पैकेट में यह हेरोइन बरामद हुई है।

रावला पुलिस ने 8 दिन पहले एक तस्कर को गिरफ्तार किया था जो सीमा क्षेत्र में पाकिस्तान द्वारा भेजी गई हेरोइन की डिलीवरी लेने के लिए आया था। लेकिन उसे डिलीवरी लेने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अनूपगढ़ एसपी ने बताया कि इसके बाद दो अन्य संदिग्ध व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था। इन तीनों से पूछताछ जारी है. उन्होंने बताया कि आज बरामद की गई हेरोइन के तार इन्हीं तीनों व्यक्तियों से जुड़े हुए हैं। अनूपगढ़ एसपी रमेश मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आज शाम को बीएसएफ की इंटेलीजेंस ब्रांच के अधिकारी इलाके में सर्च अभियान में लगे हुए थे कि उन्हें एक खेत में यह हेरोइन बरामद हो गई। रावला पुलिस और बीएसएफ ने इलाके में संयुक्त रूप से नाकाबंदी की है। सर्च अभियान चलाया है ताकि इलाके में आने वाले अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान हो सके। उल्लेखनीय है कि श्रीगंगानगर और अनूपगढ़ जिले की पाकिस्तान से लगती सीमा में हेरोइन तस्करी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। पाकिस्तानी तस्करों की ओर से भारतीय सीमा में ड्रोन के माध्यम से हेरोइन की खेप फेंकी जाती है। जिसे लेने के लिए भारतीय तस्कर पहुंचते हैं। पिछले एक महीने में आधा दर्जन से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी है।

जयराम ठाकुर ने बजट को हिमाचल प्रदेश के लिए बताया खास

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट को हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए अहम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है। जयराम ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज के साथ पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के युवा वर्ग, गरीब परिवार, मध्यम वर्ग, किसानों सहित आमजन के हित के लिए बजट पेश किया। विशेष तौर पर हिमाचल में गत वर्ष प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई हेतु सहायता की दृष्टि से भी बजट में जिक्र किया गया है।

उन्होंने कहा, मैं इस बजट का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। निश्चित रूप से इस बजट में किए गए प्रावधानों से हिमाचल में भी विकास के रास्ते खुलेंगे। माननीय प्रधानमंत्री , केंद्रीय वित्त मंत्री एवं केंद्र सरकार

का हार्दिक आभार। उन्होंने वीडियो में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश किया गया। बजट के लिए मैं प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इसमें सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है, खासकर यूथ के लिए नौकरी पर फोकस करके मदद करने का रास्ता निकाला गया है। जिस तरह से 500 कंपनियों में एक करोड़ यूथ के लिए इंटर्नशिप कराई जाएगी, यह रोजगार के लिए बहुत बड़ी पहल है, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बजट के जरिए तीन करोड़ लोगों को घर देने की शुरुआत भी की है। गरीब कल्याण के लिए कोविड के दौर में जो योजना चलाई गई थी, कोई भूखा ना रहे, यह भी बजट में है। हिमाचल प्रदेश में गत वर्ष आपदा के चलते जो नुकसान हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्टर के नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र से अलग अलग मदों में मदद मिलेगी। इसके अलावा इंटरेस्ट फ्री लोन के लिए बहुत बड़ी राशि रखी गई है। जब इसका आवंटन होगा तो इससे हिमाचल प्रदेश को भी फायदा होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगभग 11 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिसका फायदा हिमाचल प्रदेश को भी होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को शुरू करने का फैसला लिया गया है। हम लोगों के लिए यह भी बहुत बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि बजट का फोकस किसानों, बागवानों पर है। यह सबके हित का बजट है। बजट के जरिए हिमाचल के लिए विकास के रास्ते खुलेंगे।

यूपी के विकास की मदद के लिए आगे आया मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट

दौसा, एजेंसी। राजस्थान के दौसा जिला स्थित मेहंदीपुर बालाजी की शरण में आए विकास को सांप ने 8 वीं बार डस लिया है। बता दें यूपी के फतेहपुर निवासी विकास द्विवेदी पर इन दिनों देशभर में चर्चा में है। दुश्मन बने सांप से छुटकारा पाने के लिए विकास पिछले 11 दिनों से राजस्थान के दौसा जिले में स्थित मेहंदीपुर बालाजी की शरण में है। लेकिन, सोमवार शाम उसे 8वीं बार सांप ने डस लिया। हालांकि, उसके परिजनों का दावा है कि सोमवार की शाम करीब साढ़े 7 बजे जब विकास को सांप ने काटा था तो उसे बालाजी महाराज की कृपा से कुछ नहीं हुआ। 8वीं बार सांप के काटने के बाद भी विकास पूरी तरह स्वस्थ है। विकास और उसके परिजनों का कहना है कि इस बार सांप को किसी ने भी आते-जाते नहीं देखा है। पीड़ित का दावा है कि सांप ने 9 बार काटने की चेतावनी दी। 9वीं बार कोई नहीं बचा पाएगा।

पीड़ित विकास ने बताया कि मेरे सर्प दंश से पीड़ित होने की बात जैसे ही बालाजी मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों को मिली। उन्होंने मेरी पूरी मदद की है। ऐसे में बालाजी महाराज की दोनों समय की आरती के समय वीआईपी गेट से बालाजी महाराज की प्रतिमा के सामने बैठने की अनुमति दी है। वहीं, बालाजी की जल और भबुती भी उपलब्ध करवाई है।

बालाजी मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों की ओर से मेरी हर संभव मदद की जा रही है।

बता दें सात बार सांप के काटने से परेशान पीड़ित विकास 13 जुलाई को दौसा के प्रसिद्ध आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी आया था। यहां उसने बालाजी महाराज के दर पर अर्जी लगाकर जिद्दी सांप से बचाने की प्रार्थना की। 14 जुलाई को विकास ने कहा था कि सपने में आया सांप उसे शनिवार यानी 20 जुलाई को आठवीं बार काटेगा। लेकिन, शनिवार को विकास को सांप ने नहीं काटा। ऐसे में विकास और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने इसे बालाजी महाराज की कृपा बताई।

पाकिस्तान से लौटी मूक-बधिर गीता फर्स्ट डिवीजन से पास, संस्कृत में विशेष उपलब्धि

इंदौर, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान से वर्ष 2015 में अपने देश भारत लौटीं गीता ने आठवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है। इसके बाद 33 साल की इस मूक-बधिर महिला ने सरकार से नौकरी की मांग की है।अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की आठवीं कक्षा की परीक्षा में गीता को 600 में से 411 अंक मिले हैं और उन्हें सामाजिक विज्ञान और संस्कृत में विशेष योग्यता भी हासिल हुई है।इंदौर की गैर सरकारी संस्था आनंद सर्विस सोसायटी पाकिस्तान से गीता की वापसी के बाद उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के जतन में जुटी है। संस्था के सचिव और सांकेतिक भाषा के जानकार ज्ञानेंद्र पुरोहित ने बुधवार को बताया, अपने परीक्षा परिणाम से गीता बेहद उत्साहित हैं और अपने भविष्य की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही हैं। पुरोहित के मुताबिक वीडियो कॉल पर इशारों की जुबान में बातचीत के दौरान गीता ने उन्हें बताया कि वह सरकारी नौकरी करने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ओलंपिक

पीवी सिंधु लगाएंगी मेडल्स की हैट्रिक !

● ओलंपिक में बैडमिंटन खिलाड़ियों से बड़ी उम्मीदें

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 शुरू होने में दो दिन से भी कम का समय बचा है. 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए 117 भारतीय एथलीटों ने क्वालीफाई कर लिया है. इनमें से सात खिलाड़ी भारतीय बैडमिंटन टीम में हैं, जिसमें 15 पदकों के लिए मुकाबला होगा. लगातार दो बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी पीवी सिंधु ने भी ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई किया है. इसके बाद से ही भारतीयों को बैडमिंटन में पदक की उम्मीद है.

इस बार भी पीवी सिंधु ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी. यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक होगा. उन्होंने 2016 के रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था, जबकि 2021 के टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने कांस्य पदक जीता था. महिला एकल स्पर्धा में वह ऑटोमेटिकली क्वालीफाई करने वाली टॉप 16 खिलाड़ियों में 12वें स्थान पर हैं.

लवलीना-निकहत की तैयारी के लिए कोच धर्मेंद्र ने किया त्याग

● नहीं हुए बेटे की शादी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। 1990 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने वाले धर्मेंद्र ने शादी में नहीं आने का फैसला लिया। वह मंगलवार को जर्मनी से टीम के साथ पेरिस के लिए रवाना हो गए। धर्मेंद्र शादी में थे नहीं, लेकिन उनकी पत्नी मीनू ने हर रस्म में वीडियो कॉल के जरिये उनकी मौजूदगी बनाए रखी है।

पेरिस ओलंपिक में देश के मुक्केबाजों को पदक दिलाने के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के कोच और अपने समय के नामी मुक्केबाज अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र यादव ने अपने बेटे की शादी छोड़ दी। बुलंदशहर के धर्मेंद्र के सामने बीते सप्ताह बड़ा धर्मसंकट खड़ा हो गया कि वह बेटे की शादी में शामिल हों या सारब्रुकेन (जर्मनी) में भारतीय मुक्केबाजी टीम की तैयारियां छोड़ दें। यह उलझन सिर्फ शादी तक सीमित नहीं थी।

देश के पहले पेशेवर बॉक्सर धर्मेंद्र की मां की तबियत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें आईसीयू में दाखिल कराना पड़ा था। मां के कहने पर ही पोते की शादी आनन-फानन में करनी पड़ रही थी। ओलंपिक से ठीक पहले धर्मेंद्र का तैयारियां छोड़ना ठीक नहीं था। उनकी पत्नी और बेटे ने कहा वह राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएं, बाकी सब वे संभाल लेंगे।

आईपीएल 2025 को लेकर 3 बड़े अपडेट

केएल राहुल एलएसजी से आरसीबी तो, रोहित-बुमराह और सूर्यकुमार छोड़ेंगे एमआई

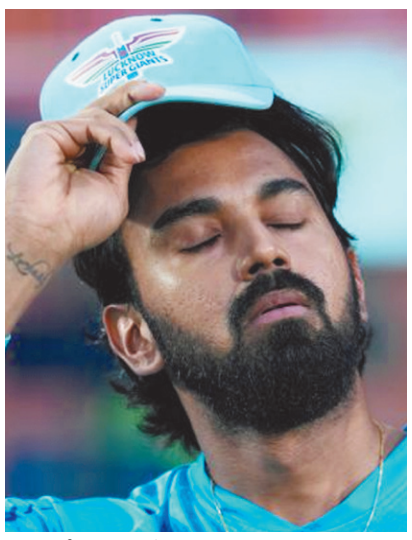

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का अगला सीजन बेहद रोमांचक होने वाला है. इस बार कई खिलाड़ी इधर-उधर होने जा रहे हैं. दरअसल, इस बार मेगा ऑक्शन होनी है. ऐसे में सभी टीमों को सिर्फ चार-चार खिलाड़ी रिटेन करने की अनुमति होगी, बाकी सभी खिलाड़ियों को रिलीज करना होगा. हालांकि, मेगा ऑक्शन से पहले भी कुछ खिलाड़ी इधर-उधर जा सकते हैं. नियम के हिसाब से टीमें ऑक्शन से पहले आपस में खिलाड़ियों को ट्रेड कर सकती हैं

इस बीच आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट के मुताबिक, केएल राहुल और ऋषभ पंत अपनी-अपनी टीम का साथ छोड़ सकते हैं. यानी राहुल लखनऊ सुपर जायंट्स से अलग होंगे और पंत दिल्ली कैपिटल्स का साथ छोड़ेंगे. खबर है कि केएल राहुल लखनऊ का साथ छोड़कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वापसी कर सकते हैं. राहुल पहले भी आरसीबी के लिए खेल चुके हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आगामी ऑक्शन से पहले मुंबई इंडियंस को भी बड़ा झटका लग सकता है. मुंबई के तीन मैच विनर खिलाड़ी टीम से अलग हो सकते हैं.

इसमें पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टी20 के नंबर वन बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टीम का साथ छोड़ सकते हैं.

गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ से जुड़ेंगे युवराज सिंह

आशीष नेहरा की छुट्टी संभव

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के प्रशंसकों में प्रबंधन में बदलाव हो सकता है क्योंकि मुख्य कोच आशीष नेहरा और क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी संभावित रूप से फ्रेंचाइजी को अलविदा बोल सकते हैं। नेहरा और सोलंकी 2022 में अपने पहले सीजन के बाद से फ्रैंचाइज़ी से जुड़े हुए हैं।

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 में पहली बार खेलते ही खिताब जीता था। आईपीएल 2023 सीजन में वह उपविजेता रहे। गुजरात से जब कप्तान हार्दिक पांड्या अलग हुए तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। लेकिन टीम आईपीएल 2024 में अपनी सफलता दोहरा नहीं सकी। बहरहाल, गुजरात टाइटंस की डूबती नैय्या को पार लगाने के लिए युवराज सिंह टीम के साथ जुड़ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गैरी कर्स्टन, जो फ्रेंचाइजी का मार्गदर्शन कर रहे थे, ने भी पाकिस्तान पुरुष टीम के लिए सफेद गेंद के कोच के रूप में शामिल किए जाने के बाद शिविर छोड़ दिया है। इसलिए कई बदलाव हो सकते हैं।

आशीष नेहरा और विक्रम सोलंकी के आगे बढ़ने की पूरी संभावना है। जिसके बाद युवराज सिंह को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। अभी कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ में कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं। बता दें कि हार्दिक को आईपीएल 2024 से पहले एक रिकॉर्ड डील में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ रखा था। जबकि गुजरात ने शुभमन गिल को कप्तान बनाया था। टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही और गिल के साथ नेहरा को नुकसान उठाना पड़ा। जीटी के कोचिंग सेट-अप के अन्य उल्लेखनीय सदस्य आशीष कपूर, नईम अमीन, नरेंद्र नेगी और मिथुन मन्हास हैं।

टी20 सीरीज शुरू होने से पहले ही श्रीलंका को झटका, प्रमुख तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा बाहर

कोलंबो ,एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से टी20 सीरीज होनी है। इसके लिए मंगलवार को ही श्रीलंका ने अपनी टीम घोषित की थी। अब एक दिन बाद ही श्रीलंकाई टीम को बड़ा झटका लग गया है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा भारत के खिलाफ टी20 के साथ ही वनडे सीरीज में भी हिस्सा नहीं लेंगे। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से होनी है।

श्रीलंका के एक प्रमुख पत्रकार के अनुसार तेज गेंदबाज को चोट लगी है और इसलिए वह सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) जल्द ही उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी की घोषणा करेगा।

ओलंपिक टीम में चुने जाने पर मैं रो पड़ा

हॉकी मिडफील्डर राज कुमार पाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर राजकुमार पाल 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय टीम के अहम सदस्य राज कुमार पहली बार तब चर्चा में आए थे, जब उन्हें 2018 में बेल्जियम में पांच देशों के अंडर-23 टूर्नामेंट के लिए चुना गया था। हॉकी खेलने वाले तीन भाइयों में सबसे छोटे राज कुमार का करमपुर की गलियों से हॉकी खेलने का सफर अपने आप में एक कहानी है। उनके बड़े भाई जोखन और राजू भी पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं और वह गर्व से कहते हैं कि हॉकी के अलावा उनके लिए कोई दूसरा खेल नहीं था।

राज कुमार 10 साल की उम्र में मेघबरन स्टेडियम में शामिल हुए, जहां कोच तेज बहादुर सिंह ने पाल भाइयों में से तीनों में रुचि दिखाई। 2012 में वह लखनऊ छात्रावास में शामिल हुए और ललित कुमार उपाध्याय की गति और शैली की ओर आकर्षित हुए जो जोखन के बैचमेट थे। उपाध्याय भी उनके करीबी दोस्त बन गए जब उन्हें पहली बार भारत शिविर में बुलाया गया।

ललित के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए राज कुमार ने कहा, मुझे हमेशा ललित भाई ने प्रोत्साहित किया जिन्होंने मुझे समझाया कि गलतियां करना ठीक है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन गलतियों से सीखना चाहिए और उन्हें फिर कभी नहीं दोहराना चाहिए। उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है। ज़्यादातर समय जब हम मैच खेलते थे, तो मैं उनसे पूछता था कि मैंने मैच में क्या गलतियां कीं और मैं खुद में कहां सुधार कर सकता हूं और वह हमेशा मुझे बहुत शांति से बताते थे। उच्च प्रदर्शन निदेशक डेविड जॉन ने 2018 में सीनियर नेशनल चैंपियनशिप के दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण हॉस्टल में उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें सीनियर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलाया। अब राज कुमार का ध्यान पेरिस ओलंपिक पर है और वह एक बार में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरा पूरा ध्यान पेरिस ओलंपिक पर है।

मुझे पता है कि यहां क्या दांव पर लगा है और किसी भी तरह की गलती करने की कोई गुंजाइश नहीं है। मैं किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा हूं और एक बार में एक खेल पर ध्यान देने की योजना बना रहा हूं। अब तक 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले राजकुमार ने कहा, ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए एक सपना रहा है। मैं इस अवसर का लंबे समय से इंतजार कर रहा था और अब जब मैं यहां हूं, तो यह अवास्तविक लगता है।

जब मुझे ओलंपिक-बाउंड टीम में अपने चयन की खबर मिली, तो मैं उन सभी परिस्थितियों को याद करके रो पड़ा, जिनसे मैं गुजरा हूं और मुझे अपने पिता की याद आई। जब मैंने घर पर फोन किया, तो मुझे पता चला कि मेरी मां रो रही थीं, लेकिन वे खुशी के आंसू थे। मेरे परिवार ने बहुत त्याग किया है और अब समय आ गया है कि मैं उन्हें स्वर्ण पदक से इसका बदला दूं। भारत अपने पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को करेगा, जब वे अपने पहले पूल बी मैच में न्यूज़ीलैंड से भिड़ेंगे।

भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार यादव का वीडियो लीक

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज का आगाज 27 जुलाई से पल्लेकेल में होगा. टीम की कमान सूर्यकुमार यादव हाथों में होगी. नए कोच गौतम गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है.

इस बीच भारतीय खिलाड़ियों ने 23 जुलाई को नेट प्रैक्टिस की. हालांकि इस प्रैक्टस के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव से अनजाने में एक गलती हो गई. उन्होंने अक्षर पटेल से जुड़े प्लान का खुलासा कर दिया, जो इस सीरीज के ब्रॉडकास्टर के वीडियो में कैद हो गया. इस सीरीज के ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स ने जब इसे

वीडियो को शेयर किया तो तो सामने आया कि अक्षर को लेकर किस तरह की प्लानिंग है. सोनी स्पोर्ट्स के वीडियो में सूर्या और मोहम्मद सिराज सीढ़ियों से उतरकर मैदान में आते दिख रहे हैं. उनके पीछे-पीछे अक्षर भी आते हैं. इस दौरान सूर्या कहते हैं, आराम से, आराम से. तीसरे-चौथे ओवर में तू ही दिखने वाला है.

यानी नए कप्तान सूर्या के बयान से यह बात तय है कि भारतीय टीम अक्षर से पावरप्ले में बॉलिंग कराएगी. इस दौरान तीसरे या चौथे ओवर में उन्हें आक्रमण पर लगाया जा सकता है. ऐसा श्रीलंका में स्पिनर्स की मददगार पिच कंडीशन के चलते हो सकता है. ध्यान रहे कि अक्षर ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान भी कई बार पावरप्ले में गेंदबाजी की कमान संभाली थी.

टेस्ट क्रिकेट में 1936 के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है इंग्लैंड : ओली पोप

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप का मानना है कि उनकी टीम टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के अंदर 600 रन बना सकती है और इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया कि वे बल्लेबाजी में आक्रामक शैली 'बैजबॉल' से पीछे हट रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर ही है। उसने 1936 में भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए मैच के दूसरे दिन 6 विकेट पर 588 रन बनाए थे और पोप का मानना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम इस रिकार्ड को तोड़ सकती है। पोप ने कहा, 'कभी-कभी हम एक दिन में 280 या 300 रन बना सकते हैं क्योंकि हम परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझते हैं।

ऐसा भी हो सकता है कि भविष्य में कभी ऐसा दिन आए जब हम 500 से 600 रन बना लें और यह अच्छा रिकॉर्ड होगा। इंग्लैंड ने दिसंबर 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 506 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही तीन मैच की श्रृंखला में अभी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर रखे हैं।

महिला एशिया कप: 2024

शेफाली वर्मा की आंधी में उड़ी नेपाल टीम...

जीत की हैट्रिक से एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत

दांबुला, एजेंसी। शैफाली वर्मा के धुआंधार 81 रन (48 गेंद) के बाद फिरकी गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने मंगलवार को यहां रनगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में महिला एशिया कप के ग्रुप ए मैच में नेपाल को 82 रनों से रौंदकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और छह अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। नेपाल की टीम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी जीत की स्थिति में नहीं दिखी। उसने दूसरे ओवर में अरुंधति रेड्डी की गेंद पर सलामी बल्लेबाज समझना खड़का (7) को आउट कर दिया। सीता राणा मगर और कबिता कुंवर ने पावर-प्ले में टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन रेड्डी ने पांचवें ओवर में कुंवर (6) को आउट कर टीम को एक और झटका दिया। सीता और कप्तान इंदु बर्मा ने वापसी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़े। राधा यादव ने इंदु बर्मा का विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ दिया और 9.2 ओवर में श्रीलंका का स्कोर 43/3 हो गया।

सीता ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सकीं। अगले ओवर में रेड्डी ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। नेपाल ने 11 ओवर के अंदर अपनी आधी टीम खो दी जबकि जीत के लिए उस समय 120 से अधिक रन चाहिए थे। चौदहवें ओवर में दीप्ति शर्मा ने तीन गेंदों के अंतराल में रुबीना छेत्री (15) और कबिता जोशी (0) को पवेलियन भेज दिया। नियमित अंतराल पर नेपाल के विकेट गिरते रहे और 20 ओवर में वह 96/9 ही बना सका। भारत के लिए दीप्ति ने अपने चार ओवर में 3-13 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि रेड्डी और राधा ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले, शैफाली वर्मा के शानदार अर्धशतक और दयालन हेमलता के 47 रनों की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए 178/3 का स्कोर बनाया। शैफाली और हेमलता ने मैच की शुरुआत से ही कोई दया नहीं दिखाई। शैफाली ने पहले ओवर में कबिता कुंवर के खिलाफ दो चौके लगाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए। उन्होंने एक छोर से आक्रमण जारी रखा, जबकि हेमलता ने दूसरे छोर को मजबूती से संभाले रखा। पहले पावर-प्ले के अंत में भारत का स्कोर 50/0 था। शैफाली ने सातवें ओवर में फुल टॉस पर रुबीना छेत्री को छक्का लगाया और गियर बदल दिया। कुछ ही समय में उन्होंने आठवें ओवर में 26 गेंदों पर अपना 10वां टी20 अर्धशतक पूरा किया। बीस वर्षीय युवा खिलाड़ी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। नेपाल के पास 12वें ओवर में हेमलता को वापस पवेलियन भेजने का मौका था, लेकिन कप्तान इंदु बर्मा ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच छोड़ दिया।

सीता राणा मगर ने आखिरकार 14वें ओवर में हेमलता (47) को आउट कर ओपनिंग साझेदारी तोड़ी। रुबीना छेत्री ने लॉन्ग-ऑन पर कोई गलती नहीं की और भारत को मैच का पहला झटका दिया। शैफाली को भी अगले ओवर में राहत मिली, लेकिन आखिरकार वह 81 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्होंने 48 गेंदों की अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया। सजीवन सजना और जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 रनों की साझेदारी की और टीम को 150 रनों के पार पहुंचाया। सजना (10) क्रीज पर टिकी नहीं रह सकीं और 19वें ओवर में कबिता जोशी ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। अंत में, रोड्रिग्स ने आक्रामक खेल दिखाया और 15 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 28 रन बनाए.

झारखंड के 10 हजार गांव होंगे उन्नत

बजट में अगले पांच साल में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाने का लक्ष्य

रांची, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्ताव में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। इसके जरिए देश के जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत आकांक्षी जिलों और जनजातीय बहुल गांवों में आदिवासी परिवारों के पूर्ण कवरेज के लिए कदम उठाए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर 63 हजार गांवों में पांच करोड़ जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी। इस योजना का सीधा लाभ 32 जनजातीय समूह वाले आदिवासी बहुल झारखंड के 19 आकांक्षी जिलों के करीब 10 हजार गांवों को मिलेगा।

2011 की जनगणना के मुताबिक झारखंड में जनजातीय आबादी 86.45 लाख है। राज्य में 12277 जनजातीय बहुल गांव हैं। यहां 19 आकांक्षी जिले हैं। इन जिलों की कुल आबादी में 50 फीसदी से अधिक जनजातीय आबादी वाले गांवों की संख्या करीब 10 हजार है। नई योजना से देश के 63 हजार गांवों की पांच करोड़ आबादी कवर होगी। इस लिहाज से झारखंड को 16 फीसदी हिस्सा मिलने का अनुमान है। ऐसा होने पर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आय और संसाधनों का विकास, रोजगार के अवसर, सरना मसना स्थल, कृषि आदि क्षेत्रों में काम होगा।

- **झारखंड के युवा कौशल विकास में होंगे उन्नत-** बजट में अगले पांच साल में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाने का लक्ष्य है। झारखंड के युवा कौशल विकास में उन्नत होंगे और उनके रोजगार की संभावना बढ़ेगी। वहीं इस बार बजट में कृषि प्रक्षेत्र में झारखंड के किसानों को

खेती-बाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्में का लाभ मिल सकेगा। एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि के तहत सहायता दी जाएगी। इसके अलावा झारखंड स्किल डेवलपमेंट विकास सोसाइटी के ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक राज्य में फिलहाल 67 लाख से अधिक युवा कौशल विकास के लिए पंजीकृत हैं। अभी 43 लाख से अधिक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।

- **पूर्वोदय योजना शुरू होने से झारखंड का होगा विकास-** पूर्वोदय योजना में झारखंड समेत बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को शामिल किया गया है। योजना का उद्देश्य पूर्वी क्षेत्र का विकास करना है। इससे मानव संसाधन, अवसंरचना और आर्थिक अवसरों का सृजन होगा। इसका लाभ झारखंड के लोगों को भी होगा। ताकि यह क्षेत्र विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाए। देश के पूर्वी भाग प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध राज्यों की सांस्कृतिक परम्पराएं और सुदृढ़ होंगी।
- **राज्य की रेल परियोजनाओं को बजट में मिला विस्तार-** बजट में झारखंड की कई पुरानी रेल परियोजनाओं को विस्तार मिला है। रांची-लोहरदगा टोरी लाइन का 113 किमी तक, गोइलकेरा-मनोहरपुर थर्ड लाइन 40 किलोमीटर, राजखरसावां-सिन्नी थर्डलाइन और बंडामुंडा-रांची लाइन के लिए 250 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मुरी-बरकाकाना 58 किमी ट्रैक दोहरीकरण को भी गति देने का प्रस्ताव है।

साहिबगंज में एयरपोर्ट निर्माण की मांग तेज

सीएम हेमंत ने चीन का नाम लेकर केंद्र को लिखा पत्र

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार से साहिबगंज जिले में हवाई अड्डे का निर्माण कराने का आग्रह किया है। मंगलवार को उन्होंने इस आशय का पत्र केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को प्रेषित किया है। हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में कहा है कि झारखंड का साहिबगंज जिला पश्चिम बंगाल और बिहार के उत्तरी पूर्व सीमा पर स्थित है। संताल परगना क्षेत्र में यह अपेक्षाकृत कम विकसित जिला होने के कारण इस जिला को राज्य सरकार अपनी ओर से विभिन्न आधारभूत संरचनाओं के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

अपने पत्र में हेमंत सोरेन ने कहा कि इस क्रम में भारत सरकार की मदद से गंगा नदी पर नए पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। साहिबगंज में रेलवे लाइन के साथ-साथ अन्तर्राज्यीय बस स्टैंड की भी स्वीकृति राज्य सरकार की ओर से प्रदान की गई है।

भौगोलिक एवं सामरिक दृष्टिकोण से साहिबगंज फरक्का बांध के निकट एवं बांग्लादेश और चीन से कम दूरी पर अवस्थित है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत की परिकल्पना में जलमार्गीय यातायात को भी प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए साहिबगंज में एक नियमित हवाई अड्डा का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

सामरिक दृष्टिकोण से यह भारतीय वायु सेना को भी सहायता प्रदान कर सकता है। इस हवाई अड्डा से बिहार एवं बंगाल के लोगों को भी देश के अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने जिक्र किया है कि देवघर में भारत सरकार द्वारा हवाई अड्डा बनाने की दिशा में पहल करने पर राज्य सरकार ने सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती।

संसद में बजट हुआ पेश, बोकारो में मिलीजुली मिली प्रतिक्रिया

बोकारो, एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट प्रस्तूत किया। इस बजट को लेकर जहां एनडीए गठबंधन दलों ने देश के विकास का बजट बताया है। वहीं इंडिया गठबंधन दलों ने इस बजट को पूरी तरह से फेल बताया है। हालांकि यह बजट बोकारो के लिए खास माना जा रहा है। इसमें डोमेस्टिक स्टील की खपत को बढ़ावा को लेकर बुनियादी ढांचे में पूंजीगत व्यय को बरकरार रखा है। सड़क आवागमन को बेहतर बनाने और विभिन्न कॉरीडोर के विकास पर फोकस करने से डोमेस्टिक स्टील की खतप को बढ़ावा मिलेगा। इस खासकर बोकारोवासियों को लाभ पहुंचेगा। शहर में विकास की रफ्तार बढ़ेगी, साथ ही रोजी रोजगार के संभावनाएं भी बढ़ेंगे। बोकारो जिले के 109 गांवों को प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत विकास किया जाएगा। बजट इस अभियान को जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिये शुरू किया जाएगा। यह योजना जनजातीय आबादी बाहुल्य गांवों और आकांक्षी जिलों में रहने वाले जनजातीय परिवारों को संपूर्ण कवरेज प्रदान करेगी।

डीएसपीएयू में ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव 27 से

रांची, एजेंसी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के आईयूएसी और हेरिटेज सोसाइटी की ओर से दो दिवसीय ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन 27-28 जुलाई को किया जाना है। इसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक अपने व्याख्यान के जरिए जनजातीय संस्कृति और विरासत पर विस्तृत चर्चा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य करेंगे।

कॉन्क्लेव का पोस्टर मंगलवार को कुलपति ने जारी किया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी जनजातीय संस्कृति और उसकी विरासत को सहेजें और नई पीढ़ी को इससे अवगत कराएं। कहा कि यह ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव उसी दिशा में एक प्रयास है, जहां देश के विषय विशेषज्ञ इतिहास, दर्शनशास्त्र, साहित्य, कला, पर्यटन और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आपसी विमर्श और संवाद स्थापित करेंगे, ताकि कई सार्थक निष्कर्षों पर पहुंचा जा सके।

इस कॉन्क्लेव में शामिल होनेवाले विषय विशेषज्ञों में- डॉ धम्मरत्न, नव नालंदा महाविहार, डीम्ड विवि, संस्कृत मंत्रालय के अधीन, डॉ अनंत आशुतोष- अध्यक्ष, हेरिटेज इंडिया, प्रो संजय पासवान- पूर्व कैबिनेट मंत्री, प्रो दीनबंधु पांडेय- सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज, डॉ आनंदवर्द्धन- बीआर आंबेडकर विवि, दिल्ली और प्रो विजय शंकर शुक्ल- बीएचयू आदि शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

साढ़पुरा में जमीन विवाद को लेकर एक पक्ष की महिला समेत तीन को घायल किया

जमशेदपुर, एजेंसी। चाकुलिया प्रखंड की भातकुंडा पंचायत के साढ़पुरा गांव में बुधवार की सुबह जमीन विवाद में तीन लोगों ने एक महिला समेत तीन लोगों को डंडा और कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया। तीनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में लाया गया। सीएचसी में इलाज जारी है। घटना की सूचना पाकर पुलिस सीएचसी पहुंची है। पुलिस मामले

की छानबीन कर रही है। घायल दीपक मर्दिना के मुताबिक वे खेत में बैगन के पौधे लगा रहे थे। तभी दूसरे पक्ष के अशोक महतो, अवनी महतो और उत्तम महतो पहुंचे और कहा कि यह जमीन उनकी है। झड़प हुई और तीनों वहां से चले गए। फिर कुछ देर बाद कुल्हाड़ी और डंडा लेकर तीनों आ पहुंचे और पीछे से डंडा और कुलहाड़ी से उन पर हमला कर दिया। इससे दीपक मर्दिना घायल हो गए। दीपक की पत्नी बुलू मर्दिना और चाचा गंगाधर मर्दिना बीच बचाव करने पहुंचे तो उन्हें भी तीनों ने डंडा और कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया। दीपक मर्दिना के सिर में चोट आई है। गंगाधर मर्दिना के सिर में गंभीर चोट है। बुलू मर्दिना हाथ में चोट है। समाचार लिखे जाने तक तीनों घायलों का इलाज सीएचसी में जारी है।

बजट जनता के लिए है बेहद लाभकारी : एमबीए निदेशक

हजारीबाग, एजेंसी। विभावि संचालित एमबीए के निदेशक अमिताभ सामंता ने कहा कि केन्द्र सरकार की यह बजट विकसित भारत के निर्माण में बहुत सहायक सिद्ध होगा। इस बजट में किसानों और शहरी क्षेत्र में रहने वाले गरीबों और युवाओं के रोजगार के लिए संतुलित और समावेशी प्रयास किया गया है। जो देश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होगा। कहा कि मोदी सरकार के 3.0 कार्यकाल के पहले वार्षिक आम बजट सभी वर्गों के लिए लाभकारी होगा और यह आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। बजट में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सुरक्षा की दृष्टि से गुरुद्वारा में भी लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

चाईबासा, एजेंसी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरा अधीकांश खराब हो जाने के कारण सुरक्षा के दृष्टी और चोर, उक्को के साथ असमाजिक तत्वों से बचने तथा निगरानी रखने के लिए अपने अपने दुकानों, मकानो में सीसीटीवी कैमरा लगा रहे हैं। इसी तरह से सुरक्षा के

मद्देनजर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारा में भी सीसीटीवी कैमरा लगाए जा रहे हैं, ताकि हर आने जाने वाले लोगों पर नजर रखा जा सके और ज़रूरत पड़ने पर पहचान की जा सके। इसी के तहत चाइबासा गुरुद्वारा में भी सुरक्षा के लिए 9 सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। यह जानकारी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष गुरुमुख सिंह खोखर ने दी।

कल्याण और शिक्षा विभाग मिलकर छात्रों को देंगे छात्रवृत्ति

रांची, एजेंसी। कल्याण और शिक्षा विभाग मिलकर छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देंगे। इसकी जानकारी आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा ने दी। आदिवासी कल्याण आयुक्त और पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय ई-कल्याण छात्रवृत्ति वितरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें जिला स्तरीय शिक्षा और कल्याण विभाग के अधिकारियों और चयनित मास्टर ट्रेनर्स को ट्रेनिंग दी गई।

प्रशिक्षण में आवेदन प्रक्रिया, योग्यता मानदंड, वित्तीय प्रबंधन और छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता जैसी विभिन्न चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। यह राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम था, जो अगले कुछ दिनों में जिला और प्रखंड स्तर पर भी आयोजित किया जाएगा। इसके तहत राज्य के सभी स्कूलों के 35 हजार आईएनओ को प्रशिक्षण देना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के वंचित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की बाधा न आए इस उद्देश्य को हासिल करना है।

अजय नाथ झा ने पदाधिकारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और समस्याओं का समाधान भी किया। उन्होंने कहा कि दोनों विभागों को मिलकर छात्रवृत्ति के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। बेहतर समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालयों में बाल संसद को भी मजबूत करने की बात कही। इस अवसर पर उपनिदेशक संगीता शरण भी मौजूद रहीं।

प्रशिक्षण में आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों, पिरामल फाउंडेशन और सीजीजी ने अपने अनुभव साझा किए। इससे आईएनओ और अन्य पदाधिकारियों को व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए उपयोगी सुझाव दिये गये।

फिर मेहरबान हुआ मानसून! रांची सहित कई जिलों में मूसलाधार वर्षा

अगले 5 दिनों तक होगी झमाझम बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में फिर से एक बार फिर मानसून सक्रिय हुआ है। मंगलवार को राजधानी समेत रांची के कई हिस्सों में मूसलाधार वर्षा हुई है। मानसून के सक्रिय होने से किसानों को इसका सीधा फायदा पहुंचेगा।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी में अगले तीन से पांच दिनों तक रूक-रूक कर वर्षा होती रहेगी। इसका लाभ किसानों को मिलेगा। किसान रोपनी से संबंधित कार्यो में जुट जाएं। अगस्त और सितंबर माह में काफी अच्छी वर्षा ही उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे निम्न दबाव के कारण पूरा सिस्टम ओडिसा के हिस्सों में सक्रिय है। वहीं मंगलवार को राजधानी में दिनभर उमस बनी रही, दोपहर के बाद अच्छी वर्षा देखने को मिली।

बंगाल की खाड़ी में मानसून सक्रिय होने की वजह से ही राजधानी में मंगलवार को अच्छी वर्षा हुई है। वहीं, मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। अगले तीन दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई

बदलाव नहीं होगा। मंगलवार को राजधानी में 66.8 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि जमशेदपुर में सात मिलीमीटर और डाल्टेनगंज में 7.8 मिलीमीटर वर्षा हुई। सिमडेगा, पलामू, साहेबगंज, खूंटी, गढ़वा, चतरा में भी हल्की वर्षा हुई है।

मांगों का लेकर पांच अगस्त से आमरण अनशन करेंगे शिक्षक

रांची, एजेंसी। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षक पांच अगस्त से आमरण अनशन पर बैठेंगे। सरकार की वादा खिलाफी, अधिकारियों की मनमानी, शिक्षकों की प्रताड़ना और गैर शैक्षणिक कार्यों से तंग आकर शिक्षक अपनी पांच सूत्री मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आमरण अनशन करेंगे। संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि आंदोलन को लेकर सभी जिले और प्रखंड में तैयारी चल रही है। अपनी मांगों के समर्थन में आर-पार की लड़ाई लड़ने को शिक्षक तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य राज्यकर्मियों की तरह सभी शिक्षकों के लिए सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन योजना (एमएसीपी) लागू की जाए। पूरी सेवाकाल में बिना वित्तीय लाभ शिक्षक सेवानिवृत्त होने को बाध्य हैं, जबकि शिक्षकों को बिहार में लाभ मिल रहा है। वर्षों से लम्बित स्नातक प्रशिक्षित और प्रधानाध्यापक के पदों पर प्रोन्नति देने, छठे वेतनमान के वेतन निर्धारण में विसंगति दूर करने, अंतर जिला स्थानांतरण में गृह जिला में स्थानांतरण का विकल्प देने, स्वास्थ्य बीमा लागू करने, मांग को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष पांच अगस्त से राज्य के शिक्षक आमरण अनशन करेंगे।

रांची और लातेहार में एनआईए की रेड, कई ठिकानों में चल रही छापेमारी

रांची, एजेंसी। जानकारी के अनुसार मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के लपरा में जितेन्द्रनाथ पांडेय व रोहित यादव नाम के दो लोगों के घर पर एनआईए का छापा पड़ा है. पुलिस ने दोनों घरों को घेर लिया है. घरों के पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं. छापामारी में अधिकारियों संग दो महिला अधिकारी के भी होने की सूचना है. किसी को भी घरों से निकलने या अंदर जाने की अनुमति नहीं है. एनआईए की टीम सुबह चार बजे ही मैक्लुस्कीगंज थाना पहुंच चुकी थी. कई टीमों में बटकर 5ः30 बजे से कार्रवाई शुरू हुई जो लगातार चल रही है. सूत्रों से मिली जकनकारी के अनुसार रोहित यादव के लपरा स्थित घर, चंदवा थाना के निंद्रा घर अन्य व्यवसायिक ठिकानों पर और जितेन्द्रनाथ पांडेय का लपरा स्थित घर सहित अन्य ठिकानों पर छापामारी चल रही है. बता दें कि रोहित यादव कुख्यात नक्सली नकुल यादव व 15 लाख के इनामी नक्सली रविन्द्र गंझू का समर्थक बताया जाता है. कुछ वर्ष पूर्व लपरा स्थित रोहित यादव के घर पर पुलिस ने छापेमारी की थी और मामले में जेल भी जा चुका है. वहीं जितेन्द्रनाथ पांडेय ठेकेदारी से जुड़े हुए हैं. समाचार लिखे जाने तक दोनों ही घरों में तलाशी अभियान जारी है. वहीं परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है. इस मौके पर खलारी डीएसपी आरएन चौधरी मैक्लुस्कीगंज, थाना प्रभारी गोविंद कुमार सहित महिला पुलिस सुरक्षा के दृष्टि से मौजूद है.

झारखंड सरकार देगी मंत्रियों और अफसरों को 60 हजार का फोन

हर महीने रिचार्ज के लिए मिलेंगे 3000

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के मंत्रियों और वरीय अधिकारियों को 60,000 रुपये का मोबाइल फोन दिया जायेगा. साथ ही उनको रिचार्ज के लिए हर महीने 3,000 रुपये भी दिये जायेंगे. वित्त विभाग ने राज्य सरकार के मंत्रियों और विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों के लिए मोबाइल क्रय व रिचार्ज कूपन की नयी अधिसीमा निर्धारित की है. इससे संबंधित प्रस्ताव मंत्रिमंडल की स्वीकृति के लिए भेजा गया है.

बुधवार को होनेवाली कैबिनेट की बैठक में इस पर सहमति ली जायेगी. प्रस्ताव के मुताबिक राज्य सरकार के मंत्री, राज्यमंत्री, उपमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, आयुक्त, सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त, क्षेत्रीय महानिरीक्षक, आरक्षी उप महानिरीक्षण, उपायुक्त व आरक्षी अधीक्षक अब 60,000 रुपये कीमत की मोबाइल खरीद सकेंगे. उनको हर महीने रिचार्ज के लिए 3,000 रुपये भी दिये जायेंगे. विशेष सचिव स्तर के अफसर 45,000 रुपये का मोबाइल खरीद सकेंगे. उनको रिचार्ज के लिए प्रतिमाह 2,000 रुपये मिलेंगे.

वहीं, अपर सचिव, संयुक्त सचिव, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक व प्रधान कर्मचारीवृंद स्तर के अधिकारियों के लिए 40,000 रुपये के मोबाइल की खरीद की जायेगी. उनको रिचार्ज के लिए हर महीने 1,500 रुपये दिये जायेंगे. इसके अलावा उप सचिव, उप निदेशक व वरीय प्रधान आप्त सचिव को 35,000 और अवर सचिव, सहायक निदेशक, प्रधान आप्त सचिव, कोषागार, उप कोषागार पदाधिकारी समेत सभी राजपत्रित कर्मचारियों को 30,000 रुपये का मोबाइल दिया जायेगा. रिचार्ज के लिए उनको क्रमशः 1,000 व 750 रुपये दिये जायेंगे.